

# Holy Bible

*Aionian* Edition®

सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

**Chhattisgarhi Bible**

**Gospel Primer**

# Table of Contents

- Preface
- Genesis 1-4
- John 1-21
- Revelation 19-22
- 66 Verses
- Reader's Guide
- Glossary
- Maps
- History
- Destiny
- Illustrations, Doré

Welcome to the *Gospel Primer*. The Aionian Bible invites you to review popular Christian understanding. Is it possible that the most well-known verse in the Bible is mistranslated, John 3:16? Are the destinies of Heaven and Hell really the whole story? And are misunderstandings of this magnitude even possible? First, know that the Aionian Bible does not abandon Christian heritage. We have much to learn from godly people throughout all ages. Yet, this booklet is a new primer to the truly good news of Jesus Christ, the savior of all mankind.

---

*Holy Bible Aionian Edition ®*

सुतंतर समकालीन छत्तीसगढ़ी अनुवाद

Chhattisgarhi Bible  
Gospel Primer

Creative Commons Attribution ShareAlike 4.0 International, 2018-2025

Source text: eBible.org

Source version: 5/9/2025

Source copyright: Creative Commons Attribution ShareAlike 4.0  
Biblica, Inc., 2012, 2016, 2021, 2024

Formatted by Speedata Publisher 5.1.16 (Pro) on 7/26/2025

100% Free to Copy and Print

TOR Anonymously

<https://AionianBible.org>

Published by Nainoia Inc, <https://Nainoia-Inc.signedon.net>

All profits are given to <https://CoolCup.org>

We pray for a modern Creative Commons translation in every language  
Translator resources at <https://AionianBible.org/Third-Party-Publisher-Resources>  
Report content and format concerns to Nainoia Inc  
Volunteer help is welcome and appreciated!

# Preface

छत्तीसगढ़ी at [AionianBible.org/Preface](http://AionianBible.org/Preface)

The *Holy Bible Aionian Edition* ® is the world's first Bible *un-translation*! What is an *un-translation*? Bibles are translated into each of our languages from the original Hebrew, Aramaic, and Koine Greek. Occasionally, the best word translation cannot be found and these words are transliterated letter by letter. Four well known transliterations are *Christ*, *baptism*, *angel*, and *apostle*. The meaning is then preserved more accurately through context and a dictionary. The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven additional Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies.

The first three words are *aiōn*, *aiōnios*, and *aīdios*, typically translated as *eternal* and also *world* or *eon*. The Aionian Bible is named after an alternative spelling of *aiōnios*. Consider that researchers question if *aiōn* and *aiōnios* actually mean *eternal*. Translating *aiōn* as *eternal* in Matthew 28:20 makes no sense, as all agree. The Greek word for *eternal* is *aīdios*, used in Romans 1:20 about God and in Jude 6 about demon imprisonment. Yet what about *aiōnios* in John 3:16? Certainly we do not question whether salvation is *eternal*! However, *aiōnios* means something much more wonderful than infinite time! Ancient Greeks used *aiōn* to mean *eon* or *age*. They also used the adjective *aiōnios* to mean *entirety*, such as *complete* or even *consummate*, but never infinite time. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs. So *aiōnios* is the perfect description of God's Word which has *everything* we need for life and godliness! And the *aiōnios* life promised in John 3:16 is not simply a ticket to *eternal* life in the future, but the invitation through faith to the *consummate* life beginning now!

The next seven words are *Sheol*, *Hadēs*, *Geenna*, *Tartaroō*, *Abyssos*, and *Limnē Pyr*. These words are often translated as *Hell*, the place of *eternal punishment*. However, *Hell* is ill-defined when compared with the Hebrew and Greek. For example, *Sheol* is the abode of deceased believers and unbelievers and should never be translated as *Hell*. *Hadēs* is a temporary place of punishment, Revelation 20:13-14. *Geenna* is the Valley of Hinnom, Jerusalem's refuse dump, a temporal judgment for sin. *Tartaroō* is a prison for demons, mentioned once in 2 Peter 2:4. *Abyssos* is a temporary prison for the Beast and Satan. Translators are also inconsistent because *Hell* is used by the King James Version 54 times, the New International Version 14 times, and the World English Bible zero times. Finally, *Limnē Pyr* is the Lake of Fire, yet Matthew 25:41 explains that these fires are prepared for the Devil and his angels. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The eleventh word, *eleēsē*, reveals the grand conclusion of grace in Romans 11:32. Please understand these eleven words. The original translation is unaltered and a highlighted note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. To help parallel study and Strong's Concordance use, apocryphal text is removed and most variant verse numbering is mapped to the English standard. We thank our sources at [eBible.org](http://eBible.org), [Crosswire.org](http://Crosswire.org), [unbound.Biola.edu](http://unbound.Biola.edu), [Bible4u.net](http://Bible4u.net), and [NHEB.net](http://NHEB.net). The Aionian Bible is copyrighted with [creativecommons.org/licenses/by/4.0](http://creativecommons.org/licenses/by/4.0), allowing 100% freedom to copy and print, if respecting source copyrights. Check the Reader's Guide and read at [AionianBible.org](http://AionianBible.org), with Android, and with TOR network. Why purple? King Jesus' Word is royal and purple is the color of royalty! All profits are given to [CoolCup.org](http://CoolCup.org).



आदम ला निकाले के बाद, ओह जिनारी के स्ख के रसता के रखवारी करे बर, अदन के बगीचा के पूरब दिग म कस्बमन ला अऊ  
चारों कोति किंदरनेवाला आरी के तलवार ला घलो रख दीस।

उत्पत्ति 3:24

# उत्पत्ती

21 परमेसर ह समुंदर के बड़े-बड़े जीव-जन्तुमन ला बनाईस, अऊ जाति-जाति के ओ जम्मो जीयत चीजमन ला बनाईस जेमन ले पानी

**1** सूर म परमेसर ह अकास अऊ धरती ला रचिस। 2 अऊ धरती भर गीस अऊ ओमन पानी म चलन्य-फिरंय, अऊ किसम-किसम के ह बेडौल अऊ सुनसान परे रिहिस, अऊ गहिरा पानी के ऊपर पंखवाले चिरझैमन ला घलो बनाईस। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह अधियार रिहिस, अऊ परमेसर के आतमा पानी के ऊपर किंदरत बढ़िया हे। 22 परमेसर ह ओमन ला आसीस दीस अऊ कहिस, रिहिस। 3 अऊ परमेसर ह कहिस, “अंजोर हो,” त अंजोर हो “फूलब-फरब; गनती म बाढ़व अऊ समुंदर के पानी म भर जावब, गीस। 4 परमेसर ह अंजोर ला देखिस कि येह बने हे, अऊ ओह अऊ चिरझैमन धरती ऊपर बहुत हो जावंय।” 23 अऊ सांझ होईस, अंजोर ला अंधियार ले अलग करिस। 5 परमेसर ह अंजोर ला फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले पांचवां दिन हो गीस। 24 फेर “दिन,” अऊ अधियार ला “रात” कहिस। अऊ सांझ होईस, फेर परमेसर ह कहिस, “धरती म किसम-किसम के जीयत परानी होवंयः बिहान पहा गीस—ये किसम ले पहिला दिन हो गीस। 6 फेर परमेसर याने कि घेरेलू-पसु, अऊ भुइयां म रेंगइया जन्तु अऊ बन पसु, हर ह कहिस, “पानी के बीच म एक अइसने अंतर होवय कि पानी ह एक अपन जाति-जाति के मुताबिक होवंय।” अऊ वइसने ही हो पानी ले अलग हो जावय।” 7 तब परमेसर ह अकास-मंडल बनाईस गीस। 25 परमेसर ह किसम-किसम के बन पसु, किसम-किसम अऊ अकास-मंडल के खालहे के पानी ला एकर ऊपर के पानी ले के घेरेलू-पसु, अऊ भुइयां ऊपर रेंगइया किसम-किसम के जम्मो अलग कर दीस। अऊ वइसने हो गीस। 8 परमेसर ह ओ अकास- जन्तुमन ला बनाईस। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। मंडल ला “अकास” कहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा 26 तब परमेसर ह कहिस, “हमन मनखे ला अपन सास्प, अपन गीस—ये किसम ले दूसर दिन हो गीस। 9 फेर परमेसर ह कहिस, समानता म बनावन, ताकि ओमन समुंदर के मछरी, अकास के चिरई “अकास के खालहे के पानी ह एके जगह म माढ जावय, अऊ अऊ घेरेलू-पसु अऊ जम्मो बन पसु अऊ भुइयां म रेंगइया जम्मो साखा भुइयां दिखय।” अऊ वइसने हो गीस। 10 परमेसर ह साखा जीव-जन्तु ऊपर अधिकार रखयं।” 27 तब परमेसर ह मनखे ला भुइयां ला “धरती” कहिस, अऊ जऊन पानी माढ गीस, ओला ओह अपन खुद के सस्प म बनाईस, अपन ही सस्प म परमेसर ह ओमन “समुंदर” कहिस, अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। 11 ला बनाईस; नर अऊ नारी करके ओह ओमन ला बनाईस। 28 अऊ फेर परमेसर ह कहिस, “धरती म हरियर धांस, बीजावाले पऊथा परमेसर ह ओमन ला आसीस दीस अऊ ओमन ला कहिस, “फूलब-अऊ फर देवइया रुख, अऊ रुख के फर म अपन-अपन किसम फरब अऊ गनती म बढ़व; धरती म भर जावब, अऊ येला अपन बस के मुताबिक बीजा होवय।” अऊ वइसने हो गीस। 12 ये किसम म कर लेवब। समुंदर के मछरी अऊ अकास के चिरई अऊ भुइयां ले धरती म हरियर धांस, अऊ पऊथा, जेमा ओमन के जाति के ऊपर रेंगइया जम्मो जीव-जन्तुमन ऊपर अधिकार रखव।” 29 तब मुताबिक बीजा होथे, अऊ फरवाला रुख, जेमा ओमन के जाति के परमेसर ह ओमन ला कहिस, “सुनव, धरती के जम्मो बीजावाले मुताबिक बीजा होथे, ये जम्मो हो गीन। अऊ परमेसर ह देखिस कि पऊथा अऊ जम्मो रुख, जऊन म बीजावाले फर होथें, ओ सबो ला येह बढ़िया हे। 13 अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये मेह तुमन ला देवत हंव। ओमन तुम्हर जेवन बर अंय। 30 अऊ किसम ले तीसर दिन हो गीस। 14 फेर परमेसर ह कहिस, “दिन ला धरती के जम्मो पसु अऊ अकास के जम्मो चिरई अऊ भुइयां ऊपर रात ले अलग करे बर अकास-मंडल म अंजोरमन होवंय, अऊ रेंगइया जम्मो जीव-जन्तु—जेमन म जिनगी के सास हवय—मेह ओमन पवित्र समय, अऊ दिन अऊ बछरमन ला जाने बर चिनहां जम्मो हरियर-हरियर पऊथा ला जेवन बर देवत हंव।” अऊ वइसने के स्प म काम करय, 15 अऊ धरती ऊपर अंजोर देय बर ओमन ही हो गीस। 31 तब परमेसर ह अपन बनाय जम्मो चीज ला देखिस, अकास-मंडल म अंजोर बन जावंय।” अऊ वइसने हो गीस। 16 अऊ येह बहुत बढ़िया रिहिस। अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा परमेसर ह दू ठन बडे अंजोर बनाईस—ओमा के बडे अंजोर ला गीस—ये किसम ले छठवां दिन हो गीस।

दिन ऊपर परभूता करे बर अऊ छोटे अंजोर ला रात ऊपर परभूता करे बर बनाईस। ओह तारामन ला घलो बनाईस। 17 परमेसर ह ओमन ला अकास-मंडल म एकर बर रखिस कि ओमन धरती ऊपर अंजोर देवय, 18 दिन अऊ रात ऊपर परभूता करय, अऊ अंजोर ला अंधियार ले अलग करय। अऊ परमेसर ह देखिस कि येह बढ़िया हे। 19 अऊ सांझ होईस, फेर बिहान पहा गीस—ये किसम ले चौथी दिन हो गीस। 20 फेर परमेसर ह कहिस, “पानी ह जीयत जन्तुमन ले भर जावय, अऊ चिरईमन धरती के ऊपर अकास म उड़यं।”

**2** ये किसम ले अकास अऊ धरती अऊ ओमा के जम्मो चीज के बनई पूरा हो गीस। 2 परमेसर ह अपन काम, जेला ओह करत रिहिस, सातवां दिन म पूरा करिस अऊ ओह अपन जम्मो काम ले सातवां दिन बिसराम करिस। 3 तब परमेसर ह सातवां दिन ला आसीस दीस अऊ येला पवित्र ठहिराईस, काबरकि ओ दिन ओह अपन सिरिस्टी के जम्मो बुता ले बिसराम करिस। 4 अकास अऊ धरती के बिबरन ये अय जब ओमन रचे गीन, मतलब कि जब यहोवा परमेसर ह अकास अऊ धरती ला बनाईस। 5 तब धरती म न

तो कोनो झाड़ी उगे रिहिन, अऊ न ही कोनो पञ्चा निकले रिहिन, ले निकाले गे हवय।” 24 एकरे कारन आदमी ह अपन दाईं-ददा काबरकि यहोवा परमेसर ह धरती म पानी नइ बरसाय रिहिस, अऊ ला छोड़के अपन घरवाली संग मिले रहिही, अऊ ओ दूरों एक भुझां म खेती करे बर कोनो नइ रिहिन, 6 पर कुहरा धरती ले उठत तन होही। 25 आदम अऊ ओकर घरवाली दूरों नांगा रिहिन, पर रिहिस, जेकर ले जम्मो भुझां पानी ले पलत रिहिस। 7 तब यहोवा ओमन लजात नइ रिहिन।

परमेसर ह भुझां के माटी ले एक मनखे ला रचिस, अऊ ओकर नाक म जिनगी के सांस औंक दीस, अऊ मनखे ह जीयत पानी बन गीस। 8 अऊ यहोवा परमेसर ह पूरब कोति अदन म एक बगीचा लगाईस, अऊ उहां ओ मनखे जेला ओह रचे रिहिस, रख दीस। 9 अऊ यहोवा परमेसर ह भुझां म जम्मो किसम के स्ख, जो देखे म मनोहर अऊ जेकर फर खाय म बने लगथे, उगाईस, अऊ बगीचा के मांझा म जिनगी के स्ख अऊ भला अऊ बुरा के गियान के स्ख ला घलो लगाईस। 10 ओ बगीचा ला पलोय बर, एक नदी अदन ले बहत रिहिस अऊ उहां ले आधू जाके ओह चार धारा म बंट गीस। 11 पहिली धारा के नांव पीसोन ए; येह हवीला नांव के पूरा देस ला, जिहां सोन मिलेथे, धेरे हवय। 12 (ओ देस के सोन चोखा होथे; उहां खुमबदार धूप अऊ गोमेदक घलो मिलथे।) 13 दूसर नदी के नांव गीहोन ए; येह कूस नांव के पूरा देस ला धेरे हवय। 14 अऊ तीसर नदी के नांव तिगरीस ए; येह अस्सू के पूरब कोति बोहाथे। अऊ चौथा नदी के नांव फरात ए। 15 तब यहोवा परमेसर ह मनखे ला लेके अदन के बगीचा म रख दीस कि ओह ओमा काम करय अऊ ओकर देखभाल करय। 16 अऊ यहोवा परमेसर ह मनखे ला ये हुक्म दीस, “तें बगीचा के कोनो घलो स्ख के फर बिगर रोक-टोक के खा सकत हस, 17 पर भला अऊ बुरा के गियान के जऊन स्ख हवय, ओकर फर तें कभू झन खबे, काबरकि जब तें ओकर फर ला खाबे, त निस्चित स्प से तेंह मर जाबे।” 18 फेर यहोवा परमेसर ह कहिस, “मनखे के अकेला रहई बने नो हय। में ओकर बर एक अइसन मददार बनाहूं, जऊन ह ओकर ले मेल खावय।” 19 यहोवा परमेसर ह भुझां ले जम्मो जाति के पसमन ला अऊ अकास के जम्मो चिरईमन ला बनाय रिहिस अऊ ये देखे बर ओमन ला मनखे करा लानिस कि ओह ओमन के का-का नांव रखथे; अऊ जऊन-जऊन नांव लेके जीयत पानीमन ला मनखे ह बलाईस, ओह ओमन के नांव हो गीस। 20 ये किसम ले मनखे ह जम्मो घरेल-पसुमन के, अकास के चिरईमन के अऊ जम्मो बन पसुमन के नांव रखिस। पर आदम बर कोनो अइसने सहायक नइ मिलिस, जेकर संग ओकर मेल खावय। 21 एकरसेति यहोवा परमेसर ह आदम ला भारी नीद म डार दीस; अऊ जब ओह सुत रिहिस, तब परमेसर ह आदम के एक पसली निकालके ओकर जगह म मांस भर दीस। 22 तब यहोवा परमेसर ह आदम ले निकाले ओ पसली म ले एक माईलोगन बनाईस, अऊ ओला आदम करा ले आईस। 23 तब आदम ह कहिस, “अब येह मोर हाडा म के हाडा अऊ मोर मांस म के मांस अय; एकरसेति येला ‘नारी’ कहे जाही, काबरकि येह नर म

**3** यहोवा परमेसर ह जतेक बन पसु बनाय रिहिस, ओ सब म सांप ह जादा धूत रिहिस। ओह माईलोगन ले पुछिस, “का परमेसर ह सही म कहे हवय, ‘तुमन ये बगीचा के कोनो स्ख के फर ला झन खाह?’” 2 माईलोगन ह सांप ला जबाब दीस, “हमन ये बगीचा के स्खमन के फर खा सकत हन, 3 पर जऊन स्ख ह बगीचा के मांझा म हवय, ओकर फर के बारे म परमेसर ह कहे हवय कि न तो तुमन ओला खाव अऊ न ही ओला छुवव, नइ तो तुमन मर जाह।” 4 तब सांप ह माईलोगन ला कहिस, “तुमन निस्चय नइ मरव। 5 बरन परमेसर खुद जानत है कि जऊन दिन तुमन ये फर ला खाह, ओहीच दिन तुहर आंखी ह उधर जाही, अऊ तुमन भला अऊ बुरा के गियान पाके परमेसर के सही हो जाह।” 6 त जब माईलोगन ह देखिस कि स्ख के फर ह खाय बर बढ़िया अऊ देखे म मनभाऊ, अऊ बुद्धि देय बर पसंद के लाईक है, त ओह ओमा ले कुछ ला टोके खाईस, अऊ कुछ अपन घरवाला ला घलो दीस, जऊन ह ओकर संग रिहिस, अऊ ओह घलो खाईस। 7 तब ओ दूरों के आंखी उधर गीस, अऊ ओमन ला महसूस होईस कि ओमन नंगरा हवयं; एकरे बर ओमन अंजीर के पानमन ला जोड़-जोड़के अपन बर ढपनी बना लीन। 8 तब यहोवा परमेसर, जऊन ह दिन के ठंडा समय बगीचा म धूमय, ओकर अवाज ओमन ला सुनई दीस। तब आदम अऊ ओकर घरवाली बगीचा के स्खमन के बीच म यहोवा परमेसर ले लुका गीन। 9 पर यहोवा परमेसर ह हांक पारके आदम ला पुछिस, “तें कहां हस?” 10 ओह जबाब दीस, “मैं बारी म तोर अवाज ला सुनके डर गेव, काबरकि मैं नंगरा रहेव; एकरसेति मैं लुका गेव।” 11 परमेसर ह कहिस, “तोला कोन कहिस कि तें नंगरा हस? जऊन स्ख के फर खाय बर मैंह तोला मना करे रहेव, का तेंह ओकर फर ला खाय हस?” 12 आदम ह कहिस, “जऊन माईलोगन ला तेंह मोर संग रहे बर देय हस—ओही ह ओ स्ख के फर योला खाय बर दीस अऊ मैंह ओला खाय।” 13 तब यहोवा परमेसर ह माईलोगन ले कहिस, “ये तें का करे हस?” माईलोगन ह जबाब दीस, “सांप ह मोला बहका दीस, त मैंह खाय।” 14 तब यहोवा परमेसर ह सांप ला कहिस, “काबरकि तेंह अइसने करे हस, “एकरसेति तें जम्मो घरेल-पसु, अऊ जम्मो बन पसु ले जादा सरापित अस! तेंह घेट के बल म रेंगबे, अऊ तेंह जिनगी भर माटी खावत रहिबे। 15 अऊ मैंह तोर अऊ ये माईलोगन के बीच म, अऊ तोर बंस अऊ एकर बंस के बीच म, बईता उपजाहूं, ओह तोर मुड ला कुचरही, अऊ तें ओकर एड़ी ला डसबे।” 16 फेर माईलोगन ला ओह कहिस, “मैं तोर गरभवती होय के समय के पीरा

ला अब्बड बढ़ाहूं; अऊ छेवारी होय के समय, तेह पीरा सहके त कैन ह अपन भाई हाबिल ऊपर हमला करके ओला मार डारिस। लइका जनमाओ। तोर लालसा तोर घरवाला बर होही अऊ ओह तोर 9 तब यहोवा ह कैन ले पुछिस, “तोर भाई हाबिल कहां हे?” त ऊपर परभूता करही।” 17 अऊ आदम ला ओह कहिस, “काबरकि कैन जबाब दीस, “मैं नंइ जानवं; का मेंह अपन भाई के रखवार तेह अपन घरवाली के बात ला माने, अऊ जऊन स्ख के बिसय म अंवं?” 10 यहोवा ह कहिस, “तेह का करे हस? सुन! तोर भाई के मैंह तोला हुकूम देय रहेव कि तें ओकर फर ला झाँ खाबे, ओला लह ह भुइयां ले मोला नरियावथे। 11 अब तेह एक सराप के अधीन तेह खाय हस। “भुइयां ह तोर कारन सरापित हे; तें एकर ऊपज हस अऊ ओ भुइयां ले निकाले जावत हस, जऊन ह तोर भाई के अपन जिनगी भर दुख के संग खाय पाबे। 18 अऊ येह तोर बर लह तोर हाथ ले पीये बर अपन मुहं फारिस। 12 जब तेह भुइयां म कांटा अऊ कंटिला पउथा उपजाही, अऊ तें खेत के ऊपज ला खेती करबे, त ओह अब तोला अपन फसल नइ देवय। तेह धरती म खाबे। 19 अऊ अपन माथा के परीना के कर्मइ तेह खाय पाबे, अऊ बियाकुल होके इहां-उहां भटकत रहिबे।” 13 तब कैन ह यहोवा ला आखिर म माटी म मिल जाबे; काबरकि तोला ओही म ले लिये कहिस, “मोर सजा ह मोर सहे के बाहिर ए। 14 आज तेह मोला ये गे हवय, तें तो माटी ही अस, अऊ माटी म ही फेर मिल जाबे।” भुइयां म ले निकालत हस, अऊ मैंह तोर नजर के आड म हो जाहूं; 20 आदम ह अपन घरवाली के नांव हवा रखिस, काबरकि जम्मो अऊ धरती म अस्थिर होके इहां-उहां भटकत रहिहूं, अऊ जऊन जीयत मनखेमन के ओही ह दाई होईस। 21 अऊ यहोवा परमेसर ह कहिस, “मनखे ह भला सात गुना बदला लेय जाही।” तब यहोवा ह कैन बर एक चिनहां अऊ बुरा के गियान पाके अब हमर म के एक झाँ सही हो गे हवय। ठहिरा दीस ताकि कोनो मनखे कैन ला पाके ओकर हतिया झाँ कर एकरसेति अब अझसने झाँ होवय कि ओह हाथ लमाके जिनी के देवय। 16 तब कैन ह यहोवा के आघू ले चल दीस अऊ नोद नाव के स्ख के फर ला घलो टोरके खा लेवय अऊ सदाकाल तक जीयत देस म, जेह अदन के पूरब कोति हवय, रहे लगिस। 17 जब कैन रहय।” 23 एकरसेति यहोवा परमेसर ह ओला अदन के बगीचा ले अपन घरवाली संग सुतिस, तब ओकर घरवाली ह आसरा म होईस निकाल दीस कि ओह ओ भुइयां म काम करय, जेमा ले ओह बनाय अऊ ओह हनोक ला जनम दीस। कैन ह तब एक सहर बसावत गे रिहिस। 24 आदम ला निकाले के बाद, ओह जिनगी के स्ख रिहिस, अऊ ओह ओ सहर के नांव अपन बेटा के नांव म हनोक के रसता के रखवारी करे बर, अदन के बगीचा के पूरब दिग म रखिस। 18 हनोक ले ईंदाद जनमिस, अऊ ईंदाद ह महयाएल के ददा कस्बमन ला अऊ चारों कोति किंदरनेवाला आरी के तलवार ला रिहिस, अऊ महयाएल ह मतूसाएल के ददा रिहिस, अऊ मतूसाएल ह लेमेक के ददा रिहिस। 19 लेमेक ह दू झाँ माईलोगान ले बिहाव करिस, जेमा के एक झाँ के नांव आदा, अऊ दूसर के सिल्ला रिहिस। 20 आदा ह याबाल ला जनमिस; याबाल ह ओमन के पुरुखा रिहिस जऊन मन तम्बू म रहिथें अऊ पसु-पालन करथें। 21 ओकर भाई के नांव युबाल रिहिस; जऊन ह जम्मो किसम के सितार अऊ बर्सी बजइयामन के पुरुखा रिहिस। 22 सिल्ला घलो तूबल-कैन नाव के एक बेटा ला जनमिस; जऊन ह कांसा अऊ लोहा ढारके औजार बनइया होईस। तूबल-कैन के बहिनी के नांव नामा रिहिस। 23 लेमेक ह अपन घरवालीमन ला कहिस, “हे आदा अऊ सिल्ला, मोर गोठ ला सुनव; हे लेमेक के घरवालीमन, मोर बात ऊपर कान लगावव। मैंह एक मनखे ला, जेह मोला चोट पहंचाय रिहिस, मार डारेव। एक जवान, जऊन ह मोला घायल करे रिहिस। 24 यदि कैन के बदला सात गुना लेय जाथे, त लेमेक के सतहतर गुना लेय जाही।” 25 आदम फेर अपन घरवाली संग सुतिस, अऊ ओकर घरवाली ह एक बेटा ला जनम दीस अऊ ओकर नाव ये कहिके सेत रखिस, “परमेसर ह मोला हाबिल के बदला म, जेला कैन ह मार डारिस, एक अऊ बेटा दे हवय।” 26 बाद म, सेत के घलो एक बेटा

## 4 जब आदम ह अपन घरवाली हवा संग सुतिस, त ओह आसरा म

होके कैन ला जनम दीस अऊ कहिस, “मैंह यहोवा के मदद ले एक झाँ पुस्स पाय हंव।” 2 बाद म ओकर भाई हाबिल ला जनम दीस। हाबिल ह भेड-बक्री के चरवाहा बन गीस, अऊ कैन ह खेती-बारी करत रिहिस। 3 कुछ दिन के बाद, कैन ह यहोवा करा भुइयां के कुछ फर चढावा के स्प म लानिस। 4 अऊ हाबिल घलो अपन भेड-बक्री के कुछ पहिलांतमन ला लानिस अऊ ओमन के चरबी ला चढावा के स्प म चयाईस। यहोवा ह हाबिल अऊ ओकर चढावा ला तो गरहन करिस, 5 पर कैन अऊ ओकर भेट ला गरहन नइ रिहिस। एकरसेति कैन ह अब्बड गुस्सा होईस अऊ ओकर चेहरा ह उतर गीस। 6 तब यहोवा ह कैन ले पुछिस, “तेह काबर गुस्सा होवत हस? तोर मुहं ह काबर उतरे हवय? 7 जऊन ह सही ए, यदि तेह ओला करते, त का तोर भेट ह गरहन नइ होतिस? पर जऊन ह सही ए, यदि तेह ओला नइ करस, त पाप ह तोर दुवारी म ठाठे हवय; ओकर लालसा तोला पाय बर होही, पर तोला ओकर ऊपर जय पाना जस्ती ए।” 8 एक दिन कैन ह अपन भाई हाबिल ला कहिस, “चल हमन खेत डहार जाबो।” जब ओमन खेत म रिहिन,

होईस; ओह ओकर नांव एनोस रखिस। ओही बेरा ले मनखेमन  
यहोवा ले पराथना करे के सुरु करिन।





H. PISAN.

यीसू ह कहिस, “हे ददा, ये मनखेमन ला माफ कर दे, काबरकि येमन नइ जानयें कि येमन का करत हवंय।”

अऊ ओमन चिश्टी डालके ओकर मुताबिक यीसू के कपडा ला अपन म बांट लीन।

लक्ना 23:34

# यूहन्ना

अस?” ओह जबाब दीस, “नइ।” 22 आखिर म ओमन कहिन, “त

फेर तेंह कोन अस? हमन ला बता ताकि जऊन मन हमन ला पठोय

**1** सुर म बचन ह रिहिस, अऊ ओ बचन ह परमेसर के संग हवयं, ओमन ला हमन जाके जबाब दे सकन। तेंह अपन बोरे म रिहिस, अऊ ओही बचन ह परमेसर रिहिस। 2 ओह सुर ले का कहत हवस?“ 23 यूहन्ना ह जबाब दीस, “जइसने यसायाह परमेसर के संग रिहिस। 3 ओकरे जरिये, परमेसर ह संसार के जम्मो अगमजानी ह ये कहे रिहिस, मैंह सुमान जगह म एक झन अवाज चीजमन ला बनाईस, अऊ जऊन कुछ परमेसर ह बनाईस, ओमा देवदया अंव, ‘पर्भू बर डहार ला तियार करव, अऊ ओकर डहार एको ठन चीज इडसने नइ ए, जऊन ह ओकर बिगर बनाय गे ला सीधा करव।’“ 24 जऊन मनखेमन फरीसीमन के दुवारा पठोय रिहिस। 4 ओ बचन म जिन्ही रिहिस, अऊ ओ जिन्ही ह मनखेमन गे रिहिस। 25 ओमन यूहन्ना ले पुछिन, “यदि तेंह मसीह नो हस, बर अंजोर लानिस। 5 ओ अंजोर ह अंथियाह म चमकथे, अऊ न एलियाह अऊ न आगमजानी अस, त फेर तेंह काबर बतिसमा अंथियाह ह ओकर ऊपर जय नइ पा सकिस। 6 परमेसर ह एक देवत हस?“ 26 यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, “मैंह तो पानी म मनखे ला पठोईस, जेकर नांव यूहन्ना रिहिस। 7 यूहन्ना ह ओ बतिसमा देवत हंव, पर तुम्हर बीच म एक झन ठाढ़े हवय, जऊन ला अंजोर के बोरे म गवाही दे बर आईस, ताकि जम्मो मनखेमन ओकर तुमन नइ जानव। 27 येह ओ अय, जऊन ह मोर पाछू आवत हवय। गवाही के जरिये ओ अंजोर ऊपर बिसवास करय। 8 यूहन्ना ह खुद मैंह ओकर पनही के बंधना ला खोले के लाईक घलो नो हंव।” तो अंजोर नइ रिहिस, पर ओह अंजोर के बोरे म गवाही दे बर आय 28 ये जम्मो बात यरदन नदी के ओ पार बैतनियाह गांव म होईस, रिहिस। 9 ओ सही अंजोर जऊन ह जम्मो मनखे ला अंजोर देथे, जिहां यूहन्ना ह मनखेमन ला बतिसमा देवत रिहिस। 29 ओकर संसार म अवइया रिहिस। 10 ओह संसार म रिहिस, अऊ ओकरे दूसर दिन यूहन्ना ह यीसु ला अपन कोति आवत देखिस, त कहिस, जरिये, परमेसर ह संसार ला बनाईस, पर संसार के मनखेमन ओला “देखव, परमेसर के मेढा-पीला, जऊन ह संसार के पाप ला उठा ले नइ चिह्निन। 11 ओह अपन खुद के मनखेमन करा आईस, पर जाये। 30 येह ओही अय, जेकर बोरे म मैंह कहे रहेंव, ‘जऊन ओकर मनखेमन ओला गरहन नइ करिन। 12 पर जेतेक झन ओला ह मोर पाछू आवत हवय, ओह मोर ले बडे अय, काबरकि ओह गरहन करिन अऊ ओकर नांव ऊपर बिसवास करिन, ओमन ला मोर जनमे के पहिली ले रिहिस।’ 31 मैंह खुदे ओला नइ जानत ओह परमेसर के संतान होय के अधिकार दीस। 13 ये संतानमन न तो रहेंव, पर मैंह ये खातिर पानी ले बतिसमा देवत आयेव ताकि ओह सुभाविक बंस ले, न देहें के ईछा ले, अऊ न कोनो मनखे के ईछा इसरायली मनखेमन ऊपर परगट हो जावय।” 32 तब यूहन्ना ह ये ले, पर परमेसर के ईछा ले जनमिन। 14 ओ बचन ह मनखे के देहें गवाही दीस, “मैंह देखेव कि पबितर आतमा ह स्वरग ले एक पंडकी धारन करिस, अऊ हमर बीच म कुछ समय बर डेरा करिस। हमन सही उतरिस अऊ ओकर ऊपर ठहर गीस। 33 मैंह ओला नइ जाने ओकर महिमा देखे हवन, ओ एकलऊता बेटा के महिमा, जऊन ह रहितेव, पर परमेसर, जऊन ह मोला पानी ले बतिसमा दे बर पठोय अनुग्रह अऊ सच्चई ले भरपूर होके स्वरायी ददा करा ले आईस। हवय, मोला कहिस, “तेंह पबितर आतमा ला उतरत अऊ एक झन 15 यूहन्ना ह ओकर बोरे म गवाही देथे। ओह पुकारके कहिये, “येह मनखे ऊपर ठहिर देखेबे, ओहीच ह पबितर आतमा ले बतिसमा ओही अय, जेकर बोरे म मैंह कहे रहेंव, जऊन ह मोर पाछू आवत दीही।” 34 मैंह येला देखेव अऊ मैंह गवाही देवत हंव कि एहीच ह हवय, ओह मोर ले बडे अय, काबरकि ओह मोर जनमे के पहिली परमेसर के बेटा अय।” 35 ओकर दूसर दिन, यूहन्ना ह फेर उहा ले रिहिस।” 16 ओकर अनुग्रह के भरपूरी ले, हमन जम्मो झन अपन दूझन चेलामन संग ठाढ़े रहय। 36 अऊ जब यूहन्ना ह यीसु आसीस के ऊपर आसीस पाय हवन। 17 काबरकि परमेसर ह कानून ला जावत देखिस, त ओह कहिस, “देखव, येह परमेसर के मेढा-ला मूसा के दुवारा दीस; पर अनुग्रह अऊ सच्चई यीसु मरीह के पीला ए।” 37 जब ओ दूरों चेलामन यूहन्ना ला ये कहत सुनिन, त दुवारा आईस। 18 परमेसर ला कोनो कभू नइ देखे हवयं, पर सिरिप ओमन यीसु के पाछू हो लीन। 38 यीसु ह लहुंटके देखिस कि ओमन एकलऊता बेटा, जऊन ह खुदे परमेसर अय, अऊ जऊन ह ददा के ओकर पाछू-पाछू आवत हवयं, त ओह ओमन ले पुछिस, “तुमन कोरा म हवय, ओही ह ओला पराट करे हवय। 19 यूहन्ना के ये कोन ला खोजत हवव?“ ओमन कहिन, “हे रङ्गी” (जेकर मतलब गवाही ए, जब यस्सलेम सहर के यहदी अगुवामन कुछ पुरोहित होये “गूस्”), “तेंह कहां रहिथस?” 39 यीसु ह ओमन ला कहिस, अऊ लेवीमन ला यूहन्ना करा ये पुछे बर पठोईन कि ओह कोन “मोर संग आवत अऊ देख लेवव।” तब ओमन ओकर संग गीन ए? 20 त यूहन्ना ह जबाब दे बर आनाकानी नइ करिस, पर साफ- अऊ ओकर रहे के ठऊर ला देखिन, अऊ ओ दिन भर ओकरे संग साफ मान लीस अऊ कहिस, “मैंह मसीह नो हंव।” 21 तब ओमन बिताईन। ओह करीब सांझ के चार बजे के समय रिहिस। 40 जऊन यूहन्ना ले पुछिन, “त फेर तेंह कोन अस? का तेंह एलियाह अस?” दूझन चेला, यूहन्ना ला कहत सुनिन अऊ यीसु के पाछू हो ले ओह कहिस, “नइ।” ओमन पुछिन, “त फेर का तेंह अगमजानी रिहिस, ओमा ले एक झन सिमोन पतरस के भाई अन्द्रिगास रिहिस।

41 पहिली काम अन्द्रियास ह ये करिस कि ओह अपन भाई सिमोन पानी ह अब अंगूर के मंद बन गे रहय, अऊ ओह नइ जानत रिहिस ले जाके पिलिस अऊ ओला बताईस, “हमन ला मसीह मिल गे कि ये अंगूर के मंद ह कहां ले आईस, पर औ सेवक जजन मन पानी हवय।” 42 तब अन्द्रियास ह सिमोन ला यीसू करा लानिस। यीसू ह निकाले रिहिन, ओमन येला जानत रिहिन। तब भोज के मुखिया ह ओला देखिस अऊ कहिस, “तेहं यूहन्ना के बेटा सिमोन अस। तेहं दूल्हा ला बलाईस, 10 अऊ ओला कहिस, “हर एक झन ह पहिली कैफा कहाबे।” (कैफा के अनुबाद पतरस करे गे हवय।) 43 दूसर बढिया मंद ला देथे, अऊ जब पहुनामन पीके छक जाथे, तब सस्ता दिन यीसू ह गलील प्रदेस जाय के मन बनाईस। जाय के पहिली ओह मंद ला देथे, पर तेहं तो बढिया मंद ला अब तक बंचाके रखे हवस।” फिलिप्पुस ले मिलिस अऊ ओला कहिस, “मोर पाढ़ हो ले।” 44 11 यीसू ह गलील प्रदेस के काना नगर म ये पहिली चमतकार करिस फिलिप्पुस ह बैतसैदा सहर के रहइया रिहिस। अन्द्रियास अऊ पतरस अऊ ओह ये किसम ले अपन महिमा देखाईस, अऊ ओकर चेलामन घलो ओहीच सहर के रहइया रिहिन। 45 फिलिप्पुस ह नतनएल ले ओकर ऊपर बिसवास करिन। 12 एकर बाद यीसू, ओकर दाईं, भाई मिलिस अऊ ओला बताईस, “हमन ला ओह मिल गे हवय, जेकर अऊ ओकर चेलामन कफरनहम सहर गीन अऊ उहां कुछु दिन बारे म मूसा ह कानून के किताब म लिखे हवय अऊ जेकर बारे म ठहिरिन। 13 जब यहदीमन के फस्ह तिहार अवइया रिहिस, त यीसू अगमजानीमन घलो लिखे हवय। ओह यूसुफ के बेटा, नासरत गांव ह यस्सलेम सहर गीस। 14 उहां ओह देखिस कि मंदिर के अंगना के यीसू अय।” 46 नतनएल ह ओकर ले पुछिस, “का कोनो बने म, मनखेमन बईर्ना, भेड़, अऊ पंडकी चिर्ह बेचत रहय अऊ ओने चीज नासरत ले आ सकथे?” फिलिप्पुस ह कहिस, “तेहं आके खुद मन मेज करा बईठके स्पिया-पईसा के लेन-देन करत रहयं। 15 तब देख ले।” 47 जब यीसू ह नतनएल ला अपन कोति आवत देखिस, यीसू ह डोरी के एक कोरा बनाईस अऊ जम्मो भेड़ अऊ बईलामन त ओह ओकर बारे म कहिस, “येह एक सच्चा इसारायली अय, येमा ला मंदिर के सीमाना ले बाहिर खेद दीस अऊ स्पिया-पईसा के कोनो छल-कपट नइ ए।” 48 नतनएल ह यीसू ले पुछिस, “तेहं अदला-बदली करइयामन के सिक्कामन ला छितिर-बितिर कर दीस मोला कइसने जानत हवस?” त यीसू ह ओला जबाब दीस, “एकर अऊ ओमन के मेजमन ला खपल दीस। 16 पंडकी बेचइयामन ला पहिली कि फिलिप्पुस ह तोला बलाईस, जब तेहं अंजीर के स्ख के ओह कहिस, “येमन ला इहां ले निकालव। मोर ददा परमेसर के घर खाल्हे म रहय, त मैंह तोला देखे रहेव।” 49 नतनएल ह कहिस, ला बजार झन बनावव।” 17 तब यीसू के चेलामन सुरता करिन कि “हे रब्बी, तेहं परमेसर के बेटा अस; तेहं इसारायल के राजा अस।” परमेसर के बचन म ये लिखे हवय: “तोर घर के उत्साह ह मोर 50 यीसू ह कहिस, “का तेहं एकरसेति बिसवास करत हस, कि मैंह हिरदय म आगी सहीं बरथे।” 18 तब यहदीमन यीसू ले पुछिन, तोला ये कहेव कि तोला अंजीर के स्ख के खाल्हे म देखे रहेव। तेहं “तोला ये जम्मो करे के अधिकार हवय, ये बात ला साबित करे बर एकर ले घलो बड़े-बड़े काम देखबे।” 51 यीसू ह ये घलो कहिस, तेहं हमन ला का चिनहा देखा सकथस?” 19 यीसू ह ओमन ला ये “मैंह तुमन ला सच कहथव कि तुमन स्वरग ला खुला अऊ परमेसर जबाब दीस, “तुमन ये मंदिर ला गिरा देवव, अऊ मैंह येला तीन दिन के स्वरगदत्तमन ला मनखे के बेटा बर उतरत अऊ चघत देखबे।” म फेर ठाढ़ कर दहां।” 20 यहदीमन कहिन, “ये मंदिर ला बनाय म

**2** ओकर तीसरा दिन, गलील प्रदेश के काना नगर म एक बिहाव

होवत रहय। यीसू के दाई ह उहां रिहिस। 2 यीसू अऊ ओकामन ला घलो बिहाव के नेवता मिले रिहिस। 3 जब अंगू के मंद ह सिरा गीस, त यीसू के दाई ह ओला कहिस, “ओमन करा अऊ अंगू के मंद नइ ए।” 4 त यीसू ह ओला कहिस, “हेना नारी, तेंह मोला ये ब्रात काबार बतावत हस? अभी मोर कुछ करे के समय नइ आय हवया।” 5 तब यीसू के दाई ह सेवकमन ला कहिस, “जऊन कुछ औह तुमन ला कहिथे, वइसने करव।” 6 उहां पानी धेर के छैठ ठन पथरा के मटका माढे रहयं ताकि यहदीमन सुध होय के धारामिक संस्कार ला कर संकंय। हर एक मटका म करीब सतर ले लेके एक सौ दस लीटर तक पानी धरय। 7 यीसू ह सेवकमन ला कहिस, “मटकामन म पानी भर देवब।” ओमन मटकामन के मूँह तक ले

पानी भर दीन। 8 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “अब तुमन ओमन ले थोरकून निकालके भोज के मुखिया करा ले जावव,” अउ ओमन अद्वेनच करिन। 9 जब भोज के मुखिया ह ओला चिखिस, त

यूहन्ना

8

**2** ओकर तीसरा दिन, गलील प्रदेस के काना नगर म एक बिहाव होवत रहय। यीसू के दाईं ह उहां रिहिस। 2 यीसू अऊ ओकर चेलामन ला घोलो बिहाव के नेवता मिले रिहिस। 3 जब अंगू के मंद ह सिरा गीस, त यीसू के दाईं ह ओला कहिस, “ओमन करा अऊ अंगू के मंद नइ ए!” 4 त यीसू ह ओला कहिस, “हे नारी, तें मोला ये बात काबर बतावत हस? अपी मोर कुछ करे के समय नइ आय हवय!” 5 तब यीसू के दाईं ह सेवकमन ला कहिस, “जउन कुछ ओह तुमन ला कहिथे, वइसने करव।” 6 उहां पानी धरे के छैठ ठन पथरा के मटका माछे रख्य ताकि यहदीमन सुध होय के धारमिक संस्कार ला कर सकंय। हर एक मटका म कीरी भस्तर ले लेके एक सौ दस लीटर तक पानी धरय। 7 यीसू ह सेवकमन ला कहिस, “मटकामन म पानी भर देवब।” ओमन मटकामन के महूं तक ले छियालीस साल लगे हवय, अऊ का तें ह येला तीन दिन म फेर ठाड कर देबे?” 21 पर यीसू ह जउन मंदिर के बारे म गोठियावत रिहिस ओह ओकर देहें रिहिस। 22 जब यीसू ह मेरे म ले जी उठिस, तब ओकर चेलामन ला सुरता आईस कि यीसू ह ये कहे कहे रिहिस। तब ओमन परमेसर के बचन अऊ यीसू के कहे बात ऊपर बिसवास करिन। 23 जब यीसू ह फसह तिहार के समय यस्सलोम म रिहिस, त जउन चमतकार के काम उहां ओह करत रिहिस, ओला देखके बहुत मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन। 24 पर यीसू ह अपनआप ला ओमन के भरोसा म नइ छोडिस, काबरकि ओह जम्मो झन ला जानत रिहिस। 25 ओला एकर जस्तर नइ रिहिस कि कोनो मनखे ह कोनो मनखे के बारे म गवाही देवय, काबरकि यीसू ह खुद जानत रिहिस कि कोनो मनखे के मन म का हवय।

पानी भर दीन। 8 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “अब तुमन ओमा 3 निकुदेमुस नांव के एक मनखे रिहिस। औह फरीसी मत के ले थोरकून निकालके भोज के मुखिया करा ले जावव,” अऊ ओमन रिहिस अऊ यहदी महासभा के एक सदस्य रिहिस। 2 ओह अद्वेचे करिन। 9 जब भोज के मुखिया ह ओला चिखिस, त रथिया यीसू करा आईस अऊ कहिस, “हे गृह, हमन जानत हन कि

तेह एक गुरु अस अऊ परमेसर करा ले आय हवस। काबरकि जऊन रिहिन। 20 जऊन ह खराप काम करथे, ओह अंजोर ले धिन करथे चमतकार के काम तेह करथस, ओला कोनो नइ कर सकय, जब अऊ ओह अंजोर म नइ आवय, काबरकि ओला डर रिहिथे कि तक कि परमेसर ह ओकर संग नइ रहय।” 3 यीसू ह ओला ये जबाब ओकर खराप काममन उजागर हो जाही। 21 पर जऊन ह सही काम दीस, “मैंह तोला सच-सच बतावत हंव, जब तक कोनो मनखे के ला करथे, ओह अंजोर म आथे, ताकि ये साफ दिख जावय कि नवा जनम नइ होवय, तब तक ओह परमेसर के राज ला नइ देख ओकर काम ह परमेसर के जरिये करे गे हवय।” 22 एकर बाद, सकय।” 4 निकुदेमुस ह कहिस, “पर जब एक मनखे ह डोकरा हो यीसू अऊ ओकर चेलामन यहदिया प्रदेस के गंवई इलाका म गीन। गीस, त ओह फेर कइस्ने जनम ले सकथे? निस्चित स्पू ले, ओह उहां ओह ओमन के संग कुछ समय तक रिहिस अऊ मनखेमन दूसर बार अपन दाई के कोख म जाके फेर जनम नइ ले सकय।” 5 ला बतिसमा दीस। 23 यूहन्ना ह घलो सलीम के लकठा म एनोन त यीसू ह कहिस, “मैंह तोला सच-सच बतावत हंव कि जब तक म बतिसमा देवत रिहिस, काबरकि उहां बहूंत पानी रिहिस अऊ कोनो मनखे पानी अऊ पबितर आतमा ले नइ जनमे, तब तक ओह मनखेमन उहां आके ओकर ले बतिसमा लेवत रिहिन। 24 यूहन्ना ह परमेसर के राज म नइ जा सकय। 6 मनखे ह मनखे ला जनम देथे, अभी तक जेल म नइ डरे गे रिहिस। 25 यूहन्ना के कुछ चेलामन पर पबितर आतमा ह नवां आतमा ला जनम देथे। 7 तोला मोर ये के, एक यहदी संग सध्य होय के बोरे म बहस होय लगिस। 26 ओमन बात ले अन्वरज नइ होना चाही कि तोर नवां जनम होना जस्ती अय। यूहन्ना करा जाके कहिन, “हे गुरुजी, ओ मनखे जऊन ह यरदन 8 हवा ह जेति चाहथे ओती चलथे। तेह सिरिप एकर आरो भर ला नदी के ओ पार तोर संग रिहिस अऊ जेकर बारे म तेंह गवाही दे सुनथस, पर तेह नइ बता सकस कि येह कहां ले आथे या येह कहां हरह—देख, ओह घलो बतिसमा देवत हवय, अऊ जम्मो मनखे जाथे। हर ओ मनखे जऊन ह पबितर आतमा ले जनम लेथे, ओकर ओकर करा जावत हवय।” 27 यूहन्ना ह ओमन ला जबाब दीस, संग घलो अह्सनेच होये।” 9 निकुदेमुस ह पुछिस, “येह कइसने हो “मनखे ह कुछ नइ पा सकय, जब तक कि परमेसर ह स्वरग ले सकथे?” 10 यीसू ह जबाब दीस, “तेह इसरायली मनखेमन के एक ओला नइ देवय। 28 तुमन खुदे मोर गवाही हव कि मैंह कहे रहें, गुरु अस, अऊ का तेह ये बातमन ला नइ समझत हस? 11 मैंह तोला ‘मैंह मसीहो नो हंव, पर मैंह ओकर आधू पठोय गे हवय।’ 29 सच कहत हंव, जऊन बात ला हमन जानथन, ओकरे बोरे म हमन दुलहिन ह दूल्हा के होये। दूल्हा के संगवारी ह तीर म ठाढे रिहिथे गोठियाथन, अऊ जऊन ला हमन देखे हवन, ओकर गवाही देथन, अऊ ओकर सुनथे अऊ जब ओह दूल्हा के अवाज ला सुनथे, त पर तुपन हमर गवाही ला नइ मानव। 12 मैंह तुमन ला ये धरती के ओह बहूंत खुस होये। ओही किसम के खुसी मोर अय, जऊन ह बातमन ला बताएं अऊ तुमन बिसवास नइ करत हव, पर कहूं मैंह अब पूरा हो गे। 30 ये जस्ती अय कि ओह बाढे अऊ मैंह घटंव।” स्वरग के बातमन ला बताह, त तुमन कइसने बिसवास करह। 13 31 जऊन ह ऊपर ले आथे, ओह सबले बडे होये। जऊन ह धरती ले कभू कोनो स्वरग ला नइ गे हवय, सिरिप एक झन के छोड़, जऊन आथे, ओह धरती के होये अऊ ओह धरती के बात गोठियाथे। ह स्वरग ले आईस याने कि मनखे के बेटा। 14 जइसने मूसा ह जऊन ह स्वरग ले आथे, ओह जम्मो के ऊपर होये। 32 ओह ओ निरजन जगह म पीतल के सांप ला ऊपर चथाईस, वइसने मनखे के बात ला बताए, जऊन ला ओह देखे अऊ सुने रहिथे, पर ओकर बेटा बर घलो जस्ती अय कि ओला ऊपर चथाय जावय, 15 ताकि गवाही ला कोनो नइ मानय। 33 जऊन ह ओकर गवाही ला मानथे, जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करय, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पावय। (aiōnios g166) 16 “काबरकि परमेसर ह संसार ले अह्सनेमया करिस कि ओह अपन एकलऊता बेटा ला दे दीस, ताकि जऊन कोनो ओकर बेटा ऊपर बिसवास करय, ओह करथे अऊ ओह दोसी ठहिरावय, पर ये खातिर पठोईस कि ओकर जरिये संसार के उद्धार करे। 18 जऊन कोनो ओकर ऊपर बिसवास करथे, ओह दोसी नइ ठहिरय, पर जऊन ह बिसवास नइ करय, ओह पहिले ले दोसी ठहर चुकिस, काबरकि ओह परमेसर के एकलऊता बेटा ऊपर बिसवास नइ करिस। 19 नियाय करइया के फैसला ये अय: अंजोर ह संसार म आईस, पर मनखेमन अंजोर के बदले अधियार ले मया करिन, काबरकि ओमन के काम खराप

(aiōnios g166) 17 परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नइ पठोईस कि ओह संसार ला दोसी ठहिरावय, पर ये खातिर पठोईस कि ओह अपन आतमा ले भर देथे। 35 ददा ह अपन बेटा ले मया सदाकाल के जिनगी हवय, पर जऊन ह बेटा के बात ला नइ मानय, ओह ओ सदाकाल के जिनगी के अनुभव कभू नइ काही, काबरकि परमेसर के कोरोध ह ओकर ऊपर बने रहिथे। (aiōnios g166)

4 फरीसीमन सुनिन कि यीसू ह यूहन्ना ले घलो जादा मनखेमन ला चेला बनाथे अऊ बतिसमा देवत हवय। 2 असल म, यीसू ह खुद कोनो ला बतिसमा नइ देवत रिहिस, पर ओकर चेलामन बतिसमा देवत रिहिन। 3 तब ओह यहदिया प्रदेस ला छोड़के गलील प्रदेस म फेर वापिस चल दीस। 4 जब यीसू ह गलील ला वापिस जावत

रिहिस, त ओला सामरिया प्रदेस ले होके जाय ला पड़िस। ५ ओह करथव, ओला तुमन नइं जानव; हमन यहदीमन जेकर अराधना सामरिया प्रदेस के सूखर नाव के एक सहर म आईस। ये सहर ह करथन, ओला हमन जानथन, काबरकि उद्गार के सदेस ह यहदीमन ओ भृत्यां के लकठा म रिहिस, जऊन ला याकूब ह अपन बेटा के जरिये आही। २३ पर ओ समय ह आवत हवय, अऊ अब आ गे यसुफ ला देय रिहिस। ६ उहां याकूब के कुआं रहय; यीसू ह रेंगत- हवय, जब सही भक्ति करइयामन परमेसर ददा के भक्ति आतमा रेंगत थक गे रहय, एकरसेति ओह ओ कुआं के लकठा म बईठ अऊ सच्चई ले करही। काबरकि परमेसर ददा ह अइसने भक्ति गीस। येह करीब मङ्गन के बेरा रिहिस। ७ ओतकीच बेरा, एक करइयामन ला चाहये। २४ परमेसर ह आतमा अय, अऊ ये जस्ती सामरी माईलोगन ह ओ युआं ले पानी भेर बर आईस, त यीसू ह अय कि ओकर भक्ति करइयामन आतमा अऊ सच्चई ले ओकर ओला कहिस, “मोला, पीये बर थोरकन पानी दे ओ।” ८ (यीसू के भक्ति करया) २५ तब ओ माईलोगन ह कहिस, “मैं जानत हव चेलामन खाय के चीज बिसोय बर सहर गे रहय।) ९ ओ सामरी कि मसीह (जऊन ला खिस्त कहे जाये) अवइया हवय। जब ओह माईलोगन ह ओला कहिस, “यहदी जात के होके, तेह मोर ले पानी आही, त हमन ला जम्मो बातमन ला बताही।” २६ तब यीसू ह काबर मांगत हस? मैं एक सामरी माईलोगन अंवा!” (यहदीमन ओला कहिस, “मैं जऊन ह तोर ले गोठियावत हव, आहीच अंवा”) सामरीमन के संग कोनो संबंध नइ रखत रिहिस।) १० यीसू ह जबाब २७ ओतकी बेरा यीसू के चेलामन लहुंटके आईन अऊ ये देखेके दीस, “कंह तेह परमेसर के बरदान ला जानते अऊ ये घलो जानते अचरज करे लगिन कि यीसू ह एक माईलोगन ले गोठियावत हवय। कि जऊन ह तोर ले पीये के पानी मांगत हवय, ओह कोन ए, त तेह पर एको झन ओकर ले ये नइ पुछिन, “तेह का चाहथस?” या ओकर ले मांगते अऊ ओह तोला जिनगी के पानी देतिस।” ११ ओ “तेह ओकर ले काबर गोठियावत हस?” २८ तब ओ माईलोगन ह माईलोगन ह कहिस, “ए महाराज, पानी भेर बर तो तोर करा कोनो अपन घरी ला उहां छोड दीस अऊ सहर म वापिस जाके मनखेमन बाल्टी नइ ए, अऊ ये कुआं ह गाहिरा हवय। त फेर तोर करा ओ ला कहिस, २९ “आवव, अऊ ओ मनखे ला देखव, जऊन ह ओ जिनगी के पानी कहां ले आही? १२ का तेह हमर पुरखा याकूब ले जम्मो बात बता दीस, जेला मैंह करे हवंब। ओह मसीह हो सकये।” बडे अस, जऊन ह हमन ला ये कुआं देय हवय। अऊ ओह खुद ३० मनखेमन सहर ले निकलके यीसू करा आवन लगिन। ३१ ये अऊ ओकर बेटामन अऊ ओकर पसुमन घलो ये कुआं ले पानी दरमियान यीसू के चेलामन ओकर ले बिनती करिन, “हे रऱ्बी, कुळू पीये हवय।” १३ यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ह ये पानी ला पीही, खा ले।” ३२ पर यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर करा खाय बर ओह फेर पीयासन होही, १४ पर जऊन ह ओ पानी ला पीही, जऊन अइसने भोजन हवय, जेकर बरे म तुमन कुळू नइ जानत हव।” ३३ ला मैंह दूळ, ओह फेर कभू पीयासन नइ होही। जऊन पानी मैंह तब चेलामन एक-दूसर ले पुछे लगिन, “का कोनो एकर बर कुळू ओला दूळ, ओह ओमा सोता के पानी सही होही, जऊन ह हर समय खाय बर लाय हवय?” ३४ यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर भोजन बहते रहिथे, अऊ येह ओला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी ये अय कि मैंह अपन पठोइया परमेसर के इछा ला पूरा करंव अऊ देथे।” (aiōn g165, aiōnios g166) १५ तब ओ माईलोगन ह यीसू ला ओ काम ला पूरा करव, जऊन ला ओह मोला दे हवय। ३५ का तुमन कहिस, “हे महाराज, मोला ओ पानी दे ताकि मैंह फेर पीयासन झन ये नइ कहव, ‘फसल ला पके बर अभी चार महिना बांचे हवय, तब होवंव अऊ न ही मोला इहां पानी भेर बर फेर आना पडय।’” ३६ लुवई सुरु होही।” अपन चारों कोति देखव—मनखेमन के आतमा यीसू ह ओला कहिस, “जा, अऊ अपन घरवाला ला इहां बलाके ले के खेते ला, जऊन ह लुवई बर तियार हवय। ३६ ओ मनखे जऊन ह आ।” ३७ ओ माईलोगन ह कहिस, “मोर कोनो घरवाला नइ ए।” फसल लूथे, ओला ओकर बरी मिलथे अऊ ओह परमेसर के संग यीसू ह कहिस, “तेह सही कहथस कि तोर कोनो घरवाला नइ ए।” ३८ सदाकाल के जिनगी बर फर संकेलथे, ताकि बोवइया अऊ लुवइया ३९ काबरकि तेह पांच घरवाला बना चुके हवस, अऊ जऊन मनखे दूरों पिलके खुसी मनावय। (aiōnios g166) ३७ एकरसेति ये कहावत के संग अभी तेह रहत हवस, ओह घलो तोर घरवाला नो हय। अभी ह सही ए, ‘कोनो बोथे, त कोनो आने ओला लूथे।’ ३९ मैंह तुमन तेह जऊन बात कहय, ओह बिलकुल सही ए।” ३९ ओ माईलोगन ह ला उहां फसल लेण बर पठोएव, जिहां तुमन नइ बोए रहेव; आने कहिस, “महाराज, मोला अइसने लागथे कि तेह एक अगमजानी मन उहां कठोर मेहनत करिन, अऊ तुमन ला ओमन के मेहनत के अस। ३१ हमर पुरखामन ये पहाड ऊपर परमेसर के अराधना करत फर मिलिस।” ३९ ओ सहर के बहुत सामरी मनखेमन यीसू ऊपर रिहिस, पर तुम यहदीमन ये कहिथव कि ओ जगह यस्सलेम म बिसवास करिन, काबरकि ओ माईलोगन ह ये बताय रिहिस, “ओह हवय, जिहां हमन ला परमेसर के अराधना करना चाही।” ३१ यीसू मोला ओ जम्मो बात बता दीस, जेला मैंह करे हवंब।” ४० एकरसेति ह ओला कहिस, “हे नारी, मोर ऊपर बिसवास कर। ओ समय ह जब ओ सामरी मनखेमन यीसू करा आईन, त ओमन यीसू ले बिनती आही, जब मनखेमन परमेसर ददा के अराधना न तो ये पहाड ऊपर करिन, “हमर संग रही जा।” अऊ यीसू ह उहां दू दिन रिहिस। करहीं अऊ न ही यस्सलेम म। ३२ तुमन सामरीमन जेकर अराधना ४१ ओकर बचन ला सुनके अऊ बहुत झन ओकर ऊपर बिसवास

करिन। 42 ओमन ओ माईलोगन ला कहिन, “अब हमन सिरिप मनखे ह यीसू ला कहिस, “हे परभू! मोर करा इहां कोनो नइ ए कि तोर कहे ले ही बिसवास नइ करथन, पर हमन खुदे ओकर बात जब पानी ह हलाय जाए, त मोला कुन्ड म उतरे, अऊ जब मेह ला सुने हवन, अऊ हमन जान गे हवन कि ओह सही म संसार के उतरे के कोसिस करथंव, त कोनो आने मोर ले आधू कुन्ड म उतर उद्धार करइया अय।” 43 दू दिन के बाद, यीसू ह उहां ले गलील जाए।” 8 तब यीसू ह ओला कहिस, “उठ! अपन खटिया ला उठा प्रदेस ला चल दीस। 44 (काबराकि यीसू खुदे कहे रिहिस कि एक अऊ रेंग।” 9 तुरते ओ मनखे ह बने हो गीस; ओह अपन खटिया अगमजानी ला ओकर खुद के देस म आदरमान नइ मिलय।) 45 ला उठाईस अऊ चले-पिरे लगिस। जऊन दिन ये काम होईस, ओह जब ओह गलील प्रदेस म आईस, त गलील के मनखेमन ओकर यहदीमन के बिसराम दिन रिहिस। 10 एकरसेति यहदी अगुवामन सुवागत करिन, काबराकि ओमन फसह तिहार के बखत यस्सलेम गे ओ मनखे, जऊन ह बने होय रिहिस, ओला कहिन, “आज बिसराम रिहिन अऊ ओमन ओ जम्मो बात ला देखे रिहिन, जऊन ला यीसू के दिन ए, अऊ आज के दिन खटिया ला उठई हमर कानून के ह उहां तिहार के बखत करे रिहिस। 46 यीसू ह एक बार फेर गलील बिस्थ ए।” 11 पर ओह ओमन ला ये जबाब दीस, “जऊन ह के काना सहर म गीस, जिहां ओह पानी ला अंगूर के मंद बनाय मोला बने करिस, ओह मोला कहिस, ‘अपन खटिया ला उठा अऊ रिहिस। एक साही अधिकारी रिहिस, जेकर बेटा ह कफरनहम रेंग।’” 12 ओमन ओकर ले पुछिन, “ओह कोन मनखे ए, जऊन ह सहर म बेमार पड़े रहय। 47 जब ये अधिकारी ह सुनिस कि यीसू ह तोला कहिस कि अपन खटिया उठा अऊ रेंग?” 13 पर जऊन यहदिया प्रदेस ले गलील म आय हवय, त ओह ओकर करा गीस मनखे ह बने होय रिहिस, ओह ये नइ जानत रिहिस कि ओला कोन अऊ बिनती करिस कि ओह आके ओकर बेटा ला चांगा कर देवय, ह बने करिस, काबरकि ओ जगह म मनखेमन के भीड़ रहय अऊ जऊन ह मरइया रिहिस। 48 यीसू ह ओला कहिस, “जब तक तुमन यीसू ह उहां ले निकल गे रहय। 14 बाद म, यीसू ओला मंदिर म चिनहां अऊ चमतकार नइ देखह, तब तक बिसवास नइ करवा।” भेटिस, त ओला कहिस, “देख, तेह अब बने हो गे हवस। अब पाप 49 ओ अधिकारी ह कहिस, “हे महाराज, एकर पहिली कि मोर झान कर्बे, नइ तो एकर ले भारी बिपति तोर ऊपर पड़ कसथे।” 15 लइका ह मर जावय, तेह जल्दी चला।” 50 यीसू ह ओला कहिस, ओ मनखे ह जाके यहदी अगुवामन ला बताईस कि जऊन मनखे ह “तेह जा। तोर बेटा ह जीयत हवय।” ओ मनखे ह यीसू के बात ला मोला बने करिस, ओह यीसू ए। 16 यीसू ह ये काममन ला यहदीमन बिसवास करके उहां ले चल दीस। 51 जब ओह अपन घर जावत के बिसराम दिन म करत रिहिस, एकरसेति यहदी अगुवामन यीसू रिहिस, त रसता म ओकर सेवकमन मिलिन अऊ ओला बताईन, ला सताय लगिन। 17 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर ददा ह हमेसा “तोर बेटा ह जीयत हवय।” 52 ओह ओमन ले पुछिस, “कतेक बेरा अपन काम करत हवय, अऊ मेह घलो काम करत हवंव।” 18 ओह बने होईस?” ओमन कहिन, “कल मंझान के एक बजे ओकर एकरे कारन यहदीमन यीसू ला मार डारे के अऊ कतको उपाय करे जर ह उतर गीस।” 53 तब ओ लइका के ददा ह सुरता करिस कि लगिन, काबरकि यीसू ह न सिरिप बिसराम दिन के कानून ला टोरत येह तो ओहीच बेरा ए, जब यीसू ह ओला कहे रिहिस, “तोर बेटा ह रिहिस, पर ओह परमेसर ला अपन खुद के ददा कहिके, अपनआप जीयत हवय।” तब ओह अऊ ओकर घराना के जम्मो झान यीसू ला परमेसर के बोरोबर घलो रखत रिहिस। 19 यीसू ह ओमन ला ऊपर बिसवास करिन। 54 येह दूसरा अचरज के चिनहां रिहिस कहिस, “मेह तुमन ला सच कहथंव; बेटा ह अपनआप ले कुछ नइ जऊन ला यीसू यहदिया प्रदेस ले आके गलील प्रदेस म करिस।

**5** एकर बाद, यहदीमन के एक तिहार होईस, जेकर कारन यीसू ह यस्सलेम गीस। 2 यस्सलेम म भेड दुवार के लकठा म एक ठन पानी के कुन्ड हवय, जऊन ला इबरानी म बेतहसदा कहिथें। ओकर चारों कोति पांच ठन खुला परछी हवय। 3 ओमो कतको बेमार, अंधरा, खोरवा अऊ लूलवा मनखेमन (पानी के हाले के आसा म) पड़े रहय। 4 एक ठहियाय समय म परभू के स्वरगदूत ह खाल्हे उतरय अऊ पानी ला हलाय करय। पानी के हालते ही जऊन बिमरहा ह सबले पहिली ओ कुन्ड म उतरे, ओह चंगा हो जावय, चाहे ओकर कोनो भी बेमारी होवय। 5 उहां एक मनखे हरय, जऊन ह अड्हतीस साल ले बेमारी म पड़े रहय। 6 जब यीसू ह ओला उहां पड़े देखिस अऊ ये जानिस कि ओह बहुत दिन ले ये दसा म हवय, त यीसू ह ओकर ले पुछिस, “का तेह बने होय बर चाहथस?” 7 ओ बिमरहा

करा परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय; औह दंड के भाषी नइ होवय; ओह मिर्तु ले पार होके जिनगी पा चुके हवय। (aiōnios g166) 25 मैंह तुमन ला सच कहत हंब, ओ समय ह आवत हे, अऊ आ गे हवय, जब मरे मनखेमन परमेसर के बेटा के अवाज ला ज्ञन सोचव कि मैंह ददा के आधू म तुम्हर ऊपर दोस लगाहं। ओह सुनहीं, अऊ जजन मन येला सुहीं, ओमन जिनगी पाही। 26 मूसा ए, जजन ह तुम्हर ऊपर दोस लगाथे, जेकर ऊपर तुमन अपन काबरकि जिसने ददा ह अपन म जिनगी रखथे; ओही किसम ले, आसा रखे हवय। 27 यदि तुमन मूसा ऊपर बिसवास करे होतेव, त ओह बेटा ला घलो अधिकार दे हवय कि ओह अपन म जिनगी मोर ऊपर घलो बिसवास करतेव, काबरकि ओह मोर बारे म लिखे रखय। 28 अऊ मनखे के बेटा होय के कारन, ओला नियाय करे हवय। 29 जब तुमन मूसा के लिखे ओ बातमन ला बिसवास नइ के अधिकार घलो दे हवय। 28 “ये बात ले अचम्भो ज्ञन करव, करव, तब तुमन मोर बात ला किसने बिसवास करह?”

काबरकि ओ समय ह आवत हे, जब कबर के जम्मो मोर मनखेमन ओकर अवाज ला सुनहीं 29 अऊ बाहिर निकल आही; जजन मन भलई करे हवय, ओमन जिनगी पाय बर जी उठही, अऊ जजन मन कुकरम करे हवय, ओमन सजा पाय बर जी उठही। 30 मैंह अपनआप ले कुछ नइ कर सकंव। जिसने परमेसर ह मोला काहिथे, वइसने मैंह नियाय करथव, अऊ मोर नियाय ह सही अय, काबरकि मैंह अपनआप ला खुस करे के कोसिस नइ करंव, पर ओला खुस करथव, जजन ह मोला पठोय हवय। 31 “यदि मैंह अपन बारे म खुद गवाही देथंव, त मोर गवाही ह सही नो हय। 32 पर एक ज्ञन अऊ हवय, जजन ह मोर बारे म गवाही देथे, अऊ मैंह जानत हंव कि मोर बारे म ओकर गवाही ह सही ए। 33 “तुमन यूहना करा अपन सदेसियामन ला पठोय रहेव अऊ ओह सच्छवै के गवाही दे हवय। 34 अइसने बात नो हय कि मैंह मनखे के गवाही चाहत हंव; पर मैंह ये बात एकरसेति कहत हंव कि तुम्हर उद्धार होवय। 35 यूहना ह एक ठन दीया के सही रिहिस, जजन ह बरिस अऊ अंजोर दीस, अऊ तुमन ला ओकर अंजोर म कुछ समय तक आनंद मनई बने लिगस। 36 “पर मोर करा यूहना के देय गवाही ले घलो बडे गवाही हवय। जजन काम ला ददा ह मोला पूरा करे बर देय हवय, अऊ जजन ला मैंह करत हंव, ओ काममन खुदे गवाही देये कि ददा ह मोला पठोय हवय। 37 ददा, जजन ह मोला पठोय हवय, ओह खुद मोर बारे म गवाही देय हवय। तुमन ओकर अवाज ला कभू नइ सुनेव अऊ न ही ओकर स्पष्ट ला देखे हवव, 38 अऊ न ही ओकर बचन तुम्हर हिरदय म रहिथे, काबरकि जजन ला ओह पठोईस, ओकर ऊपर तुमन बिसवास नइ करेव। 39 तुमन परमेसर के बचन ला लगन ले पढथव, काबरकि तुमन सोचथव कि ओमा तुमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी मिलही; येह परमेसर के ओही बचन अय, जजन ह मोर बारे म गवाही देय। (aiōnios g166)

40 तभो ले तुमन जिनगी पाय बर मोर करा नइ आय चाहव। 41 “मैंह मनखेमन ले महिमा पाय बर नइ चाहव, 42 पर मैंह जानत हंव कि तुम्हर हिरदय म परमेसर बर मया नइ ए। 43 मैंह अपन ददा परमेसर के नांव म आय हंव, अऊ तुमन मोला गरहन नइ करव; पर यदि कोनो आने मनखे अपन खुद के नांव म आही, त तुमन ओला गरहन

कर लह। 44 तुमन एक-दूसर ले महिमा पाय बर चाहथव, अऊ ओ महिमा जजन ह सिरिप परमेसर करा ले आये, ओला पाय के कोनो चिनहांमन ला देखे रिहिन, जजन ला ओह बिमरहामन ला बने करे के दुवारा देखाया रिहिस। 3 तब यीसू ह पहाडी ऊपर गीस अऊ अपन चेलामन संग उहां बईठ गीस। 4 यहदीमन के फसह तिहार ह लकंठा आवत रहय। 5 जब यीसू ह आंखी उठाके देखिस, त मनखेमन के एक बडे भीड़ ओकर कोति आवत रहय। तब ओह फिलिप्पुस ला कहिस, “ये मनखेमन ला खवाय बर हमन कहां ले रोटी बिसोबो?” 6 यीसू ह ओला सिरिप परखे बर ये बात ला पुछिस, काबरकि ओह पहली ले जानत रहय कि ओह का करइया रिहिस। 7 फिलिप्पुस ह जबाब देके कहिस, “यदि दूसौ दीनार के रोटी बिसोबन, तभो ले येमा के हर एक मनखे ला मुसकुल से एक-एक कञ्चरा मिलही।” 8 ओकर एक आने चेला, सिमोन पतरस के भाई अन्दियास ह ओला कहिस, 9 “इहां एक ज्ञन छोकरा हवय, जेकर करा जवांर के पांच रोटी अऊ दू ठन मछरी हवय; पर अतेक ज्ञन बर येह कुछ नो हय?” 10 यीसू ह कहिस, “मनखेमन ला बईठा देवव।” ओ जगह म अब्बड कांदी रहय। तब जम्मो मनखेमन बईठ गीन, उहां करीब पांच रोटी अदामीमन रिहिन। 11 तब यीसू ह रोटी ला लीस अऊ परमेसर ला धनबाद देके उहां बईठे मनखेमन ला बांट दीस, अऊ वइसनेच ओह मछरीमन ला घलो बांट दीस। ओमन जतकी चाहिन, ओह ओमन ला ओतकी दीस। 12 जब ओ जम्मो ज्ञन खाके अघा गीन, त यीसू ह अपन चेलामन ला कहिस, “बांचे-खुचे टुकडामन ला संकेल लेवव, ताकि कुछ ह बरबाद ज्ञन होवय।” 13 तब ओमन बांचे ला संकेलिन अऊ बारह ठन टुकना ओ पांच ठन जवांर के रोटी के टुकडा ले भर गीस, जजन ला खवडयामन उहां छोड़ दे रिहिन। 14 जब मनखेमन यीसू के ओ अचरज के चिनहां ला देखिन, त कहे लगिन, “येह सही म ओ अगमजानी अय, जजन ह संसार म अवइया रिहिस।” 15 ओमन आके यीसू ला जबरदस्ती राजा बनाय के इरादा करत रिहिन; ये बात ला जानके, यीसू ह फेर एके ज्ञन पहाड़ ऊपर चल दीस। 16 जब सांझ होईस, त यीसू के चेलामन उतरके झील के तीर म गीन, 17

अऊ उहां झील के ओ पार कफरनहम जाय बर, एक ठन डोंगा म भूखन नइ होवय अऊ जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह कभू बईठ गीन। जब ओमन जावत रिहिन, त अधियार हो गे रहय, अऊ पीयासन नइ होवय। 36 पर ज़इसने मेंह तुमन ला कहेव कि तुमन यीसू ह अभी तक ले ओमन करा नइ आय रहय। 18 तब एक बडे मोला देख भी ले हवव, अऊ तभो ले तुमन बिसवास नइ करथव। आंधी झील के ऊपर चले लगिस, जेकर कारन पानी के बडे-बडे 37 जऊन कुछु ददा ह मोला देथे, ओजम्मो ह मोर करा आही अऊ लहरा उठिस। 19 जब ओमन समुद्र म डोंगा ला खेवत-खेवत जऊन कोनो मोर करा आथे, मेह ओला कभू नइ निकालाव। 38 पांच-चै किलोमीटर चल दीन, त ओमन यीसू ला अपन डोंगा कोति काबरकि मेह अपन इंगा ला नइ, पर अपन पठोइया के इंगा ला पूरा आवत देखिन; ओह पानी ऊपर चलत रहय, अऊ ओमन डरा गीन। करे बर स्वरग ले उतरे हववं। 39 अऊ मोर पठोइया के इंगा ये अय 20 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, “येह में अंव, झन डरव।” 21 तब कि जऊन कुछु ओह मोला देय हवय, ओमा ले कोनो ला घलो मेह ओमन ओला डोंगा म चायाच बर चाहत रिहिन कि डोंगा ह ओह तीर झन गंवावंव, पर आखिरी दिन म ओमन ला जियावंव। 40 काबरकि म पहुंच गीस, जिहां ओमन जवइया रिहिन। 22 दूसर दिन, ओ मोर ददा के इंगा ये अय कि जऊन कोनो बेटा ला देखथे अऊ ओकर मनखेमन के भीड, जऊन ह समुद्र के ओ पार तीर म स्के रहय, ये ऊपर बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी देखिस कि उहां सिरिप एक ठन डोंगा रिहिस, अऊ ओमन जानत पाही, अऊ मेह आखिरी दिन म ओला जियाहं।” (aiōnios g166) रिहिन कि यीसू ह अपन चेलामन संग ओ डोंगा म नइ गे हवय, पर 41 तब यहदीमन यीसू ऊपर बडबडाय लगिन, काबरकि ओह ये कहे चेलामन यीसू के बिगर डोंगा म चल दे रिहिन। 23 तब कुछु आने रिहिस, “मेह ओ रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले उतरिस।” 42 डोंगामन तिबिरियास ले ओ जगह के लकठा म आईन, जिहां परभू ओमन कहिन, “का येह यसुफ के बेटा यीसू नो हय, जेकर दाईं-ददा के धनबाद करे के बाद मनखेमन रोटी खाय रिहिन। 24 जब भीड ह ला हमन जानथन? तब ओह कइसने कह सकथे कि ओह स्वरग ले ये देखिस कि उहां न तो यीसू हवय अऊ न ही ओकर चेलामन, त उतरे हवय?” 43 यीसू ह ओमन ला ये जबाब दीस, “आपस म ओमन डोंगामन म चधिन अऊ यीसू के खोज म कफरनहम गीन। बडबडाय बर बंद करव। 44 मोर करा कोनो नइ आ सकय, जब 25 जब ओ मनखेमन ला यीसू ह समुद्र के ओ पार मिलिस, त ओमन तक ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओला मोर तरफ नइ खीचय; ओकर ले पुछिन, “हे युर! तेह इहां कब आय?” 26 यीसू ह ओमन अऊ मेह ओला आखिरी दिन म जियाहं। 45 अगमजानीमन के ला कहिस, “मेह तुमन ला सच कहथंव, तुमन मोला एकरसेति नइ किताब म ये लिखे हवय: ‘ओ जम्मो झन परमेसर के दुवारा सिखोय खोजत हव कि तुमन अचरज के चिनहां ला देखेव, पर एकरसेति कि जाही।’ जऊन कोनो ददा के सुनथे अऊ ओकर ले सीखथे, ओह तुमन छक्के रोटी खाय रहेव। 27 ओ भोजन बर मेहनत झन करव, मोर करा आथे। 46 कोनो भी ददा ला नइ देखे हवय, सिरिप ओकर जऊन ह नास हो जाथे, पर ओ भोजन बर मेहनत करव, जऊन ह छोड, जऊन ह परमेसर कोति ले आय हवय, 47 मेह तुमन ला सच कहथंव, जऊन ह बिसवास के बेटा ह तुमन ला दीही। काबरकि परमेसर ददा ह ओकर ऊपर करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी पाथे। (aiōnios अपन मंजूरी के मुहर लगाय हवय।” (aiōnios g166) 28 तब ओमन g166 48 जिनगी के रोटी मेह अंव। 49 तुम्हर पुरखामन निरजन ओकर ले पुछिन, “परमेसर के काम करे बर, हमन का करन?” 29 जगह म मन्ना खाईन, पर ओमन मर गीन। 50 पर येह ओ रोटी यीसू ह ये जबाब दीस, “परमेसर के काम ये अय कि जऊन ला ओह अय, जऊन ह स्वरग ले उतरे हवय ताकि मनखे ह येला खावय पठोय हवय, ओकर ऊपर बिसवास करव।” 30 तब ओमन ओकर अऊ झन मरय। 51 मेह ओ जीयत रोटी अंव, जऊन ह स्वरग ले ले पुछिन, “तेह हमन ला का अचरज के चिनहां देखावे कि हमन उतरिस। यदि कोनो ये रोटी म ले खाही, त ओह सदाकाल तक ओला देखके तोर ऊपर बिसवास करन? तेह का काम करबे? 31 जीयत रहिही। ओ रोटी जऊन ला मेह संसार के जिनगी बर दूँ, हमर पुरखामन निरजन जगह म मन्ना खाय रिहिन; ज़इसने परमेसर ओह मोर मांस ए।” (aiōn g165) 52 येला सुनके यहदीमन आपस म के बचन म ये लिखे हवय: ‘ओह ओमन ला खाय बर स्वरग ले रोटी ये कहिके बहस करे लगिन, “ये मनखे ह हमन ला अपन मांस खाय दीस।” 32 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेह तुमन ला सच कहथंव बर कइसने दे सकथे?” 53 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मेह तुमन कि मूसा ह तुमन ला स्वरग ले ओ रोटी नइ देय रिहिस, पर ओह ला सच कहथंव, जब तक तुमन मनखे के बेटा के मांस ला नइ मोर ददा ए, जऊन ह तुमन ला स्वरग ले सच्चर्वै के रोटी देथे। 33 खावव अऊ ओकर लह ला नइ पीयव, तब तक तुमन म जिनगी नइ काबरकि परमेसर के रोटी ओह अय, जऊन ह स्वरग ले उतरथे ए। 54 जऊन कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लह पीथे, ओकर करा अऊ संसार ला जिनगी देथे।” 34 ओमन कहिन, “हे महाराज, ओ परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी हवय, अऊ मेह ओला आखिरी रोटी हमन ला हमेसा देय कर।” 35 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, दिन म जियाहं। (aiōnios g166) 55 काबरकि मोर मांस ह सही “जिनगी के रोटी मेह अंव। जऊन ह मोर करा आथे, ओह कभू भोजन अय अऊ मोर लह ह सही म पीये के चीज अय। 56 जऊन

कोनो मोर मांस खाथे अऊ मोर लह पीथे, ओह मोर म बने रहिथे, “मोर बर सही समय अभी तक नइ आय हवय। तुम्हर बर कोनो अऊ मैंह ओमा बने रहिथव। 57 जइसने जीयत ददा ह मोला पठोईस घलो समय ह सही ए। 7 संसार ह तुम्हर ले बईरता नइ कर सकय, अऊ ददा के कारन मैंह जीयत हवंव, ओहीच किसम ले जऊन ह पर मोर ले बईरता रखथे, काबरकि मैंह एकर बिरोध म गवाही देवंव मोला खाही, ओह मोर कारन जीयत रहिही। 58 येह ओ रोटी ए, जऊन ह स्वरग ले उतरिस। हमर पुरखामन मन्ना खाइन अऊ मर कि एकर काममन खराप अंय। 8 तुमन ये तिहार म जावव। मैंह अभी ये तिहार म नइ जावव, काबरकि मोर बर अभी तक सही समय गीन, पर जऊन ह ये रोटी ला खाही, ओह सदाकाल तक जीयत नइ आय हवय।” 9 ये कहिके, ओह गलील प्रदेस म स्क गीस। 10 रहिही।” (aiōn g165) 59 यीसू ह ये बातमन ला कफरनहम के एक पर जब यीसू के भाईमन तिहार मनाय बर चल दीन, त ओह घलो सभा-घर म उपदेस देवत कहिस। 60 येला सुनके, यीसू के कतको गीस, पर ओह खुलेआम नइ जाके गुपत ढंग ले उहां गीस। 11 तिहार चेलामन कहिन, “ये उपदेस ला गरहन करई कठिन ए।” 61 यीसू के बखत यहदीमन ओला खोजत रिहिन अऊ ये पुछत रिहिन, “ओ ह अपन मन म जान डारिस कि ओकर चेलामन कुड़कुड़ावत हवंय; मनखे ह कहां हवय?” 12 मनखेमन के भीड म ओकर बारे म बहुत एकरसेति ओह ओमन ला कहिस, “का ये बात ले तुमन ला ठेस कानाफूसी होवत रहय। कुछ मनखेमन कहत रिहिन, “ओह बने लगथे? 62 तब तुम्ह का होही, यदि तुमन मनखे के बेटा ला जिहां मनखे ए।” पर कुछ मनखेमन कहय, “नइ, ओह मनखेमन ला ओह पहिली रिहिस, उहां ऊपर जावत देख्ह त? 63 पबितर आतमा धोखा देये।” 13 पर यहदीमन के डर के कारन, यीसू के बारे म ह जिनगी देथे; मास ले कोनो फायदा नइ होवय। जऊन बात मैंह कोनो मनखे खुलेआम कुछ नइ कहत रिहिन। 14 जब तिहार के तुमन ला कहे हवंव, ओमन आतमा अऊ जिनगी अंय। 64 पर तुमन आधा समय बीत गे, तब यीसू ह मंदिर म जाके उपदेस देवन लगिस। म कुछ मनखे हवंय, जऊन मन ये बातमन ला बिसवास नइ करय।” 15 यहदीमन अचम्भो करके कहन लगिन, “बिगर सीखे ये मनखे ह काबरकि यीसू ह सुरु ले जानत रिहिस कि ओमा ले कोन बिसवास अंतके जादा कइसने जानथे?” 16 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, नइ करय अऊ कोन ह ओला धोखा दीही। 65 यीसू ह ये घलो “जऊन उपदेस मैंह देवत हंव, ओह मोर खुद के नो हय। येह ओकर कहिस, “एकरे कारन मैंह तुमन ला कहेव कि जब तक ददा कोति ले करा ले आथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। 17 जऊन ह परमेसर के बरदान नइ मिलय, तब तक कोनो मोर करा नइ आ सकय।” 66 ईछा म चले बर चाहथे, ओह जान डारही कि मोर उपदेस ह परमेसर एकर बाद, यीसू के कतको चेलामन ओला छोड़के वापिस चल कोति ले आथे या फेर मैंह अपन खुद के अधिकार ले गोठियावत दीन अऊ ओकर पाछू नइ गीन। 67 तब यीसू ह बारह चेलामन हंव। 18 जऊन ह अपन खुद के अधिकार ले गोठियाथे, ओह अपन ले पुछिस, “का तुमन घलो मोला छोड़के जाय चाहत हव?” 68 खुद के महिमा चाहथे, पर जऊन ह अपन पठोइया के महिमा चाहथे, सिमोन पतरस ह जबाब देके कहिस, “हे परभू, हमन काकर करा ओह सच्चा मनखे ए, अऊ ओमा कुछ भी गलत बात नइ ए। 19 जाओ? परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी के बात तो तोर करा का मूसा ह तुमन ला कानून नइ देय हवय? तभो ले तुमन ले एको हवय। (aiōnios g166) 69 हमन बिसवास करथन अऊ जानत हवन झन घलो ओ कानून ला नइ मानय। तुमन काबर मोला मार डारे कि तेह परमेसर के पबितर बेटा अस।” 70 तब यीसू ह ओमन ला के कोसिस करत हव?” 20 भीड के मनखेमन ओला जबाब दीन, कहिस, “का मैंह तुमन बारहों झन ला नइ चुने हवंव? तभो ले तुमन “तोर म पेरेत आतमा हवय। कोन ह तोला मार डारे के कोसिस ले एक झन सैतान ए?” 71 (यीसू ह ये बात सिमोन इस्किरियोती के करत हे?) 21 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मैंह एक ठन अचरज के बेटा यहदा के बारे म कहिस, काबरकि ओह ओ बारहों म ले ओ काम कोरेव, अऊ तुमन जम्मो झन अचम्भो करत हव। 22 मूसा ह मनखे रहय, जऊन ह बाद म यीसू ला धोखा देवइया रिहिस।)

**7** एकर बाद, यीसू ह गलील प्रदेस म एती-ओती गीस। ओह यहदिया प्रदेस ला नइ जाय चाहत रिहिस, काबरकि यहदीमन उहां ओला मार डारे बर बाट जोहत रिहिन। 2 पर जब यहदीमन के पबितर-तम्बूमन के तिहार ह लकठा आईस, 3 त यीसू के भाईमन ओला कहिन, “तेह ये जगह ला छोड़के यहदिया प्रदेस म चले जा, ताकि जऊन काम तेह करथस, ओला तोर चेलामन घलो देखेय। 4 काबरकि जऊन मनखे ह नांव कमाय चाहथे, ओह गुपत म काम नइ करय। जब तेह ये काम करथस, त अपनआप ला संसार के मनखेमन ला देखा।” 5 अऊ त अऊ ओकर खुद के भाईमन ओकर ऊपर बिसवास नइ करत रिहिन। 6 तब यीसू ह अपन भाईमन ला कहिस,

म जान गे हवयं कि एहीच ह मसीह अय? 27 पर हमन तो जानथन मंदिर के सिपाहीमन ले पुछिन, “तुमन यीसू ला पकड़के काबर नइ कि ये मनखे ह कहां के अय; जब मसीह ह आही, त कोनो ला पता लानेव?” 46 सिपाहीमन जबाब दीन, “जऊन किसम ले ये मनखे नइ चलही कि ओह कहां के अय!” 28 तब यीसू ह मंदिर म उपदेस ह गोठियाथे, वइसने आज तक कोनो नइ गोठियाय हवय! 47 देवत पुकारके कहिस, “तुमन मोला जानथव अऊ तुमन ये घलो फरीसीमन ओमन ला कहिन, “का ओह तुमन ला घलो भरमा दीस? जानथव कि मेह कहां के अंव। मेह इहां खुद नइ आय हवंव, पर 48 का अधिकारी या फरीसीमन ले कोनो ओकर ऊपर बिसवास करे जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए। तुमन ओला नइ जानव। हवयं? 49 नइ न! पर ये भीड़ के मनखे, जऊन मन कानून के बारे म 29 पर मेह ओला जानथव काबरकि मेह ओकर करा ले आय हवंव कुछ नइ जानय, ओमन सरापित अंय।” 50 निकुदेमुस जऊन ह यीसू अऊ ओह मोला पठोय हवय! 30 तब ओमन ओला पकड़े के करा पहिली गे रिहिस अऊ अगुवामन ले एक झान रिहिस, ओमन कोसिस करिन, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नइ लगाईन, काबरकि ला कहिस, 51 “हमर कानून के मुताबिक, हमन कोनो मनखे ला ओकर समय ह अब तक नइ आय रिहिस। 31 तभो ले भीड़ म दोसी नइ ठहिरा सकन, जब तक कि पहिली ओकर बात ला नइ ले बहुत झान ओकर ऊपर बिसवास करिन। ओमन कहिन, “जब सुन लेवन अऊ ये नइ जान लेवन कि ओह का करे हवय?” 52 मसीह ह आही, त का ओह ये मनखे ले बडके अचरज के चिनहां ओमन कहिन, “का तेह घलो गलील प्रदेस के अस? परमेसर के देखाही?” 32 फरीसीमन मनखेमन ला यीसू के बारे म अइसने बचन म खोज, त तेह पाबे कि गलील प्रदेस ले कोनो आगमजानी नइ कानापूरी करत सुनिन, त मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन यीसू ला आवय।” 53 तब ओमन जम्मो झान अपन-अपन घर चल दीन।

पकडे बर मंदिर के सिपाहीमन ला पठोईन। 33 तब यीसू ह कहिस, “मेह तुमर संग सिरिप थोरकन समय तक हवंव, तब मेह ओकर करा चले जाह, जऊन ह मोला पठोय हवय। 34 तुमन मोला खोजह, पर मोला नइ पाह, अऊ जिहां मेह हवंव, उहां तुमन नइ आ सकव।” 35 यहदीमन एक-दूसर ले कहिन, “ये मनखे ह कहां जाही कि हमन ओला नइ पाबो? का येह हमर ओ मनखेमन करा जाही, जऊन मन यूनानीमन के बीच म तितिर-बितिर होके रहिथे, अऊ यूनानीमन ला घलो उपदेस दीही? 36 ओकर ये कहे के का मतलब ए, ‘तुमन मोला खोजह, पर मोला नइ पाह,’ अऊ ‘जिहां मेह हवंव, उहां तुमन नइ आ सकव?’” 37 तिहार के आखिरी दिन जऊन ह सबले जादा महत्व के दिन रिहिस, यीसू ह ठाड होईस अऊ चिचियाके कहिस, “कहां कोनो पीयासन हवय, त ओह मोर करा आके पीय।” 38 जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, परमेसर के बचन के कहे के मुताबिक ओकर हिरदय ले जीयत पानी के नदी बहे लगाही।” 39 यीसू ह येला ओ पबितर आतमा के बारे म कहिस, जऊन ह यीसू ऊपर बिसवास करइयामन ला बाद म मिलने वाला रिहिस। ओ समय तक पबितर आतमा ह नइ दिये गे रिहिस, काबरकि यीसू ह अब तक अपन महिमा म नइ पहुंचे रिहिस। 40 ओकर ये बात ला सुनके कुछ मनखेमन कहिन, “सही म ये मनखे ह ओ अगमजानी ए, जऊन ह अवइया रिहिस।” 41 आने मन कहिन, “येह मसीह अय।” पर कुछ अऊ मनखेमन कहिन, “गलील प्रदेस ले मसीह ह कइसने आ सकथे? 42 का परमेसर के बचन म ये नइ लिखे हवय कि मसीह ह दाऊद के बंस अऊ बैतलहम गांव ले आही, जिहां दाऊद रहत रिहिस?” 43 ये किसम ले यीसू के काबन मनखेमन म मतभेद हो गीस। 44 ओमा ले कुछ झान ओला पकडे चाहत रिहिस, पर कोनो ओकर ऊपर हांथ नइ डारिन। 45 आखिर म, मंदिर के सिपाहीमन मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन करा वापिस चल दीन। तब ओमन

**8** पर यीसू ह जैतून पहाड़ ऊपर गीस। 2 अऊ बडे बिहनियां ओह फेर मंदिर म आईस। उहां जम्मो मनखेमन ओकर चारों खंट जर गीन; अऊ ओह बईठके ओमन ला उपदेस देवन लगिस। 3 तब कानून के गुरु अऊ फरीसीमन एक माईलोगन ला लानिन, जऊन ह छिनारी म पकडे गे रिहिस। ओमन ओला ओ जम्मो झान के आघू म ठाड करिन अऊ यीसू ला कहिन, 4 “हे गुरु, ये माईलोगन ह छिनारी करत पकडे गे हवय।” 5 हमर कानून म, मूसा ह हमन ला हुक्म दे हवय कि अइसने माईलोगन ला पथरा फटिक-फटिक के पार डारव। पर तेह एकर बारे म का कहिथस?” 6 ओमन ये सवाल यीसू ला फंसाय खातिर पुछत रिहिन, ताकि ओमन ला ओकर ऊपर दोस लगाय बर एक बहाना मिल जावय। पर यीसू ह झुकिस अऊ अपन अंगरी ले भुझियां ऊपर लिखे लगिस। 7 जब ओमन ओकर ले बार-बार पुछे लगिन, त ओह सीधा ठाड होईस अऊ ओमन ला कहिस, “यदि तुमन के बीच म कोनो बिगर पाप के हवय, त ओही ह ओला पहिली पथरा मारय।” 8 अऊ ओह फेर झुकके अपन अंगरी ले भुझियां ऊपर लिखे लगिस। 9 जब ओमन येला सुनिन, त जम्मो झान बडे ले लेके छोटे तक, एक-एक करके उहां ले चल दीन। सिरिप यीसू अऊ ओ माईलोगन जऊन ह ओकर आघू म ठाडे रहय, उहां रही गीन। 10 तब यीसू ह सीधा ठाड होईस अऊ ओ माईलोगन ले पुछिस, “हे नारी, ओमन कहां गीन? का कोनो तोला दंड नइ दीन?” 11 ओह कहिस, “हे परभू, कोनो नइ।” तब यीसू ह कहिस, “मेह घलो तोला दंड नइ देवंव। जा अऊ फेर पाप झान कबे।” 12 यीसू ह मनखेमन ले फेर कहिस, “मेह संसार के अंजोर अंव। जऊन कोनो मोर पाळू आही, ओह अंधियार म कभू नइ चलही, पर ओह जिनारी के अंजोर ला पाही।” 13 फरीसीमन ओला कहिन, “तेह अपन गवाही खुद देथेस; तोर गवाही सच नो हय।” 14 यीसू ह जबाब दीस, “यदि मेह अपन गवाही खुद देथेव,

तभो ले मोर गवाही सच ए काबरकि मैंह जानथंव कि मैंह कहां ले अब्राहम के संतान अन अऊ कभू काकरो गुलाम नइ रहें। तोर ये आय हवंव अऊ मैंह कहां जावत हंव। पर तुमन नइ जानव कि मैंह कहे के का मतलब ए कि हमन सुतंतर हो जाओ?” 34 यीसू ह ओमन कहां ले आय हवंव अऊ मैंह कहां जावत हंव। 15 तुमन अपन ला कहिस, “मैंह तुमन ला सच कहथंव कि जऊन ह पाप करथे, मनखे बुद्धि के मुताबिक नियाय करथव, मैंह खुद काकरो नियाय नइ ओह पाप के गुलाम ए। 35 गुलाम ह हमेसा घर म नइ रहय, पर बेटा करंव। 16 अऊ कहूँ मैंह नियाय करंव घलो, त मोर नियाय ह सही ह हमेसा घर म रहिथे। (aiōn g165) 36 एकरसेति यादि बेटा ह तुमन ए, काबरकि मैंह एके झन नियाय नइं करंव, पर ददा ह मोर संग ला सुतंतर करही, त सही म तुमन सुतंतर हो जाह। 37 मैंह जानथंव रहिथे, जऊन ह मोला पठोय हवय। 17 तुम्हर खुद के कानून म कि तुमन अब्राहम के संतान अव। तभो ले तुमन मोला मार डारे ये बात लिखे हवय कि दूँझन के गवाही ह सच माने जाथे। 18 चाहत हव, काबरकि मोर बचन बर तुम्हर हिरदय म कोनो जगह नइ मैंह अपन गवाही खुद देथंव, अऊ मोर अने गवाह ददा ए, जऊन ए। 38 मैंह तुमन ला ओहीच बात कहत हंव, जऊन ला तुमन ददा कहां हवय?” यीसू ह जबाब देके कहिस, “तुमन न तो मोला अपन ददा ले सुने हवब।” 39 ओमन यीसू ला कहिन, “हमर पुरखा जानथंव अऊ न ही मोर ददा ला। यदि तुमन मोला जानतेव, त मोर तो अब्राहम ए।” तब यीसू ह कहिस, “यादि तुमन अब्राहम के संतान ददा ला घलो जान जातेव।” 20 यीसू ह ये बात मंदिर के अंगना म होतेव, त तुमन अब्राहम के सही काम घलो करतेव। 40 पर अब उपदेस देवत समय उहां कहिस जिहां दान के सन्दूकमन रखे रहंय। तुमन मोर सही मनखे ला मार डारे चाहथंव, जऊन ह परमेसर ले तभो ले ओला कोनो नइं पकडिन, काबरकि ओकर समय अब तक सुने सच बात तुमन ला बता दीस। अब्राहम ह अइसने नइं करिस। नइ आय रिहिस। 21 यीसू ह फेर ओमन ला कहिस, “मैंह जावत 41 तुमन अपन ददा के सही काम करत हव।” ओमन ओला कहिन, हंव। तुमन मोला खोजह अऊ अपन पाप म मरह। जिहां मैंह जावत “हमन बेभिचार ले नइ जनमे हवन। हमर सिरिप एके झन ददा हवय, हंव, उहां तुमन नइं आ सकव।” 22 तब यहदीपन कहिन, “का अऊ ओह खुद परमेसर ए।” 42 यीसू ह ओमन ला कहिस, “यादि ओह अपनआप ला मार डारही, काबरकि ओह कहत हवय, जिहां परमेसर ह तुम्हर ददा होतिस, त तुमन मोर ले मया करतेव, काबरकि मैंह जावत हंव, उहां तुमन नइं आ सकव?” 23 यीसू ह ओमन ला मैंह परमेसर म ले आय हवंव अऊ अब इहां हवंव। मैंह अपन खुद कहिस, “तुमन खाल्हे के अब, अऊ मैंह ऊपर के अंव। तुमन ये होके नइं आय हवंव, पर ओही ह मोला पठोय हवय। 43 तुमन संसार के अब, पर मैंह ये संसार के नो हंव। 24 एकरसेति मैंह तुमन मोर बात ला काबर नइं समझव? काबरकि जऊन बात मैंह कहथंव, ला कहेव कि तुमन अपन पाप म मरह; यदि तुमन बिसवास नइं करव ओला सुन नइं सकव। 44 तुमन तो अपन ददा सैतान के अब, अऊ कि मैंह ओही अंव, त तुमन सही म अपन पाप म मरह।” 25 ओमन तुमन अपन ददा के इछा ला पूरा करे चाहथंव। ओह तो सुरुच ले ओकर ले पुछिन, “तेहं कोन अस?” यीसू ह जबाब दीस, “मैंह हतियारा रिहिस। ओह सच के रसता म नइं चलिस, काबरकि ओमा ओही अंव, जऊन ला सुरु ले मैंह तुमन ला कहत आय हवंव। 26 सच हवेव नइ। जब ओह लबारी गोठियाथे, त ओह अपन आदत के मोला तुम्हर बारे म बहुत बात कहना हे, अऊ तुम्हर फैसला करना मुताबिक गोठियाथे, काबरकि ओह लबारा ए अऊ लबारी के ददा ए। हे; पर जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह सच्चा ए, अऊ जऊन कुछ 45 पर मैंह सच कहिथंव, तुमन मोर ऊपर बिसवास नइं करव। 46 मैंह ओकर ले सुने हवंव, ओहीच बात मैंह संसार ला बता थंव। 27 का तुमन ले कोनो मोला पापी ठाहिरा सकथे? यदि मैंह सच कहत पर ओमन नइं समझिन कि यीसू ह ओमन ला अपन ददा परमेसर के हंव, तब तुमन मोर ऊपर काबर बिसवास नइं करव? 47 जऊन ह बारे म कहत रिहिस। 28 तब यीसू ह कहिस, “जब तुमन मनखे के परमेसर के अय, ओह परमेसर के बात ला सुनथे। तुमन परमेसर के बेटा ला ऊपर चघाह, तभे तुमन जानह कि मैंह कोन अंव, अऊ मैंह नो हव, एकरसेति तुमन ओकर बात ला नइ सुनव।” 48 यहदीपन अपनआप ले कुछ नइं करंव, पर जइसने ददा ह मोला सिखोय हवय, ओला जबाब दीन, “का हमन सही नइं कहिथन कि तेह एक सामरी ओहीच बात गोठियाथंव। 29 जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह मोर मनखे अस, अऊ तोर म पेरेत आतमा हवय।” 49 यीसू ह कहिस, संग हवय, ओह मोला अकेला नइ छोड दे हवय, काबरकि मैंह “मोर म पेरेत आतमा नइ ए, पर मैंह अपन ददा के आदर करथंव, हमेसा ओही काम करथंव, जेकर ले ओह खुस होथे।” 30 जब ओह अऊ तुमन मोर निरादर करथंव। 50 मैंह अपन महिमा नइं चाहंव, ये बात कहिस, त बहुत मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करिन। 31 पर परमेसर ह मोर महिमा करे चाहथे अऊ ओही ह नियाय करथे। जऊन यहदीपन यीसू ऊपर बिसवास करे रिहिन, ओमन ला यीसू 51 मैंह तुमन ला सच कहथंव, यादि कोनो मोर बात ला मानही, त ह कहिस, “यादि तुमन मोर उपदेस के मुताबिक चलथंव, त तुमन ओह कभू नइं मरही।” (aiōn g165) 52 तब यहदीपन ओला कहिन, सही म मोर चेला अव। 32 तब तुमन सच ला जानह अऊ सच ह “अब हमन सही म जान डरेन कि तोर म पेरेत आतमा हवय। तुमन ला सुतंतर करही।” 33 ओमन ओला जबाब दीन, “हमन तो अब्राहम ह मर गीस अऊ अगमजानीपन घलो मर गीन, पर तेह

कहिथस कि यदि कोनो तोर बात ला मानही, त ओह कभू नइ मरय। कहिस, “मेहं नइ जानव।” 13 ओमन ओ मनखे जऊन ह पहिली (alōn g165) 53 का तेह हमर पुरखा अब्राहम ले बडे अस? ओह अंधरा रिहिस, ओला फरीसीमन करा लानिन। 14 जऊन दिन यीसू मर गीस, अऊ अगमजानीमन घलो मर गीन। तेह अपनआप ला ह माटी सानके ओ मनखे के आंखीमन ला ठीक करे रिहिस, ओह का समझथस?” 54 यीसू ह जबाब दीस, “यदि मेहं अपनआप के बिसराम के दिन रिहिस। 15 एकरसेति फरीसीमन घलो ओ मनखे ले माहिमा करव, त मोर माहिमा के कुछू मतलब नो हव्य। पर मोर ददा ह पुछिन कि कइसने ओकर आंखीमन ठीक हो गीन। ओ मनखे ह मोर महिमा करथे, जऊन ला तुमन अपन परमेसर कहिथव। 55 ओमन ला कहिस, “ओह मोर आंखीमन म माटी ला सानके लगाईस, तुमन ओला नइ जानव, पर मेहं ओला जानथव। यदि मेहं कहंव कि अऊ मेहं आंखीमन ला धोएंव अऊ अब देखत हंव।” 16 कुछू मेहं ओला नइ जानव, त मेहं घलो तुम्हर सही लबरा ठाहिरहू, पर मेहं फरीसीमन कहिन, “ओ मनखे ह परमेसर करा ले नइ आय हवय, ओला जानथव अऊ ओकर बात ला मानथव। 56 तुम्हर पुरखा काबरकि ओह बिसराम दिन के कानून ला नइ मानय।” पर अनेमन अब्राहम ह मोर दिन ला देखे के आसा म आनंद मनाईस, अऊ ओह कहिन, “एक पापी मनखे ह अइसने चमतकर के काम कइसने कर येला देखिस अऊ खुस होईस।” 57 यहदीमन ओला कहिन, “तेह सकथे?” अऊ ओमन के बीच म फूट पड़ गीस। 17 आखिर म, अभी तो पचास साल के घलो नइ होय हवस, अऊ तेह कइसने कह ओमन फेर एक बार ओ अंधरा मनखे ले पुछिन, “ओ मनखे जऊन सकथस कि तेह अब्राहम ला देखे हवस।” 58 यीसू ह ओमन ला ह तोर आंखीमन ला ठीक करिस, ओकर बारे म तेह का कहिथस?” कहिस, “मेहं तुमन ला सच कहथव, अब्राहम के जनम होय के ओ मनखे ह कहिस, “ओह एक अगमजानी ए।” 18 यहदीमन पहिली ले मेहं हवंव।” 59 येला सुनके, ओमन यीसू ला मार डारे बर अभी तक ले बिसवास नइ करत रिहिन कि ओह अंधरा रिहिस पथरा उठाइन; पर यीसू ह लुकाके मंदिर ले निकल गीस।

**9** जब यीसू ह जावत रिहिस, त रस्ता म ओह एक जनम के अंधरा मनखे ला देखिस। 2 तब ओकर चेलामन ओकर ले पुछिन, “हे गुरु, कोन ह पाप करे रिहिस कि ये मनखे ह अंधरा जनमिस, खुद ये मनखे या फेर ओकर दाई-ददा?” 3 यीसू ह कहिस, “येह एकर या एकर दाई-ददा के पाप के कारन नो हय; पर येह एकरसेति होईस कि परमेसर के काम ह एकर जिनगी म परगट होवय।” 4 जऊन ह मोला पठोय हवय, ओकर काम ला दिन के रहिते-रहत हमन ला करना जस्ती ए। रात आवत हे, जब कोनो मनखे काम नइ कर सक्य। 5 जब तक मेहं संसार म हवंव, तब तक मेहं संसार के अंजोर अंव।” 6 ये कहिके यीसू ह भइयां म थूकिस, अऊ थूक ले माटी ला सानिस अऊ ओला ओ अंधरा के आंखीमन म लगाईस, 7 अऊ ओला कहिस, “जा अऊ सीलोम (एकर मतलब होथे—पठोय गेय) के कुन्ड म धो ले।” तब ओ मनखे ह कुन्ड म जाके अपन आंखीमन ला धोईस, अऊ ओह देखे लागिस, अऊ देखत वापिस आईस। 8 ओकर परोसीमन अऊ जऊन मन ओला पहिली भीख मांगत देखे रिहिन, ओमन कहिन, “का येह ओहीच मनखे नो हय, जऊन ह बईठके भीख मांगे करत रिहिस?” 9 कुछू मनखेमन कहिन, “हव, येह ओहीच अय।” अनेमन कहिन, “नइ, ओह सिरिप ओकर सही दिखथे।” पर ओ मनखे ह कहिस, “मेहं ओहीच मनखे अंव।” 10 ओमन ओकर ले पुछिन, “तब तोर आंखीमन के अंधरापन ह कइसे ठीक हो गे?” 11 ओह जबाब दीस, “ओ मनखे जऊन ला यीसू कहिथे, ओह थोरकन माटी ला सानिस अऊ ओला मोर आंखीमन म लगाईस, अऊ मोला कहिस कि सीलोम के कुन्ड म जाके धो ले। तब मेहं उहां जाके अपन आंखीमन ला धोएंव अऊ तब देखन लगेव।” 12 ओमन ओकर ले पुछिन, “ओह कहां हवय?” ओह

अऊ अब देखत हवय; एकरसेति ओमन ओकर दाई-ददा ला बलाके पुछिन, 19 “का येह तुम्हर बेटा ए, जऊन ला तुमन कहिथव कि येह अंधरा जनमे रिहिस? पर येह कइसने होईस कि ओह अब देखत हवय?” 20 ओकर दाई-ददा जबाब दीन, “हमन जानथन कि येह हमर बेटा ए, अऊ येह अंधरा जनमे रिहिस। 21 पर येह अब कइसने देखे लगिस या कोन ह एकर आंखीमन ला ठीक करिस, हमन नइ जानन। एकरे ले पुछव। येह लइका नो हय; येह अपन बारे म खुद बताही।” 22 ओकर दाई-ददा ये बात एकर खातिर कहिन, काबरकि ओमन ओ यहदीमन ले डारवत रिहिन, जेमन पहिली ले ठान ले रिहिन कि यदि कोनो यीसू ला मसीह मान लीही, त ओला सभा-घर ले निकाल दिये जाही। 23 एकरसेति ओकर दाई-ददा कहिन, “येह लइका नो हय; एकरे ले पुछव।” 24 तब ओमन दूसर बार ओ मनखे ला बलाइन जऊन ह पहिली अंधरा रिहिस, अऊ ओला कहिन, “परमेसर के महिमा कर। हमन जानथन कि ओ मनखे ह पापी ए।” 25 ओह जबाब दीस, “ओह पापी ए या नो हय, मेहं नइ जानव। पर मेहं एक बात ला जानथव कि मेहं अंधरा रहेव, पर अब देखत हंव।” 26 तब ओमन ओकर ले पुछिन, “ओह तोर संग का करिस? ओह तोर आंखीमन ला कइसने ठीक करिस?” 27 ओह जबाब दीस, “मेहं तुमन ला पहिलेच बता डारे हवंव अऊ तुमन नइ सुनेव। तुमन येला फेर काबर सुने चाहत हव? का तुमन घलो ओकर चेला बने बर चाहत हव?” 28 तब ओमन ओकर बेजती करके कहिन, “तेह ओकर चेला अस! हमन तो मृसा के चेला अन! 29 हमन जानथन कि परमेसर ह मृसा ले गोठियाईस, पर जहां तक ओ मनखे के बात ए, हमन ये घलो नइ जान कि ओह कहां के अय।” 30 ओ मनखे ह जबाब दीस, “येह अचम्भो के बात ए। तुमन नइ जानव कि ओह कहां के अय, जबकि ओह मोर आंखीमन ला ठीक कर दे हवय। 31

हमन जानथन कि परमेसर ह पापीमन के नइ सुनय, पर जऊन मनखे अऊ चारा पाही। 10 चोर ह सिरिप चोरी करे बर, हतिया करे बर ह परमेसर के भक्ति करथे अऊ ओकर ईछा के मुताबिक चलथे, अऊ नास करे बर आथे, पर मेंह एकरसेति आय हवंव, ताकि ओमन परमेसर ह ओकर सुनथे। 32 संसार के सुर् ले लेके आज तक, ये जिनगी पावंय अऊ भरपूर जिनगी पावंय। 11 “में ही बने चरवाहा कभू सुे म नइ आईस कि कोनो जनम के अंधरा मनखे के आंखीमन अंव। बने चरवाहा ह भेडमन बर अपन परान देथे। 12 बनिहार ह न ला ठीक करिस। (aiōn g165) 33 यदि ये मनखे ह परमेसर करा ले तो चरवाहा अय अऊ न तो भेडमन के मालिक। एकरसेति जब नइ आय होतिस, त ओह कुछ नइ कर सकतिस।” 34 ओमन ओला ओह भेडिया ला आवत देखथे, त ओह भेडमन ला छोड़के भाग कहिन, “तेंह तो पूरा पाप म जनमे हवस, अऊ तेंह हमन ला का जाथे। तब भेडिया ह भेडमन ऊपर झापटथे अऊ ओमन ला तितिर-सिधोथस।” अऊ ओमन ओला सभा-घर ले बाहिर निकाल दीन। बितिर कर देथे। 13 ओ मनखे ह भाग जाथे काबरकि ओह एक 35 यीसु ह सुनिस कि ओमन ओ मनखे ला बाहिर निकाल दे हवंय, बनिहार ए अऊ ओला भेडमन के कोनो फिकर नइ रहय। 14 “में अऊ जब ओह ओला भेटिस त कहिस, “का तेंह मनखे के बेटा ही बने चरवाहा अंव; मेंह अपन भेडमन ला जानथंव, अऊ मोर ऊपर बिसवास करथस?” 36 ओ मनखे ह पुछिस, “ए महाराज, भेडमन मोला जानथे— 15 इहसने ददा ह मोला जानथे अऊ मेंह ओह कोन ए? मोला बता, ताकि मेंह ओकर ऊपर बिसवास करंव।” ददा ला जानथंव—अऊ मेंह भेडमन बर अपन परान देथंव। 16 37 यीसु ह ओला कहिस, “तेंह ओला देख डारे हस। येह ओहीच मोर अऊ घलो भेड हवंय, जऊन मन ये भेड के कोठा म नइ ए। अय, जऊन ह तोर संग गोठियावत हवय।” 38 तब ओ मनखे ह मोला ओमन ला घलो लाना जस्ती ए। ओमन घलो मोर अवाज कहिस, “हे परभू, मेंह बिसवास करथंव।” अऊ ओह ओकर दंडवत ला सुनही; तब एके ठन झुंड अऊ एके झन चरवाहा होही। 17 करिस। 39 यीसु ह कहिस, “मेंह ये संसार म मनखेमन के नियाय मोर ददा ह मोर ले एकरसेति मया करथे, काबरकि मेंह अपन परान करे बर आय हवंय, ताकि जऊन मन अंधरा अय, ओमन देखय ला देथंव कि मेंह ओला फेर लेय लंव। 18 कोनो मोर परान नइ अऊ जऊन मन देखत हवंय, ओमन अंधरा हो जावय।” 40 कुछ ले सकय; पर मेंह अपन खुद के ईछा ले येला देशंव। मोर करा ये फरीसी, जऊन मन यीसु के संग रिहिन, जब ओमन यीसु के ये गोठ अधिकार हवय कि मेंह अपन परान ला दे दंव अऊ ओला फेर लेय ला सुनिन, त ओकर ले पुछिन, “का तेंह ये कहिथस कि हमन घलो लंव। ये हृकूम मोला मोर ददा ले मिले हवय।” 19 यीसु के ये गोठ अंधरा अन?” 41 यीसु ह ओमन ला कहिस, “यदि तुमन अंधरा के खातिर, यहदीमन के बीच म फेर फूट पर गीस। 20 ओमन ले होतेव, त तुमन पाप के दोसीदार नइ होतेव, पर जब तुमन ये कहिथव कतको झन कहिन, “ओमा परेत आतमा हवय अऊ ओह बिहा ए। कि तुमन देख सकत हव, त तुम्हर दोस ह तुमन म बने रहिथे।”

**10** “मेंह तुमन ला सच कहत हवंव कि जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भेड के कोठा म नइ आवय, पर कोनो आने कोति ले चघके आथे, ओह चोर अऊ डाकू अय। 2 जऊन मनखे ह दुवारी म ले होके भीतर जाथे, ओह अपन भेडमन के चरवाहा अय। 3 ओकर बर रखवार ह दुवारी ला खोल देथे अऊ भेडमन ओकर अवाज ला सुनथे। ओह अपन भेडमन ला नांव लेके बलाथे अऊ ओमन ला बाहिर ले जाथे। 4 जब ओह अपन जम्मो भेडमन ला बाहिर निकाल लेथे, तब ओह ओमन के आधू-आधू जाथे अऊ ओकर भेडमन ओकर पाछू-पाछू चलथे, काबरकि ओमन ओकर अवाज ला चिनथे। 5 ओमन कोनो अनजान मनखे के पाछू नइ जावय, पर ओमन ओकर ले दूरिहा भाग जायें, काबरकि ओमन अनजान मनखे के अवाज ला नइ चिनहें।” 6 यीसु ह ओमन ला ये पटंतर कहिस, पर ओमन नइ समझिन कि ओह का कहत रिहिस। 7 एकरसेति यीसु ह ओमन ला फेर कहिस, “मेंह तुमन ला सच कहत हवंव कि भेडमन बर मेंह दुवारी अंव। 8 ओ जम्मो जऊन मन मोर पहिली आईन, ओमन चोर अऊ डाकू रिहिन, अऊ भेडमन ओमन के नइ सुनिन। 9 दुवारी मेंह अंव, जऊन ह मोर ले होके भीतर जाही, ओह उद्गार पाही। ओह भीतर-बाहिर आय-जाय करही

परेत आतमा के धरे मनखे ह इहसने नइ गोठियावय। का एक परेत आतमा ह अंधरा के आंखीमन ला बने कर सकथे?” 22 जड़काला के समय रहय, अऊ ओ समय यस्सतेम सहर म अरपन के तिहार मनय जावत रहय। 23 यीसु ह मंदिर के इलाका म रहय अऊ ओह सुनेमान के परछी म टहलत रहय। 24 यहदीमन ओकर चारों खट्ट जूके ओला कहिन, “तेंह कब तक हमन ला दुविधा म रखबे? यदि तेंह मसीह अस, त हमन ला साफ-साफ बता दे।” 25 यीसु ह जबाब देके कहिस, “मेंह तुमन ला बता डारे हवंव, पर तुमन बिसवास नइ करव। जऊन काममन ला मेंह अपन ददा के नांव म करथंव, ओही काममन मोर गवाह हवंय, 26 पर तुमन बिसवास नइ करव, काबरकि तुमन मोर भेड नो हव। 27 मोर भेडमन मोर अवाज ला सुथें; मेंह ओमन ला जानथंव, अऊ ओमन मोर पाछू-पाछू चलथे। 28 मेंह ओमन ला परमेसर के संग सदाकाल के जिनगी देथंव, अऊ ओमन कभू नास नइ होही, अऊ ओमन ला कोनो मोर हाथ ले छीनके नइ ले जा सकय। (aiōn g165, aiōnios g166) 29 मोर ददा जऊन ह ओमन ला मोला दे हवय, ओह सबले बडे अय, अऊ कोनो ओमन ला मोर ददा के हांथ ले छीन नइ सकय। 30 मेंह अऊ मोर ददा एकेच अन।” 31 यहदीमन यीसु ला मारे बर फेर

पथरा उठाईन। 32 पर यीसू ह ओमन ला कहिस, “मैंहे तुमन ला ददा कोनो मनखे दिन म चलय, त औह ठोकर नइ खावय, काबरकि कोति ले बहुते बने काम देखाय हवब। येमा के कोन काम के सेति ओह ये संसार के अंजोर ला देखेथे। 10 पर यदि कोनो मनखे रात तुमन मोर ऊपर पथरा फेंकथव?” 33 यहदीमन ओला ये जबाब म चलथे, त औह ठोकर खाये, काबरकि ओकर करा अंजोर नइ दीन, “कोनो बने काम बर हमन तोला पथरा नइ मारत हवन, पर रहय।” 11 ये कहे के बाद, यीसू ह ओमन ला ये घलो कहिस, परमेसर के निन्दा करे के कारन अझने करथन, काबरकि तेह एक “हमर संगी लाजर ह सुत गे हवय; पर मैंह उहां ओला जगाय बर मनखे होके अपनआप ला परमेसर बनावत हस।” 34 यीसू ह जबाब जावत हवब।” 12 ओकर चेलामन कहिन, “हे परभ, यदि ओह दीस, “का तुम्हर कानून म ये नइ लिखे हवय, जिहां परमेसर ह सुत हवय, त औह बने हो जाही।” 13 यीसू ह ये बात लाजर के कहिस, ‘तुमन ईस्वर अव?’ 35 ओह ओमन ला ईस्वर कहिस, मिरतू के बारे म कहत रिहिस, पर ओकर चेलामन ये समाजिन कि जेमन करा परमेसर के बचन आईस अऊ परमेसर के बचन गलत ओह नीद म सोय के बारे म कहत हवय। 14 तब यीसू ह ओमन ला नइ हो सकय। 36 ओकर बारे म तुमन का कहिथव, जऊन ला साफ-साफ बताईस, “लाजर ह मर गे हवय। 15 तुम्हर हित म, ददा ह अपन खुद के रुप म अलग करिस अऊ ओला संसार म मोला खुरी हवय कि मैंह उहां नइ रहय। एकरे कारन तुमन मोर पठोईस? तुमन ओकर ले कहिथव कि तेह परमेसर के निन्दा करथन, ऊपर बिसवास करे बर सीखह। पर अब आवव, हमन ओकर करा काबरकि मैंह ये कहेव कि मैंह परमेसर के बेटा अंव। 37 यदि मैंह चलन।” 16 तब थोमा जऊन ला दिदुमुस घलो कहे जावय, अपन अपन ददा के काममन ला नइ करत हव, त मोर ऊपर बिसवास झन संगी चेलामन ला कहिस, “आवव, हमन घलो चलके ओकर संग करव। 38 पर यदि मैंह ओ काममन ला करथंव, त चाहे तुमन मोर मरन।” 17 जब यीसू ह उहां हबरिस, त ओला पता चलिस कि लाजर ऊपर बिसवास झन करव, पर मोर काम ऊपर तो बिसवास करव, के लास ला कबर म रखे चार दिन हो गे हवय। 18 बैतनियाह गांव ताकि तुमन जान सकव अऊ समझा सकव कि ददा ह मोर म हवय ह यस्सलोम सहर ले लगभग तीन किलोमीटर के दूरीहा म रहय। अऊ मैंह ददा म हवंव।” 39 तब ओमन फेर यीसू ला पकडे के 19 अऊ कतको यहदीमन मारथा अऊ मरियम ला ढाड़स बंधाय कोसिस करिन, पर ओह ओमन के हांथ ले बचके निकल गीस। 40 बर आय रहय, काबरकि ओ दूरों के भाई ह मर गे रहय। 20 जब तब यीसू ह यरदन नदी के ओ पार वापिस ओ जगह म गीस, जिहां मारथा ह सुनिस कि यीसू ह आवत हवय, त औह ओकर ले भेट यहन्ना ह पहिली बतिसमा देवत रिहिस। अऊ ओह उहां स्क गीस। करे बर गीस, पर मरियम ह घेरेच म बढ़े रहय। 21 मारथा ह 41 बहुते मनखेमन ओकर करा आईन अऊ ओमन कहिन, “हालाकि यीसू ला कहिस, “हे परभ, कहं तेह इहां होते, त मोर भाई ह नइ यहन्ना ह कोनो चमतकार के काम नइ देखाईस, पर जऊन बात मरतिस। 22 पर अभी घलो मैंह जानथंव कि जऊन कुछ तेह परमेसर यहन्ना ह ये मनखे के बारे म कहिस, ओ जम्मो बात सच रिहिस।” ले मांगबे, ओह तोला दीही।” 23 यीसू ह ओला कहिस, “तोर 42 अऊ उहां बहुते मनखेमन यीसू ऊपर बिसवास करिन।

**11** लाजर नांव के एक मनखे बेमार रहय। औह, मरियम अऊ ओकर बहिनी मारथा के गांव बैतनियाह के रहय। 2 येह ओहीच मरियम रिहिस, जऊन ह परभ ऊपर इर तेल ला ढारके ओकर गोडमन ला अपन बाल ले पौछे रिहिस; एकरे भाई लाजर ह बेमार रहय। 3 एकरसेति ओ दूरों बहिनी यीसू करा ये खबर पठोईन, “हे परभ, जेकर ले तेह मया करथन, ओह बेमार हवय।” 4 जब यीसू ह येला सुनिस, त ओह कहिस, “ये बेमारी ले ओकर मिरतू नइ होवय। ये बेमारी ह परमेसर के महिमा खातिर अय, ताकि एकर दुवारा परमेसर के बेटा के महिमा होवय।” 5 यीसू ह मारथा अऊ ओकर बहिनी मरियम, अऊ लाजर ले मया करय। 6 तभो ले जब ओह सुनिस कि लाजर ह बेमार हवय, त ओह जिहां रहय, उहां दू दिन अऊ रुक गीस, 7 अऊ तब ओह अपन चेलामन ला कहिस, “आवव, हमन यहदीया प्रेदेस ला वापिस चलन।” 8 चेलामन ओला कहिन, “हे गुरु, थोरकन देर पहिली यहदीमन तोर ऊपर पथरा फेके बर चाहत रिहिन, अऊ तभो ले तेह उहां वापिस जावत हस।” 9 यीसू ह जबाब दीस, “का दिन म बारह घंटा नइ होवय? यदि

भाई ह फेर जी उठही।” 24 त मारथा ह कहिस, “मैंह जानथंव कि आखिरी दिन म, जब मेर मनखेमन जी उठही, त औह घलो जी उठही।” 25 यीसू ह ओला कहिस, “मैंह मेर मन ला जियाथंव अऊ जिनगी देथंव। जऊन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, कहं ओह मर घलो जावय, तभो ले ओह जीयत राहही, 26 अऊ जऊन ह जीयथे अऊ मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह परमेसर के संग सदाकाल तक जीही। का तेह ये बात ला बिसवास करथस?” (aiōn g165) 27 मारथा ह ओला कहिस, “हां परभ, मैंह बिसवास करथव कि तेह परमेसर के बेटा मसीह अस, जऊन ह संसार म अवइया रिहिस।” 28 ये कहे के बाद, मारथा ह वापिस चल दीस अऊ अपन बहिनी मरियम ला बलाके चुपेचाप कहिस, “गुरुजी ह इहा हवय अऊ तोला बलावत हवय।” 29 येला सुनके, मरियम ह तुरते उठिस अऊ यीसू करा गीस। 30 यीसू ह अभी तक ले गांव के भीतर नइ आय रिहिस, पर ओह ओही ठजर म रहय, जिहां मारथा ह ओकर ले भेट करे रिहिस। 31 ओ यहदी जऊन मन मरियम के संग घर म रिहिस अऊ ओला ढाड़स देवत रिहिन, जब ओमन उहां ये देखिन कि कइसने ओह तुरते उठिस अऊ बाहिर चल दीस, त ओमन ये

सोचके ओकर पाढ़-पाढ़ गीन कि ओह कबर म रोये बर जावत 51 ओह ये बात ला अपन कोति ले नइ कहिस, पर ओ बछर के होही। 32 जब मरियम ह ओ ठउर म आईस जिहां यीसू ह रिहिस महा पुरोहित के स्प म, ओह अगमबानी करिस कि यीसू ह यहदी अऊ ओला देखिस, त ओह यीस के गोड खाल्हे गिरके कहिस, “हे जाति खातिर मरही। 52 अऊ न सिरिप यहदी जाति खातिर पर परभ, यदि तेंह इहां होते, त मोर भाई ह नइ मरतिस।” 33 जब यीसू परमेसर के तितिर-बितिर होय संतानमन खातिर घलो, कि ओमन ला ह ओला अऊ जजन यहदीमन ओकर संग आय रिहिन, ओमन सकेलके एक कर देवय। 53 ओही दिन ले ओमन यीसू ला मार डार ला घलो रोवत देखिस, त आतमा म बहुत उदास अऊ बियाकूल के उपाय कर लगिन। 54 एकर खातिर, यीसू ह यहदीमन के बीच म होईस, 34 अऊ ओह ओमन ले पुछिस, “तुमन ओला कहां रखे खुलेआम आय-जाय ला बंद कर दीस, अऊ उहां ले निरजन प्रदेस हवव?” ओमन ओला कहिन, “हे परभ, चलके देख लो।” 35 यीसू के लकठा के एपैरेम नाव के एक गांव म चल दीस अऊ उहां अपन ह रोवन लगिस। 36 तब यहदीमन कहिन, “देखव, ओह ओकर ले चेलामन संग रहे लगिस। 55 जब यहदीमन के फसह तिहार लकठा कतेक मया करत रिहिस!” 37 पर ओमा ले कुछ मनखेमन कहिन, आईस, त बहुत मनखेमन देहात ले यस्सलेम सहर ला गीन, ताकि “येह अंधरा के अंखी ला बने करिस, पर येह का अतका नइ कर ओमन उहां अपनआप ला फसह तिहार के पहिली सुध करय। 56 सकिस कि ये मनखे ह नइ मरतिस?” 38 यीसू ह फेर बहुत उदास ओमन यीसू ला खोजत रहय अऊ मंदिर के अंगना म ठाढ होके होके कबर करा आईस। ओ कबर ह एक खोड़ा म रिहिस, जेकर एक-दूसर ला कहे लगिन, “तोर का बिचार ए? का ओह तिहार म मुहाटी म एक ठन बडे पथरा रखे रहय। 39 यीसू ह कहिस, “पथरा नइ आही?” 57 पर मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन ये हुकूम दे ला टारव।” तब मेरे मनखे के बहिनी मारथा ह कहिस, “पर हे रिहिस कि कहं कोनो ला ये पता चलथे कि यीसू ह कहां हवय, त परभ, अब ओमा ले बास आवत होही, काबरकि ओला कबर म रखे ओह आके बतावय ताकि ओमन यीसू ला पकड सकेय।

चार दिन हो गे हवय।” 40 तब यीसू ह कहिस, “का मेह तोला नइ कहे रहेव कि यदि तेंह बिसवास करबे, त परमेसर के महिमा ला देखबे?” 41 तब मनखेमन ओ पथरा ला टारिन अऊ यीसू ह ऊपर कोति देखिस अऊ कहिस, “हे ददा, मेह तोला धनबाद देवत हव कि तेंह मेर पराथाना ला सुन ले हवस। 42 मैंह जानथंव कि तेंह हमेसा मोर पराथाना ला सुनथस, पर मैंह ये बात इहां ठाढे मनखेमन के सेति कहेव कि ओमन बिसवास करय कि तेंह मोला पठोय हवस।” 43 ये कहे बाद, यीसू ह चिचियाके कहिस, “हे लाजर, बाहिर निकल आ।” 44 ओ मेरे मनखे ह कबर ले बाहिर निकल आईस। ओकर हाथ अऊ गोडमन म मलमल कपडा के पट्ठी लपटाय रहय अऊ ओकर चेहरा म घलो एक कपडा लपटाय रहय। यीसू ह मनखेमन ला कहिस, “ओकर कबर के कपडा ला खोल दव अऊ ओला जावन देवब।” 45 यहदीमन ले बहुते झान, जजन मन मरियम करा आय रिहिन अऊ यीसू के ये काम ला देखिन, यीसू ऊपर बिसवास करिन। 46 पर ओमा ले कुछ झान फरीसीमन करा गीन अऊ यीसू ह जजन कुछ करे रिहिस, ओमन ला बताईन। 47 तब मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन धरम महासभा बलाईन अऊ सभा म ओमन पुछिन, “हमन का करत हवन? इहां ये मनखे ह बहुते चमतकार के काम देखावत हवय। 48 यदि हमन ओला अइसनेच छोड देबो, त जम्मो मनखेमन ओकर ऊपर बिसवास करे लगही अऊ तब रोमी मनखेमन ओके हमर जगह अऊ हमर देस दुरों ला ले लीही।” 49 तब ओमा ले काइफा नाव के एक झान मनखे, जजन ह ओ बछर के महा पुरोहित रिहिस, ओमन ले कहिस, “तुमन कुछ नइ जानव। 50 तुमन नइ समझत हव कि तुम्हर बर ये उचित ए कि मनखेमन खातिर एक आदमी ह मरय अऊ पूरा देस ह नास झान होवय।”

**12** फसह तिहार के छै दिन पहिली यीसू ह बैतनियाह गांव म आईस, जिहां लाजर ह रहत रहय, जजन ला यीसू ह मेरे म ले जियाय रिहिस। 2 उहां यीसू के आदर म एक भोज तियार करे गीस। मारथा ह सेवा करत रहय, अऊ लाजर ह ओमन ले एक झान रहय, जजन ह यीसू के संग खावत रहय। 3 तब मरियम ह सुध गुलमेहंदी के करीब आधा लीटर बहुत मंहगा इतर तेल लीस अऊ यीसू के गोडमन ऊपर ढारिस, अऊ ओह ओकर गोडमन ला अपन बाल ले पोछिस। ओ घर ह इतर के महक ले भर गीस। 4 पर यहदा इस्करियोती नाव के यीसू के एक चेला, जजन ह पाढ़ ओला दगा देवइया रहय, कहिस, 5 “ये इतर तेल ला बेचके, पईसा ला गरीबमन ला काबर नइ बाटे गीस? येह तीन सौ दीनार के होय रहिसित।” 6 ओह ये बात एकसेति नइ कहिस कि ओह गरीबमन के फिकर करय, पर ओह एकसेति कहिस, काबरकि ओह चोर रिहिस। ओकर करा रुपिया-पईसा के थैली रहय, अऊ जजन कुछ ओमा डाले जायव, ओमा ले ओह निकाल लेवत रिहिस। 7 यीसू ह कहिस, “ओला छोड देवब। ओह मोर गाडे जाय के दिन बर इतर तेल ला लगाय हवय। 8 गरीबमन तो हमेसा तुम्हर संग रहिही, पर मैंह हमेसा तुम्हर संग नइ रहव।” 9 इही बीच म, यहदीमन के एक बडे भीड़ ला पता चलिस कि यीसू ह बैतनियाह गांव म हवय, त ओमन सिरिप ओकर खातिर ही नइ, पर लाजर ला देखे बर घलो आईन, जजन ला यीसू ह मेरे म ले जियाय रिहिस। 10 तब मुखिया पुरोहितमन लाजर ला घलो मार डारे के उपाय करन लगिन। 11 काबरकि ओकर खातिर कतको यहदीमन ओमन ला छोड़के यीस करा जावत रिहिन अऊ यीसू ऊपर बिसवास करत रिहिन। 12 ओकर दूसर दिन, एक बडे भीड़ जजन ह तिहार मनाय

बर आय रिहिस, ये सुनिस कि यीसू ह यस्सलेम आवत हवय। 13 त के समय ए; अब ये संसार के राजकुमार ला निकाल दिये जाही। ओमन खजू़ के डालीमन ला लेके ओकर ले भेट करे बर गीन अऊ 32 पर जब मैंह धरती ले ऊपर उठाय जाहं, त जम्मो इन ला मैंह चिचिया-चिचियाके कहत रिहिन, “होसाना!” “धइन ए ओ, जऊन अपन तरफ खीच लहं।” 33 यीसू ह ये कहे के दुवारा इसार करिस ह परभू के नांव म आथे!” “धइन ए, इसरायल के राजा!” 14 कि ओह कोन किसम ले मरइगा रिहिस। 34 भीड़ के मनखेमन यीसू ला एक ठन गदही के बछू़-मिलिस अऊ ओह ओकर ऊपर कहिन, “हमन मूसा के कानून ले ये बात सुने हवन कि मसीह ह बईं गीस, जइसने कि परमेसर के बचन म लिखे हवय: 15 “हे सदाकाल तक रहिही। तब तेंह कइसने कहथस कि मनखे के बेटा के बेटी सियोन, इन डर; देख, तेर राजा ह गदही के बछेड़ा ऊपर ऊपर उठाय जाना जस्ती ए। ये मनखे के बेटा कोन ए?” (aiōn बईंके आवत हवय।) 16 ओकर चेलामन पाहिली ये बात ला नइ g165 35 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “अंजोर ह थोरकन समय समझिन। पर जब यीसू के महिमा होइस, त ओमन सुता करिन कि तक तुम्हर संग म रहिही। जब तक तुम्हर करा अंजोर हवय, रेगत ये बातमन यीसू के बारे म लिखे गे रिहिस अऊ मनखेमन ओकर रहव, नइ तो अंधियार ह तुमन ला धेर लीही। जऊन ह अंधियार म संग बचन के मुताबिक करिन। 17 मनखेमन के ओ भीड़ जऊन ह रेगथ, ओह नइ जानय कि ओह कहां जावथ। 36 जब तक तुम्हर यीसू के संग ओ बखत रिहिस, जब यीसू ह लाजर ला कबर म ले करा अंजोर हवय, ओमा अपन बिसवास रखव, ताकि तुमन अंजोर बलाईंस अऊ ओला मरे म ले जियाईंस, ओमन ये बात के गवाही के संतान बन जावव।” ये कहे के बाद, यीसू ह उहां ले चल दीस देवत रिहिन। 18 ये खातिर, बहुते मनखेमन यीसू ले भेट करे बर अऊ अपनआप ला ओमन ले छुपाय रखिस। 37 हालाकि यीसू ह गीन, काबरकि ओमन सुने रहय कि ओह ये चमतकार के काम करे बहुते चमतकार के काम ओमन के आधू म करे रिहिस, तभो ले हवय। 19 तब फरीसीमन एक-दूसर ले कहिन, “हमन कुछ नइ कर ओमन ओकर ऊपर बिसवास नइ करिन। 38 जेकर ले यसायाह सकत हन। देखव, जम्मो संसार ह ओकर पालू हो गे हवय।” 20 अगमजानी के ये बचन ह पूरा होइस: “हे परभू हमर सदेस ऊपर जऊन मन तिहार के समय म अराधना करे बर गे रिहिन, ओमन कोन ह बिसवास करिस अऊ परभू के भुजबल काकर ऊपर परगट म कुछ यूनानी मनखे रिहिन। 21 ओमन फिलिप्पुस करा आईन, होइस?” 39 एकर कारन ओमन बिसवास नइ कर सकिन, काबरकि जऊन ह गलील प्रदेस के बैतसैदा सहर के रिहिस, अऊ ओकर ले यसायाह ये घलो कहे हवय: 40 “परमेसर ह ओमन के आखिमन ला बिनती करिन, “हे महाराज, हमन यीसू ला देखे बर चाहथन।” अंधरा कर दे हवय, अऊ ओमन के मन ला कठोर कर दे हवय, 22 फिलिप्पुस ह जाके अन्द्रियास ला कहिस, तब अन्द्रियास अऊ ताकि ओमन न तो अपन आंखी ले देख सकंय, अऊ न तो अपन मन फिलिप्पुस जाके यीसू ला कहिन। 23 यीसू ह कहिस, “ओ समय ह ले समझ सकंय, अऊ ओमन मोर तरफ नइ फिरंय कि मैंह ओमन ला आ गे हवय, जब मनखे के बेटा के महिमा होवय। 24 मैंह तुमन ला चंगा करंव।” 41 यसायाह ये बात एकरसेति कहिस काबरकि ओह सच-सच कहथंव कि जब तक गहं के बीजा ह भुइयां म गिरके मर यीसू के महिमा ला देखिस अऊ ओह ओकर बारे म गोठियाईंस। नइ जावय, तब तक ओ बीजा ह सिरिप अकेला रहिथे, पर जब 42 तभो ले अगुवामन ले बहुते इन यीसू ऊपर बिसवास करिन। येह मर जाथे, त बहुत फर देथे। 25 जऊन ह अपन परान ले मया पर फरीसीमन के कारन ओमन अपन बिसवास ला खुलेआम नइ करथे, ओह ओला गंवाही, पर जऊन ह ये संसार म अपन परान मानिन। ओमन डरत रहय कि ओमन ला यहदीमन के सभा-घर ले ला जादा महत्व नइ देवय, ओह ओला परमेसर के संग सदाकाल निकाल दिये जाही। 43 ओमन ला परमेसर के परसंसा करई ले के जिनगी बर बंचाके रखही। (aiōnios g166) 26 यदि कोनो मोर मनखे के परसंसा करई जादा बने लगिस। 44 तब यीसू ह चिचियाके सेवा करथे, त ओह मोर सेवा करथे, त मोर ददा ऊपर बिसवास करथे, पर ओह ओकर ऊपर घलो बिसवास करथे, ह ओकर आदर करही। 27 “अब मोर परान ह बहुते बियाकुल जऊन ह मोला पठोय हवय। 45 अऊ जब ओह मोला देखथे, त होवये अऊ मैंह का कहव? हे ददा, मोला ये धरी ले बचा। पर एहीच ओह ओला देखथे जऊन ह मोला पठोय हवय। 46 मैंह संसार म कारन बर तो मैंह ये धरी म पहुंचे हवय। 28 हे ददा, अपन नाव के अंजोर के स्प म आय हवव, ताकि जऊन कोनो मोर ऊपर बिसवास महिमा कर!” तब स्वरग ले ये अवाज आईस, “मैंह एकर महिमा करय, ओह अंधियार म इन रहय। 47 “यदि कोनो मोर बचन ला करे हवव अऊ एकर महिमा फेर करहं।” 29 मनखेमन के जऊन सुनथे, अऊ ओकर मुताबिक नइ चलय, त मैंह ओकर नियाय नइ भीड़ उहां ठाढ़े रिहिस, जब ओमन येला सुनिन, त कहिन कि येह करंव। काबरकि मैंह संसार के नियाय करे बर नइ, पर संसार के बादर के गरजन रिहिस, अऊ आने मन कहिन, “एक स्वरगदू ह उद्वार करे बर आय हवव। 48 जऊन ह मोर तिरस्कार करथे अऊ ओकर ले गोठियाईंस।” 30 यीसू ह कहिस, “ये अवाज ह मोर मोर बचन ला गरहन नइ करय, ओकर एक नियाय करइया हवय। बर नइ, पर तुम्हर भलाई बर होइस। 31 अब ये संसार के नियाय जऊन बचन मैंह कहे कहे हवव, ओहीच बचन ह आखिरी दिन म ओला

दोसी ठहिराही। 49 काबरकि मैंह अपन कोति ले कुछ नइं कहेंव, अऊ न ही संदेसिया ह अपन पठोइया ले बडे होथे। 17 अब तुमन ये पर ददा जऊन ह मोला पठोय हवय, ओह खुट मोला हुक्म दे हवय बातमन ला जानथव; यदि तुमन अझ्सने करह, त तुमन ला आसीस कि मैंह का कहंव अऊ कइसने कहंव। 50 मैंह जानथंव कि ओकर मिलही। 18 “मैंह तुमन जम्मो झन के बारे म नइं कहत हंव; जऊन हुक्म ह सदाकाल के जिनकी करा ले जाथे, एकरसेति जऊन कुछ मन ला मैंह चुने हवंव, ओमन ला मैंह जानथंव। पर येह एकरसेति मैंह कहिथंव, ओला वइसनेच कहिथंव, जइसने ददा ह मोला कहे होत हवय, ताकि परमेसर के ये बचन ह पूरा होवय: ‘जऊन ह मोर हवय।’” (aiōnios g166)

## 13 फसह तिहार के ठीक पहिली, यीसू ह जान लीस कि ओकर

समय ह आ गे हवय, अऊ ओला ये संसार ला छोड़के ददा करा जाना हवय, त ओह अपन मनखेमन ले जऊन मन संसार म रिहिन, जइसने मया करत रिहिस, आखिरी तक ओह ओमन ले वइसनेच मया करिस। 2 रात के भोजन परोसे जावत रहय, अऊ सैतान ह सिमोन के बेटा यहदा इस्करियोती के मन ला पहिली ले उकसाय रहय कि ओह यीसू ला दगा देवय। 3 यीसू ह जानत रहय कि ददा ह हर चीज ला ओकर हांथ म कर दे हवय, अऊ ये घलो कि ओह परमेसर करा ले आय हवय अऊ परमेसर करा जावत हवय। 4 एकरसेति ओह भोजन ले उठिस अऊ अपन बाहिरी कपड़ा ला उतारिस अऊ अपन कनिहां म एक ठन गमछा लपेटिस। 5 तब ओह एक ठन परात म पानी डारिस अऊ अपन चेलामन के गोड़ ला धोवन तगिस, अऊ अपन कनिहां म लपटाय गमछा ले ओमन के गोड़ ला पौँछन तगिस। 6 जब ओह सिमोन पतरस करा आईस, तब पतरस ह ओला कहिस, “हे परभू, का तेंह मोर गोड़ ला धोवन जावत हस?” 7 यीसू ह जबाब दीस, “तेंह अभी नइं समझस कि मैंह का करत हवंव, पर पाछू तेंह समझबे!” 8 तब पतरस ह कहिस, “नइं, मैंह तोला मोर गोड़ ला कभू नइं धोवन देवंव।” ये सुनके यीसू ह कहिस, “यदि मैंह तोर गोड़ ला नइं धोवंव, त मोर संग तोर कुछु संबंध नइं ए!” (aiōn g165) 9 सिमोन पतरस ह ओला कहिस, “तब हे परभू, सिरिप मोर गोड़ ला ही नइं, पर मोर हांथ अऊ मुड़ ला घलो धो दे।” 10 यीसू ह ओला कहिस, “जऊन ह नहा डारे हवय, ओला सिरिप अपन गोड़ ला धोय के जस्तर होथे। ओकर जम्मो देहे ह साफ होथे। तुमन ह साफ हवय, पर तुमन म हर एक झन साफ नइं ए।” 11 काबरकि ओह जानत रहय कि कोन ह ओला दगा देवइया रिहिस, एकरसेति ओह कहिस, “हर एक झन साफ नइं ए।” 12 जब यीसू ह अपन चेलामन के गोड़ ला धो डारिस, त ओह अपन कपड़ा ला पहिके अपन जगह म वापिस आईस अऊ खाय बर बईठिस, तब ओह ओमन ले पुछिस, “का तुमन समझत हव कि मैंह तुम्हर बर का करेव? 13 तुमन मोला गुरू अऊ परभू कहिथंव अऊ येह सही ए, काबरकि मैंह एहीच अंव। 14 जब मैंह तुम्हर परभू अऊ गुरू होके तुम्हर गोड़ ला धोएंव, तब तुमन ला घलो एक-दूसर के गोड़ धोना चाही। 15 मैंह तुम्हर आधू म एक नमूना रखे हवंव कि जइसने मैंह तुम्हर बर करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो करव। 16 मैंह तुमन ला संच कहिथंव कि एक सेवक ह अपन मालिक ले बडे नइं होवय,

संग खाना खावत रिहिस, ओह मोर बिस्थ हो गे हवय।” 19 “ये बात होय के पहिली, मैंह तुमन ला अभी बता देवत हंव, ताकि जब ये बात ह होवय, तब तुमन बिसवास करव कि मैंह ओही अंव। 20 मैंह तुमन ला संच कहिथंव, जऊन कोनो मोर पठोय मनखे ला गरहन करथे, ओह मोला गरहन करथे; अऊ जऊन कोनो मोला गरहन करथे, ओह ओला गरहन करथे, जऊन ह मोला पठोय हवय।” 21 ये कहे के बाद, यीसू ह आतमा म बहुत बियाकुल होईस अऊ ये गवाही दीस, “मैंह तुमन ला संच कहिथंव, तुमन म ले एक झन मोर संग बिसवासघात करही।” 22 ये सुनके, ओकर चेलामन दुबिधा म पड़ गीन कि ओह काकर बारे म कहत हवय, अऊ ओमन एक-दूसर के मुहं ताके लगिन। 23 ओकर चेलामन ले एक झन जऊन ला यीसू मया करव, यीसू के छाती कोति झुकके बईठ रिहिस। 24 सिमोन पतरस ह ओह चेला कोति इसारा करिस अऊ कहिस, “ओकर ले पुछ कि ओह काकर बारे म कहत हवय।” 25 ओह चेला ह वइसनेच यीसू कोति छाती के भार झुकके पुछिस, “हे परभू, ओह कोन ए?” 26 यीसू ह जबाब दीस, “जऊन ला मैंह ये रोटी के कुटा ला बरतन म बोरके दहूं, ओहीच ह ओ मनखे अय।” तब ओह रोटी के टुकडा ला बोरके सिमोन के बेटा यहदा इस्करियोती ला दीस। 27 यहदा के रोटी के कुटा ला लेतेच ही सैतान ह ओमा हमा गीस। तब यीसू ह ओला कहिस, “जऊन काम तेंह करइया हवस, ओला जलदी कर।” 28 पर उहां जातेक झन खाना खाय बर बईठे रिहिन, ओमन ले एको झन घलो नइं समझिन कि यीसू ह ओला काबर ये बात कहिस। 29 यहदा करा स्पिया-पईसा के थेली के जिमेदारी रहय, त कुछु झन ये समझिन कि यीसू ह ओला कहत होही कि जऊन कुछु के, हमन ला तिहार बर जस्तर हवय, ओला बिसा ले या फेर गरीबमन ला कुछु देय दे। 30 यहदा ह रोटी के कुटा ला लेके तुरते बाहिर चल दीस। अऊ ओह रथिया के बेरा रहय। 31 जब यहदा इस्करियोती ही चल दीस, तब यीसू ह कहिस, “अब मनखे के बेटा के महिमा होईस अऊ ओकर दुवारा परमेसर के महिमा होईस, त परमेसर ह घलो अपन म बेटा के महिमा करही अऊ तुरते ओकर महिमा करही। 33 “हे मोर लइकामन हो, अऊ थोरकन बेर मैंह तुम्हर संग रहिहं। तुमन मोला खोजह अऊ जइसने मैंह यहदीमन ला कहे हवंव, वइसने अब मैंह तुमन ला घलो कहत हंव: जिहां मैंह जावत हंव, उहां तुमन नइं आ सकव। 34 “एक नवां हुक्म मैंह तुमन ला देवत हंव: एक-दूसर ले मया करव। जइसने मैंह तुमन ला मया करे हवंव, वइसने तुमन घलो

एक-दूसरे ले मया करव। 35 यदि तुमन एक-दूसरे ले मया करह, त आतमा कहे जायेत। संसार ह ये मददगार ला गरहन नइं कर सकय, एकर ले जम्मो मनखेमन जान लीहीं कि तुमन मोर चेला अब।” 36 काबरकि संसार ह न तो ओला देखे हवय अऊ न ही ओला जानय। सिमोन पतरस ह यीसू ले पुछिस, “हे परभू, तेह कहां जावत हस?” पर तुमन ओला जानथव, काबरकि ओह तुम्हर संग रहिथे अऊ यीसू ह जबाब दीस, “जिहां मैंह जावत हव, उहां तेह अभी मोर तुमन म रहिही। 18 मैंह तुमन ला अनाथ नइं छोड़वं, मैंह तुम्हर पालू नइं आ सकस, पर बाद म तेह आबे।” 37 पतरस ह ओला करा आहं। 19 थोरकन देर अऊ हवय, तब संसार ह मोला फेर नइं कहिस, “हे परभू, अभी मैंह तोर पालू काबर नइं आ सकंव? मैंह तोर देखीही, पर तुमन मोला देखह। काबरकि मैंह जीयत हव; तुमन घलो बर अपन परान ला घलो दे दहूं।” 38 तब यीसू ह जबाब दीस, जीयत रहिहू। 20 ओ दिन तुमन जानह कि मैंह अपन ददा म हवंव, “का सही म, तेह मोर बर अपन परान देबे? मैंह तोला सच कहथव, अऊ तुमन मोर म हवय, अऊ मैंह तुमन म हवंव। 21 जेकर करा कुकरा के बासे के पहिली, तेह तीन बार मोर इनकार करवे।”

## 14 यीसू ह कहिस, “तुम्हर हिरदय बियाकुल झन होवय। परमेश्वर

उपर बिसवास करव अऊ मोर ऊपर घलो बिसवास करव। 2 मोर ददा के घर म बहुत जगह हवय; यदि नइं होतिस, त मैंह तुमन ला बता देवेव। मैंह उहां तुम्हर बर जगह तियार करे बर जावत हव। 3 अऊ जब मैंह जाके तुम्हर बर जगह तियार कर लहूं, त मैंह केर आहं अऊ तुमन ला मोर इहां ले जाहूं ताकि जिहां मैं रहव उहां तुमन घलो रहव। 4 जिहां मैंह जावत हव, तुमन ओ जगह के रसता ला जानत हव।” 5 थोमा ह यीसू ला कहिस, “हे परभू, हमन नइं जानन कि तेह कहां जावत हस, त फेर हमन रसता ला कइसने जानबो?” 6 यीसू ह ओला जबाब दीस, “रसता, सत अऊ जिनरी मैंहीच अंव। मोर बिगर कोनो ददा करा नइं आ सकय। 7 यदि तुमन मोला जाने होतेव, त मोर ददा ला घलो जानतेव। फेर अब ले तुमन ओला जानत हव अऊ ओला देखे घलो हवव।” 8 फिलिप्पुस ह ओला कहिस, “हे परभू, हमन ला ददा के दरसन करा दे। हमर बर अतका ह बहुत होही।” 9 यीसू ह जबाब दीस, “हे फिलिप्पुस, मैंह अतेक दिन ले तुम्हर संग म हवंव अऊ तपो ले का तेह मोला नइं जानस? जजन ह मोला देखिस, ओह ददा ला घलो देख डारिस। फेर तेह कइसने कह सकथस कि हमन ला ददा के दरसन करा दे। 10 का तेह बिसवास नइं करस कि मैंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय? जजन बचन मैंह तुमन ला कहिथव, ओह मोर अपन कोति ले नो हय। पर ददा जजन ह मोर म रहिथे; ओह अपन काम करत हवय। 11 मोर बिसवास करव कि मैंह ददा म हवंव अऊ ददा ह मोर म हवय। या फेर मोर चमतकार के कामपन के सेति मोर बिसवास करव। 12 मैंह तुमन ला सच कहथव कि जजन ह मोर ऊपर बिसवास करथे, ओह ओ कामपन ला करही, जजन ला मैंह करत हवंव। अऊ त अऊ ओह येमन ले घलो बड़े-बड़े काम करही, काबरकि मैंह ददा करा जावत हव। 13 जजन कुछू तुमन मोर नांव म मांगह, ओला मैंह प्रा करहूं ताकि बेटा के दुवारा ददा के महिमा होवय। 14 यदि तुमन मोर नांव म मोर ले कुछू मांगह, त मैंह ओला पूरा करहूं। 15 “यदि तुमन मोर ले मया करथव, त मोर हक्कममन ला मानव। 16 मैंह ददा ले पराथना करहूं, अऊ ओह तुमन ला एक आने मददगार दीही, ओह हमेसा तुम्हर संग रहिही। (aiōn g165) 17 जजन ला सत के रहव अऊ मैंह तुमन म बने रहिहूं। जइसने डंगाल ह यदि अंगू के

15 “सही अंगू के नार मैंह अंव अऊ मोर ददा ह किसान ए। 2 ओ डंगाल जजन ह मोर म हवय अऊ नइं फरय, ओह ओला काट डारथे; अऊ ओ डंगाल जजन ह फरथे, ओला ओह छांटथे, ताकि ओह अऊ फरय। 3 जजन बचन मैंह तुमन ला कहे हवंव, ओकर कारन तुमन पहिली ले सुध हो गे हवय। 4 तुमन मोर म बने यहन्ना

नार म बने नइं रहय, त ओँ डंगाल ह अपनआप म नइं फर सकय, ले धिन करथे, औह मोर ददा ले घलो धिन करथे। 24 ओमन पाप के वइसने यादि तुमन मोर म बने नइं रहव, त तुमन घलो नइं फर सकव। दोसीदार नइं होतिन, कहूँ मेहं ओमन के आधू म ओ काममन ला नइं 5 “मेहं अंगू के नार अंव अऊ तुमन डंगाल अव। जऊन मनखे ह करे होतेव, जऊन ला कोनो कभू नइं करिन। पर अब ओमन ये मोर म बने रहिथे अऊ मेहं ओमा, त ओह बहुत फरथे, काबरकि मोर चमतकार के काममन ला देखेके घलो मोर अऊ मोर ददा दूरों ले ले अलग होके तुमन कुछू नइं कर सकव। 6 कहूँ कोनो मनखे मोर धिन करे हवय। 25 येह एकरसेति होईच ताकि ओमन के कानून म म बने नइं रहय, त ओह ओँ डंगाल सहीं अय, जऊन ला फटिक लिखे ये बचन ह पूरा होवय: ‘ओमन मोर ले बिगर कोनो कारन के दिये जाथे अऊ ओह सूरा जाथे; अइसने डारामन ला मनखेमन धिन करिन।’ 26 “पर जब मददगार ह आही, जऊन ला मेहं ददा के संकलये अऊ आरी म झांके के जरा देशें। 7 यादि तुमन मोर म बने इहां ले तुमन करा पठोहं। ओह सत के आतमा ए, जऊन ह ददा म ले रहव अऊ मोर बचन ह तुमन म बने रहय, त जऊन कुछू तुमन चाहव निकलये। ओह मोर बारे म गवाही दीही। 27 अऊ तुमन ला घलो अऊ मांगव; ओह तुमन ला दिये जाही। 8 मोर ददा के महिमा इही म मोर बारे म गवाही देना जस्ती ए, काबरकि तुमन सुरु ले मोर संग रहे होथे कि तुमन बहुत फर लानव अऊ अपनआप ला देखा दव कि हवव।

तुमन मोर चेला अव। 9 “जइसने ददा ह मोला मया करिस, वइसने मेहं तुमन ले मया करे हवंव। अब तुमन मोर मया म बने रहव। 10 यादि तुमन मोर हुक्ममन ला मानहू, त मोर मया म बने रहिव; जइसने मेहं अपन ददा के हुक्ममन ला माने हवंव अऊ ओकर मया म बने रहिथंव। 11 मेहं ये बात तुमन ला ये खातिर कहे हवंव, ताकि मोर आनंद ह तुमन म रहय अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो जावय। 12 मोर हुक्म ये अय: जइसने मेहं तुमन ला मया करे हवंव, वइसनेच तुमन घलो एक-दूसर ले मया करव। 13 एकर ले बडे मया अऊ काकरो नइं ए कि कोनो मनखे अपन संगवारीमन बर अपन परान देवय। 14 जऊन हुक्म मेहं देवत हंव, ओला यादि तुमन मानव, त तुमन मोर संगवारी अव। 15 अब ले मेहं तुमन ला सेवक नइं कहंव, काबरकि सेवक ह नइं जानय कि ओकर मालिक ह का करथे। पर मेहं तुमन ला संगवारी कहे हवंव काबरकि जऊन कुछू मेहं अपन ददा ले सुनेव, ओ जम्मो बात तुमन ला बता दे हवंव। 16 तुमन मोला नइं चुनेव, पर मेहं तुमन ला चुने अऊ ठाहिराय हवंव कि तुमन जावव अऊ फरव—अइसने फर जऊन ह बने रहय। तब जऊन कुछू तुमन मोर नांव म ददा ले मांगह, ओह तुमन ला दीही। 17 मोर हुक्म ये अय: एक-दूसर ले मया करव। 18 “यादि संसार ह तुम्हर ले धिन करथे, त ये बात ला जान लेव कि येह तुम्हर ले पहिली मोर ले धिन करिस। 19 यादि तुमन संसार के होतेव, त संसार ह तुमन ला अपन समझके मया करतिस। पर तुमन संसार के नो हव, पर मेहं तुमन ला संसार म ले चुन ले हवंव। एकरसेति संसार ह तुम्हर ले धिन करथे। 20 जऊन बचन मेहं तुमन ला कहे हवंव, ओला सुरता रखव: ‘एक सेवक ह अपन मालिक ले बडे नइं होवय।’ जब ओमन मोला सताईन, त तुमन ला घलो सताही। अऊ यादि ओमन मोर बचन ला मानिन, त तुम्हर बचन ला घलो मानही। 21 मोर नांव के सेति ओमन तुम्हर संग अइसने भरताव करहीं, काबरकि ओमन ओला नइं जानंय, जऊन ह मोला पठोय हवय। 22 कहूँ मेहं नइं अतेव अऊ ओमन ले नइं गोठियातेव, त ओमन पाप के दोसीदार नइं होतिन, पर अब ओमन करा अपन पाप के कोनो बहाना नइं ए। 23 जऊन ह मोर

**16** “मेहं तुमन ला ये जम्मो बात एकरसेति बताय हवंव कि तुम्हर बिसवास ह झन टूट्य। 2 ओमन तुमन ला सभा-घर ले निकल दीही। अऊ ओ समय ह आवत हवय, जब तुम्हर हतिया करइया ह ये समझाई कि ओह परमेसर के सेवा करत हवय। 3 ओमन ये काममन ला एकरसेति करहीं काबरकि ओमन न तो ददा ला जानंय अऊ न ही मोला। 4 पर मेहं तुमन ला ये बात एकरसेति बताय ताकि जब ओ समय ह आवय, त तुमन ला सुरता रहय कि मेहं तुमन ला चेताय रहेव। मेहं तुमन ला ये बात सुरु म एकरसेति नइं बताय काबरकि मेहं तुम्हर संग म रहेव। 5 अब मेहं ओकर करा जावत हंव जऊन ह मोला पठोय हवय, पर तुमन ले कोनो नइं पुछत हव कि मेहं कहां जावत हंव। 6 मेहं तुमन ला ये बात कहेव, एकरसेति तुम्हर हिरदय ह दुख ले भर गे हवय। 7 पर मेहं तुमन ला सच कहिथंव: येह तुम्हर बर बने ए कि मेहं जावत हंव; काबरकि यादि मेहं नइं जावंव, त तुम्हर बर करा नइं आवय, पर यादि मेहं जाहं, त मेहं ओला तुम्हर करा पठोहं। 8 अऊ जब ओह आही, त संसार के मनखेमन ला पाप अऊ धरमीपन अऊ नियाय के बारे म दोसी ठाहिराही। 9 ओह पाप के बारे म दोसी ठाहिराही, काबरकि ओमन मोर ऊपर बिसवास नइं करय। 10 ओह धरमीपन के बारे म दोसी ठाहिराही, काबरकि मेहं ददा करा जावत हंव अऊ तुमन मोला फेर नइं देखह। 11 अऊ ओह नियाय के बारे म दोसी ठाहिराही, काबरकि ये संसार के राजकुमार ला पहिली ले दोसी ठाहिराय गे हवय। 12 “तुमन ला कहे बर मोर करा बहुत कुछू हवय, पर अभी तुमन ओ बातमन ला सहन नइं कर सकव। 13 पर जब ओ सत के आतमा ह आही, त ओह तुमन ला सत के जम्मो बात म अगुवई करही। ओह अपन तरफ से कुछू नइं कहिही; जऊन कुछू ओह सुनही, सिरिप ओहीच बात ला कहिही, अऊ ओह तुमन ला ओ बातमन ला बताही, जऊन ह अवइया हवय। 14 ओह मोर महिमा करहीं, काबरकि ओह मोर बातमन ला लीही अऊ ओला तुमन ला बताही। 15 जऊन कुछू ददा के अय, ओ जम्मो मोर अय। एकरसेति मेहं कहेव कि आतमा ह मोर म ले लीही अऊ ओला तुमन

ला बताही।” 16 यीसू ह ये घलो कहिस, “थोरकन देर बाद तुमन सांति मिलय। ये संसार म तुमन तकलीफ पाह। पर हिम्मत रखव। मोला नइ देखह अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखह।” 17 मेह संसार ऊपर जय पाय हवब।”

यीसू के कुछ चेलामन एक-दूसर ले कहिन, “ओकर ये कहे के का मतलब ए, ‘थोरकन देर बाद तुमन मोला नइ देखह अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखह,’ अऊ ‘काबरकि मेह ददा करा जावत हवब?’” 18 चेलामन बार-बार पुछन लगिन, “ये थोरकन देर के का मतलब ए? हमन नइ समझत हन कि ओह का कहत हवय।” 19

यीसू ह ये जानके कि ओमन ओकर ले पुछे चाहत हवय, ओह ओमन ला कहिस, “का तुमन एक-दूसर ले पुछत हव कि मोर ये कहे के का मतलब ए, ‘थोरकन देर बाद तुमन मोला नइ देखह अऊ फेर थोरकन देर बाद तुमन मोला देखह?’” 20 मेह तुमन ला सच-सच कहथव, तुमन रोह अऊ बिलाप करह, जबकि संसार ह आनंद मनाही। तुमन ला दुख होही, पर तुम्हर दुख ह आनंद म बदल जाही। 21 जब एक माईलोगन ह लाइका जनथे, त ओला पीरा होथे काबरकि ओकर बेरा ह आ गे हवय; पर जब आला लाइका हो जाथे, त आनंद के मारे कि

एक लाइका ह संसार म पईदा होईस, ओह पीरा ला भुला जाथे। 22 इही किसम ले, अभी तुमन ला दुख होवथे, पर मेह तुमन ला फेर देखह, अऊ तुमन आनंद मनाह, अऊ तुम्हर हिरदय के आनंद ला कोनो नइ छीन सकही। 23 ओ दिन म तुमन मोर ले कुछ नइ पुछह।

मेह तुमन ला सच-सच कहत हव, जजन कुछ तुमन मोर नाव म मांगह, ओ चीज ददा ह तुमन ला दीही। 24 अभी तक तुमन मोर नाव म कुछ नइ मांगे हवव। मांगव, त तुमन पाह अऊ तुम्हर आनंद ह पूरा हो जाही। 25 “मेह तुमन ला ये बात पटंतर म कहे हवब, पर ओ

समय ह आवत हवय, जब मेह तुम्हर ले पटंतर म नइ गोठियाकव, पर मेह तुमन ला अपन ददा के बारे म साफ-साफ बताह। 26 ओ दिन तुमन मोर नाव म मांगह, अऊ मेह ये नइ कहथव कि मेह तुहर बर ददा ले बिनती करह। 27 ददा ह खुदे तुम्हर ले मया करथे, काबरकि तुमन मोर ले मया करे हवब अऊ बिसवास करे हवब कि

मेह परमेसर करा ले आय हवव। 28 मेह ददा म ले निकलके संसार म आय हवब; अऊ अब मेह संसार ला छोड़के वापिस ददा करा जावत हव।” 29 तब यीसू के चेलामन कहिन, “अब तेह साफ-साफ बिगर पटंतर के गोठियाकव हस।” 30 अब हमन जान डारेन कि तेह जम्मो बात ला जानथस अऊ एकर जस्तर नइ ए कि कोनो तोर ले सवाल पुछय। एकर दुवारा हमन बिसवास करथन कि तेह परमेसर करा ले आय हवस।” 31 यीसू ह ओमन ला जबाब दीस, “आखिर म तुमन बिसवास करेव। 32 पर देखव, ओ बेरा ह आवत हवय अऊ आ घलो गे हवय, जब तुमन तितिर-बितिर हो जाह; हर एक झन अपन-अपन घर चल दीही। तुमन मोला एकदम अकेला छोड़ दह। तभो ले मेह अकेला नइ अंव, काबरकि मोर ददा ह मोर संग हवय।

33 “मेह तुमन ला ये बात एकरसेति कहेव ताकि तुमन ला मोर म

17 ये कहे के बाद, यीसू ह स्वरग कोति देखिस अऊ कहिस, “हे ददा, बेरा ह आ गे हवय। अपन बेटा के महिमा कर कि तोर

बेटा ह घलो तोर महिमा करय। 2 तेह ओला जम्मो मनखेमन ऊपर अधिकार दे हवस, ताकि जजन मन ला तेह ओला दे हवस, ओ जम्मो झन ला ओह तोर संग सदाकाल के जिनगी देवय। (aiōnios g166)

3 अऊ तोर संग सदाकाल के जिनगी ये अय कि ओमन सिरिप तोला एके चत परमेसर के रुप म जानय अऊ यीसू मसीह ला जानय, जजन ला तेह धरती म पठोय हवस। (aiōnios g166) 4

जजन काम तेह मोला करे बर दे रहय, ओला पूरा करके, मेह धरती म तोर महिमा करे हवब। 5 अब, हे ददा, अपन आधू म मोर महिमा कर—ओ महिमा जजन ह संसार ला बनाय के पहिनी मोर, तोर संग रिहिस। 6 “मेह तोर नाव ला ओमन ऊपर परगट करे हवब, जजन मन ला तेह मोला संसार म ले देय हवस। ओमन तोर रिहिन; तेह ओमन ला मोला देय हवस अऊ ओमन तोर बचन ला माने हवय। 7

अब ओमन जानथे कि जजन कुछ तेह मोला देय हवस, ओ जम्मो चीज तोर करा ले आय हवय। 8 काबरकि मेह ओमन ला ओ बचन दे हवब, जजन ला तेह मोला देय रहय, अऊ ओमन आला गरहन करे हवय। ओमन सही म जान गीन कि मेह तोर करा ले आय हवब अऊ ओमन बिसवास कर ले हवय कि तेह मोला पठोय हवस। 9

मेह ओमन बर पराथना करत हव। मेह संसार बर नइ, पर ओमन बर पराथना करत हव, जजन मन ला तेह मोला देय हवस, काबरकि ओमन तोर अंय। 10 जजन कुछ मोर करा हवय, ओ जम्मो ह तोर अय अऊ जजन कुछ तोर करा हवय, ओ जम्मो ह मोर अय। अऊ येमन के दुवारा मोर महिमा होथे। 11 मेह अब संसार म नइ रहंव, पर ओमन संसार म रहिही, अऊ मेह तोर करा आवत हवब। हे पबित्र ददा, ओमन ला जतन के रख अपन ओ नाव के सक्ति के

दुवारा, जजन नाव ला तेह मोला देय हवस, ताकि ओमन एक हो जावय जइसने हमन एक हवन। 12 जब मेह ओमन के संग रहेव, त ओ नाव के दुवारा जजन ला तेह मोला देय हवस, ओमन ला जतन के रखेव अऊ ओमन ला सही-सलामत रहेव। ओमा ले कोनो नइ गंवाईन, सिरिप बिनास के बेटा के छोड़, ताकि परमेसर के बचन ह पूरा होयव। 13 “अब मेह तोर करा आवत हव, पर मेह ये बातमन ला संसार म रहत कहथव, ताकि ओमन मोर आनंद ले पूरा भर जावय। 14 मेह ओमन ला तोर बचन देय हवब अऊ संसार ह ओमन ले नफरत करिस, काबरकि ओमन संसार के नो हंय, जइसने मेह संसार के नो हंव। 15 मेह ये पराथना नइ करत हव कि तेह ओमन ला संसार ले निकल ले, पर ये पराथना करत हव कि ओमन ला तेह सेतान ले बचाय रख। 16 ओमन संसार के नो हंय, जइसने मेह संसार के नो हंव। 17 सत के दुवारा ओमन ला पबित्र कर, तोर बचन ह

सत ए। 18 जइसने तेह मोला संसार म पठोय, वइसने मैंह ओमन ला अऊ महा पुरोहित के सेवक ऊपर चलाके ओकर जेवनी कान ला संसार म पठोय हवंव। 19 ओमन खातिर मैंह अपनआप ला तोर काट दीस। ओ सेवक के नांव मलखुस रिहिस। 11 यीसू ह पतरस हांथ म अरपन करथंव ताकि ओमन घलो सही म अपनआप ला ला हक्म दीस, “अपन तलवार ला मियान म रख। जऊन दुख तोला अरपन करंय। 20 “मैंह सिरिप ओमन खातिर ही पारथाना नइ के कटोरा ददा ह मोला दे हवय, का ओला मैंह नइं पीयंव?” 12 करथंव, पर ओमन बर घलो जऊन मन ओमन के सदेस के दुवारा तब सैनिकमन अऊ ओमन के कप्तान अऊ यहदी अधिकारीमन मोर ऊपर बिसवास कहरी, 21 कि ओ जम्मो झान एक हो जावय। हे यीसू ला पकड़के बांध लीन, 13 अऊ ओमन ओला पहिली हन्ना ददा, जइसने तेह मोर म हवस अऊ मैंह तोर म हवंव। वइसने ओमन करा लानिन, जऊन ह ओ साल के महा पुरोहित काइफा के ससुर घलो हमर म होवंय ताकि संसार ह बिसवास करय कि तेह मोला रिहिस। 14 येह आईच काइफा रिहिस, जऊन ह यहदी अगुवामन पठोय हवस। 22 जऊन महिमा तेह मोला देय हवस, ओही महिमा ला ये सलाह देय रिहिस कि बने होतिस यदि एक आदमी ह जम्मो मैंह ओमन ला देय हवंव, ताकि ओमन एक हो जावय, जइसने हमन मनखेमन खातिर मरय। 15 सिमोन पतरस अऊ एक आने चेला यीसू एक हवन। 23 मैंह ओमन म अऊ तेह मोर म, कि ओमन पूरा एक के पाळू-पाळू गीन। काबराकि ये चेला ह महा पुरोहित के पहिचान के हो जावय, ताकि संसार ह जानय कि तेह मोला पठोय हवस अऊ रिहिस, एकरसेति ओह घलो महा पुरोहित के अंगना म जाय सकिस, जइसने तेह मोर ले मया करे हवस, वइसने ओमन ले घलो मया जिहां यीसू ला लेय गे रिहिन। 16 पर पतरस ह बाहिर कपाट करा करय। 24 “हे ददा मैंह चाहथंव कि जऊन मन ला तेह मोला देय ठाडे रहय। तब ओ आने चेला जऊन ह महा पुरोहित के पहिचान हवस, ओमन मोर संग उहां रहय, जिहां मैंह हवंव अऊ ओमन मोर के रिहिस, बाहिर आईस अऊ दुवारपालिन छोकरी ला कहिके ओ महिमा ला देखय, जऊन ला तेह मोला देय हवस, काबराकि पतरस ला भीतर ले गीस। 17 ओ दुवारपालिन छोकरी ह पतरस तेह संसार के रचे के पहिली मोर ले मया करय।” 25 “हे धरमी ले पुछिस, “का तेह घलो त ये मनखे के चेलामन ले एक झन नो ददा, संसार ह तोला नइ जानय, पर मैंह तोला जानथंव, अऊ ओमन हस?” ओह कहिस, “मैंह नो हंव।” 18 जाड के मारे सेवक अऊ जानथंव कि तेह मोला पठोय हवस। 26 मैंह ओमन ला तोर बारे म अधिकारीमन कोइला ला जलाय रहय अऊ ओकर चारों खंट ठाड बताय हवंव अऊ बतावत रहिह, ताकि तोर ओ मया जऊन ह मोर बर होके आगी तापत रहंय। पतरस ह घलो ओमन के संग उहां ठाड हवय, ओमन म घलो रहय अऊ मैंह खुद ओमन म रहंव।”

**18** ये पारथाना करे के बाद, यीसू ह अपन चेलामन संग किदरोन घाटी के ओ पार गीस। उहां एक जैतून के बारी रहय, जिहां ओ अऊ ओकर चेलामन गीन। 2 यहदा जऊन ह यीसू ला धोखा दीस, आो ठऊर ला जानत रिहिस, काबराकि यीसू ह हमेसा अपन चेलामन संग उहां जरय। 3 तब यहदा ह कुछू सैनिक अऊ मुखिया पुरोहित अऊ फरीसीमन के कुछू अधिकारीमन ला लेके उहां आईस। ओमन मसाल, कंडिल अऊ हथियार धेरे रहंय। 4 यीसू ह ओ जम्मो बात ला जानत रिहिस, जऊन ह ओकर संग होवइया रहय; एकरसेति ओह निकलिस अऊ ओमन ले पुछिस, “तुमन कोन ला खोजत हव?” 5 ओमन जबाब दीन, “नासरत के यीसू ला!” यीसू ह कहिस, “ओह मैं अंव!” (अऊ दगाबाज यहदा ह उहां ओमन संग ठाडे रहय।) 6 जब यीसू ह ओमन ला ये कहिस, “ओह मैं अंव,” त ओमन पाढू धुचिन अऊ भुजियां म गिर पड़िन। 7 यीसू ह ओमन ले फेर पुछिस, “तुमन कोन ला खोजत हव?” ओमन कहिन, “नासरत के यीसू ला!” 8 यीसू ह जबाब दीस, “मैंह तुमन ला कह चुके हवंव कि ओह मैं अंव। यदि तुमन मोला खोजत हव, त ये मनखेमन ला जावन दव।” 9 ये बात एकरसेति होईस, ताकि यीसू के कहे ये बचन ह पूरा होवय, “जऊन मन ला तेह मोला देय रहय, ओमा ले मैंह एको झान ला घलो नइ गंवाय।” 10 तब सिमोन पतरस जेकर करा एक ठन तलवार रहय, ओह ओला खीचके निकालिस

होके आगी तापत रहय। 19 इही बीच म महा पुरोहित ह यीसू ले ओकर चेलामन अऊ ओकर उपदेस के बारे म पुछताछ करिस। 20 यीसू ह जबाब दीस, “मैंह संसार के मनखेमन ले खुलेआम बात करे हवंव। मैंह यहदीमन के सभा-घर अऊ मदिर के अंगना म, जिहां जम्मो यहदीमन जूथे, हमेसा उपदेस देय हवंव। मैंह गुपत म कुछू नइ कहेंव। 21 तेह मोर ले काबर पुछताछ करथस? ओमन ले पुछ जऊन मन मोर बात ला सुने हवय। ओमन जानत हवंव कि मैंह का कहे हवंव।” 22 जब यीसू ह ये कहिस, त ओकर लकठा म ठाडे एक अधिकारी ह यीसू ला एक थपरा मारिस अऊ कहिस, “महा पुरोहित ला का तेह अइसने जबाब देथस।” 23 यीसू ह ओला जबाब दीस, “यदि मैंह कुछू गलत बात कहे हवंव, त ओला बाता। पर यदि मैंह सच बात कहे हवंव, त तेह मोला काबर मारथस?” 24 तब हन्ना ह यीसू ला वइसेचे बंधे-बंधाय महा पुरोहित काइफा करा पठो दीस। 25 सिमोन पतरस ह उहां अंगना म ठाडे आगी तापत रहय, तब मनखेमन ओकर ले पुछिन, “का तेह घलो ओकर चेलामन ले एक झन अस?” ओह इनकार करके कहिस, “मैंह नो हंव।” 26 महा पुरोहित के एक सेवक जऊन ह ओ मनखे के रिस्टेदार रिहिस, जेकर कान ला पतरस काट दे रिहिस, पतरस ले पुछिस, “का मैंह तोला ओकर संग जैतून के बारी म नइ देखे रहेव?” 27 पतरस ह फेर इनकार करिस अऊ तुरते कुकरा ह बासिस। 28 तब यहदी अगुवामन यीसू ला काइफा करा ले गोमी राजपाल के महल म ले

गीन अऊ ओह बड़े चिह्नियां के बेरा रिहिस। यहदीमन खुद महल जब मुखिया पुरोहित अऊ अधिकारीमन यीसू ला देखिन, त ओमन के भीतर नइं गीन ताकि ओमन असुध झन होवय अऊ फसह के चिचियाके कहिन, “येला कुस्स ऊपर चघावव। येला कुस्स ऊपर भोज खा सकय।” 29 एकरसेती पीलातुस ह बाहिर ओमन करा आईस चघावव।” पर पीलातुस ह जबाब दीस, “तुमन येला ले जावव अऊ अऊ पुछिस, “ये मनखे के ऊपर तुमन का दोस लगाथव?” 30 कुस्स ऊपर चघावव। काबरकि मैंह येमा कुछ दोस नइं पायेव।” 7 ओमन जबाब दीन, “यदि ये मनखे ह अपराधी नइं होतिस, त येला यहदी अगुवामन जोर देके कहिन, “हमर एक ठन कानून हवय हमन तोर हांथ म नइं सञ्चयेन।” 31 पीलातुस ह ओमन ला कहिस, अऊ ओो कानून के मुताबिक एकर मरना जस्ती ए, काबरकि येह “तुमन येला ले जावव अऊ अपन खुद के कानून के मुताबिक अपनआप ला परमेसर के बेटा कहिये।” 8 जब पीलातुस ह ये बात ओकर नियाय करव।” यहदीमन ओला कहिन, “हमन करा कोनो ला सुनिस, त ओह अब्बड डरा गीस, 9 अऊ ओह वापिस महल ला मिरत-दंड देय के अधिकार नइं ए।” 32 येह एकरसेती होईस भीतर जाके यीसू ले पुछिस, “तेह कहां के अस?” पर यीसू ह ओला ताकि यीसू के ओ बचन ह पूरा होवय, जऊन ला यीसू ह इसारा म कोनो जबाब नइं दीस। 10 तब पीलातुस ह कहिस, “का तेह मोर ले कहे रिहिस कि ओकर मिरतू कइसने होही।” 33 तब पीलातुस फेर बात नइं करस? का तेह नइं जानिस कि मोर करा तोला छोड़ देय के महल भीतर गीस अऊ यीसू ला बलाके ओकर ले पुछिस, “का तेह या फेर तोला कुस्स ऊपर चघाय के अधिकार हवय?” 11 यीसू ह यहदीमन के राजा अस?” 34 यीसू ह जबाब देके कहिस, “का तेह जबाब दीस, “यदि तोला ऊपर ले अधिकार नइं दिये जातिस, त मोर ये बात अपन कोति ले कहथस कि आने मन तोला ये बात मोर बारे म ऊपर तोर कुछ अधिकार नइं होतिस। एकरसेती जऊन ह मोला तोर कहे हवय?” 35 पीलातुस ह जबाब दीस, “का तेह सोचथस कि मैंह हांथ म सञ्चये हवय, ओह बड़े पाप के दोसीदार ए।” 12 एकर एक यहदी अंव? तोर खुद के मनखे अऊ मुखिया पुरोहितमन तोला बाद पीलातुस ह यीसू ला छोड़ देय के कोसिस करिस, पर यहदी मोर हांथ म सञ्चये हवय। तेह का करे हस?” 36 यीसू ह कहिस, अगुवामन बार-बार चिचियाके कहिन, “यदि तेह ये मनखे ला छोड़ “मोर राज ह ये संसार के नो हय। यदि मोर राज ह ये संसार के देबे, त तेह महाराजा के संगवारी नो हस। जऊन ह अपनआप ला होतिस, त मोर सेवकमन लडतिन अऊ मैंह यहदी अगुवामन के राजा कहिये, ओह महाराजा के बिरोधी होये।” 13 जब पीलातुस ह हांथ म नइं सञ्चये जातेवं, पर मोर राज ह इहां के नो हय।” 37 ये बात ला सुनिस, त ओह यीसू ला बाहिर लानिस अऊ नियाय पीलातुस ह यीसू ला कहिस, “त का तेह एक राजा अस?” यीसू ह आसन म बईठिस, जऊन ह पथरा के चंउरा नांव के जगह म रहय जबाब दीस, “तेह सही कहथस कि मैंह एक राजा अंव। मैंह ये अऊ ओ चंउरा ला इबरानी भासा म गब्बता कहे जावय। 14 येह खातिर जनम लेव अऊ ये खातिर संसार म आयेव कि सत के गवाही फसह तिहार के तियारी के दिन रहय अऊ दिन के करीब बारह देवंव। जऊन ह सत के तरफ हवय, ओह मोर बात ला सुनथे।” 38 बजे के समय रहय। पीलातुस ह यहदीमन ला कहिस, “देखव, पीलातुस ह ओकर ले पुछिस, “का ह सत ए?” ये कहिके पीलातुस एही अय तुम्हर राजा।” 15 पर ओमन चिचियाके कहिन, “येला ह बाहिर यहदीमन करा फेर गीस अऊ ओमन ला कहिस, “मैंह ले जावव। येला कुस्स ऊपर चघाय जावय।” ओमा कोनो दोस नइं पायेव। 39 पर येह तुम्हर रिवाज ए कि फसह पीलातुस ह ओमन ले पुछिस, “का मैंह तुम्हर राजा ला कुस्स ऊपर के तिहार के बेरा म मैंह तुम्हर खातिर एक कैदी ला छोड़ देवंव। का चघा देवंव?” मुखिया पुरोहितमन जबाब दीन, “महाराजा के छोड तुमन चाहथव कि मैंह यहदीमन के राजा ला छोड़ देवंव?” 40 हमर अऊ कोनो राजा नइं ए।” 16 आधिर म पीलातुस ह यीसू ला ओमन फेर चिचियाके कहिन, “नइं, ये मनखे ला नइं, पर हमर बर कुस्स ऊपर चघाय बर ओमन के हांथ म सञ्चय दीस। 17 तब ओमन बरबा ला छोड़ दे।” अऊ बरबा ह एक डाक् रिहिस।

## 19 तब पीलातुस ह यीसू ला लेके ओला कोरा म पीटवाईस।

2 सैनिकमन गुंथके कांटा के एक मुकुट बनाईन अऊ ओला यीसू के मुड ऊपर रखिन अऊ ओमन यीसू ला बैंगनी कपडा पहिराईन, 3 अऊ ओमन ओकर मेर बार-बार आके कहिन, “हे यहदीमन के राजा, जोहार लाई।” अऊ ओमन यीसू के मुड म थपरा मारिन। 4 पीलातुस ह फेर महल ले बाहिर आईस अऊ उहां जोर यहदीमन ला कहिस, “देखव, मैंह ओला तुम्हर करा बाहिर लानत हंव ताकि तुमन जान लेव कि मैंह ओमा कुछ दोस नइं पायेव।” 5 जब यीसू ह कांटा के मुकुट अऊ बैंगनी कपडा पहिर बाहिर आईस, त पीलातुस ह ओमन ला कहिस, “देखव, येह ओ मनखे ए।” 6

यीसू ला ले गीन अऊ ओपन कुस्स ला बोहके बाहिर निकलिस अऊ ओ ठऊर म गीस, जऊन ला खोपडी के ठऊर कहे जावय अऊ इबरानी भासा म येला गुलगुता घलो कहे जाथे। 18 उहां ओमन यीसू ला कुस्स ऊपर चघा दीन, अऊ ओकर सग अऊ द झन ला घलो कुस्स ऊपर चघाइन, एक झन ला ओकर जेवनी कोति अऊ द्सूर झन ला ओकर डेरी कोति, अऊ यीसू ला मांझा म। 19 पीलातुस ह एक सूचना लिखके कुस्स ऊपर टंगवा दे रहय, जेमा ये लिखाय रहय, नासरत के यीसू, यहदीमन के राजा। 20 बहुते यहदीमन ये सूचना ला पढिन, काबरकि जऊन ठऊर म यीसू ला कुस्स ऊपर चघाय गे रिहिस, ओह सहर के लकठा म रहय अऊ ओ सूचना ह इबरानी, लतीनी अऊ यूनानी भासा म लिखाय रहय। 21 तब

यहदीमन के मुखिया पुरोहितमन पीलातुस ला कहिन, “यहदीमन के जेला ओमन छेदे-बेधे हवंय।” 38 एकर बाद अरमतिया सहर के राजा झन लिख, पर ये लिख कि ये मरवे ह कहिस, ‘‘मैं यहदीमन यूसुफ जऊन ह यीसू के चेला रिहिस, पर औह ये बात ला यहदी के राजा अंव।’’ 22 पीलातुस ह जबाब दीस, ‘‘मैंह जऊन लिख अगुवामन के डर के मोर छपाके रखे रहय। ओह पीलातुस ले बिनती देव, त लिख देव।’’ 23 जब सैनिकमन यीसू ला कुस्स ऊपर चघा करिस, ‘‘का मैंह यीसू के लास ला ले जावंव?’’ पीलातुस ह ओकर लीन, त ओमन ओकर कपडामन ला लेके चार बांटा करिन अऊ हर बिनती ला मान लीस। तब यूसुफ ह आईस अऊ यीसू के लास ला ले एक ह एक बांटा लीस। ओमन ओकर कुरता ला घले लीन, पर ओ गीस। 39 निकुदेमुस जऊन ह पहिली यीसू करा एक बार रथिया कुरता ह सिये नंडे गे रहय। येह ऊपर ले तरी तक एक ठन करके बुने आय रिहिस, करीब तैतीस किलो गंधरस अऊ एलवा के मिले गे रहय। 24 एकरसेति ओमन एक-दूसर ला कहिन, ‘‘येला हमन नंड मसाला लीस अऊ ओह घलो यूसुफ के संग गीस। 40 ओमन यीसू चीरन, पर एकर बर चिशी निकालबो अऊ देखो कि येह कोन ला के लास ला लीन अऊ यहदीमन के दफनाय के रीति के मुताबिक मिलही।’’ येह एकरसेति होईस ताकि परमेसर के बचन म लिखे बात लास म ओ मसाला के लेप ला लगाईन अऊ ओला मलमल के ह पूरा होवय, ‘‘ओमन मोर ओनहा ला अपन म बांट लीन अऊ मोर कपडा म लपेटा। 41 जऊन जगह म यीसू ला कुस्स ऊपर चघाय कुरता बर चिशी निकालिन।’’ एकरसेति सैनिकमन इसने करिन। गे रिहिस, उहां एक ठन बारी रिहिस अऊ ओ बारी म एक ठन 25 यीसू के कुस्स के लकठा म ओकर दाई, अऊ ओकर दाई के नवां कबर रिहिस, जऊन म कभू कोनो ला नंड रखे गे रिहिस। 42 बहिनी, क्लोपास के घरवाली मरियम, अऊ मरियम मगदलिनी ठाढ़े काबरकि ओह यहदीमन के तियारी के दिन रहय अऊ ओ कबर ह रिहिन। 26 जब यीसू ह अपन दाई अऊ ओ चेला ला जेकर ले ओह लकठा म रहय; एकरसेति ओमन यीसू के लास ला उहां रखिन।

मया करय, तीर म ठाढ़े देखिस, त ओह अपन दाई ला कहिस, ‘‘हे नारी, येह तोर बेटा ए।’’ 27 अऊ ओ चेला ले कहिस, ‘‘येह तोर दाई ए।’’ ओही बखत ले ओ चेला ह यीसू के दाई ला अपन घर ले गीस। 28 एकर बाद, यीसू ह ये जानके कि अब जम्मो बात पूरा हो चुके हवय, परमेसर के बचन ला पूरा करे बर कहिस, ‘‘मैंह पीयासन हंव।’’ 29 उहां सिरका ले भेरे एक ठन बरतन रखे रहय। ओमन पनसोखवा रबर ला एक ठन जूफा के डंडी म रखके यीसू के मुहं ले लगाईन। 30 जब यीसू ह ओ सिरका ला ले लीस, त कहिस, ‘‘पूरा होईस।’’ अऊ ओह मुड ला नवाके अपन परान तियां दीस। 31 ओह तियारी के दिन रिहिस, अऊ ओकर दूसर दिन बिसेस बिसराम के दिन रिहिस। यहदी अगुवामन नंड चाहत रिहिन कि ओमन के देहेमन बिसराम के दिन कुस्स म टंगे रहयं, एकरसेति ओमन पीलातुस ले बिनती करिन कि कुस्स म चघाय मनखेमन के गोड ला टोर दिये जावय अऊ ओमन के देहें ला कुस्स ले उतार दिये जावय। 32 एकरसेति सैनिकमन आईन अऊ ओमन पहिली मनखे के गोड ला टोरिन, अऊ तब दूसर मनखे के, जऊन मन कि यीसू संग कुस्स ऊपर चघाय गे रिहिन। 33 पर जब ओमन यीसू करा आईन अऊ देखिन कि ओह मर गे हवय, त ओमन ओकर गोड ला नंड टोरिन। 34 पर एक सैनिक ह यीसू के पंजरा ला बरछी म बेथिस अऊ तुरते ओमा ले लह अऊ पानी निकलिस। 35 जऊन मनखे ह येला देखिस ओह गवाही दे हवय अऊ ओकर गवाही ह सच ए। ओह जानथे कि ओह सच कहत हवय, अऊ ओह गवाही देथे ताकि तुमन घलो बिसवास करव। 36 ये बात एकरसेति होईस ताकि परमेसर के ये बचन ह पूरा होवय: ‘‘ओकर एको ठन हाडा टोरे नंड जाही।’’ 37 अऊ परमेसर के बचन म फेर आने जगह ये लिखे हवय, ‘‘ओमन ओला देखहीं, यहां तेंह काबर रोवत हवस?’’ ओह कहिस, ‘‘ओमन मोर परभू ला ले गे हवय, अऊ मैंह नंड जानव कि ओमन ओला कहां रखे हवय।’’ 14 ये कहिके, ओह पाछु मुडिस अऊ यीसू ला उहां ठाढ़े

**20** हमा के पहिली दिन बडे बिहनियां, जब अंधियार रहय, मरियम मगदलिनी कबर करा आईस अऊ देखिस कि पथरा ह कबर के मुंहाटी ले हट गे हवय। 2 तब ओह दऊड़त सिमोन पतरस अऊ ओ आने चेला करा गीस, जेकर ले यीसू मया रखय, अऊ ओमन ला कहिस, ‘‘ओमन परभू ला कबर ले निकालके ले गे हवय अऊ हमन नंड जानन कि ओमन ओला कहां रखे हवय।’’ 3 तब पतरस अऊ ओ आने चेला घर ले निकलिन अऊ कबर कोति गीन। 4 ओ दूरों दऊड़त गीन, पर ओ आने चेला ह तेज दऊड़के पतरस ले आधू निकल गीस अऊ कबर करा पहिली हबरिस। 5 निहरके ओह कबर म देखिस, त मलमल के कपडा ह उहां माढे रहय, पर ओह कबर के भीतर नंड गीस। 6 तब ओकर पाछु सिमोन पतरस ह आईस अऊ कबर के भीतर गीस। ओह देखिस कि मलमल के कपडा ह उहां माढे रहय। 7 ओह ये घले देखिस कि ओ गमछा जऊन ला यीसू के मुड म लपेटे गे रिहिस, मलमल के कपडा ले अलग मोडाके माढे रहय। 8 तब ओ आने चेला घलो जऊन ह कबर करा पहिली हबरे रिहिस, भीतर गीस अऊ देखके बिसवास करिस। 9 ओमन अभी तक ले परमेसर के बचन ले नंड समझे रिहिन कि यीसू ह मरे म ले जस्त जी उठही। 10 तब चेलामन वापिस अपन-अपन घर चल दीन। 11 पर मरियम ह रोवत कबर के बाहिर ठाढ़े रिहिस। रोवत-रोवत ओह कबर के भीतर ला देखे बर झुकिस, 12 अऊ ओह देखिस कि दू झन स्वरगदूत सफेद कपडा पहिरे उहां बझौर हंव, जिहां यीसू के देहें रखाय रिहिस; एक झन मुड कोति बझौर हय अऊ दूसर झन गोड कोति। 13 स्वरगदूतमन ओकर ले पुछिन, ‘‘हे नारी, तेंह काबर रोवत हवस?’’ ओह कहिस, ‘‘ओमन मोर परभू ला ले गे हवय, अऊ मैंह नंड जानव कि ओमन ओला कहां रखे हवय।’’ 14 ये कहिके, ओह पाछु मुडिस अऊ यीसू ला उहां ठाढ़े

देखिस, पर ओह नइ चिन्हिस कि येह यीसू अय। 15 यीसू ह ओला एकरसेति लिखे गे हवय कि तुमन बिसवास करव कि यीसू ह मसीह कहिस, “हे नारी, तेह काबर रोवत हवस? तेह कोन ला खोजत अऊ परमेसर के बेटा अय, अऊ ये बिसवास करे के दुवारा तुमन हवस?” ओह यीसू ला माली समझके कहिस, “हे महाराज, कहं तेह ओकर नांव म जिनारी पावय।

ओला ले गे हवस, त मोला बता कि तेह ओला कहां रखे हवस। मैंह ओला ले जाहं।” 16 यीसू ह ओला कहिस, “मरियम!“ मरियम ह यीसू कोति मुडिस, अऊ चिचियाके इबरानी म कहिस, “रब्बनी!” (जेकर मतलब होथे “गुर्जी”)। 17 यीसू ह ओला कहिस, “मोला इन छू, काबरकि मैंह अभी तक ले ददा करा ऊपर नइ गे हांव। पर मोर भाईमन करा जा अऊ ओमन ला बता कि मैंह ओकर करा ऊपर जावत हंव, जऊन ह मोर ददा अऊ तुम्हर ददा, मोर परमेसर अऊ तुम्हर परमेसर ए।” 18 मरियम मगादिली चेलामन करा जाके कहिस, “मैंह परभू ला देखे हवंव, अऊ ओह मोर ले ये बात कहे हवय।” 19 ओहीच दिन जऊन ह हमा के पहिली दिन रिहिस, संझा के बेरा, जब चेलामन एक जग्ह म जूरे रहय अऊ कपाटमन भीतर ले यहदी अगुवामन के डर के मारे बंद रहयं, तब यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ होके ओमन ला कहिस, “तुमन ला सांति मिलय।” 20 ये कहे के बाद यीसू ह अपन हांथ अऊ अपन पंजरा ओमन ला देखाईस। तब चेलामन परभू ला देखके बहुत खुस होईन। 21 यीसू ह ओमन ला फेर कहिस, “तुमन ला सांति मिलय। जइसने ददा ह मोला पठोय हवय, वइसने मैंह तुमन ला पठोवत हवंव।” 22 ये कहिके, ओह ओमन ऊपर फूंकिस अऊ कहिस, “पबित्र आतमा ला गरहन करव। 23 यदि तुमन काकरो पाप छेमा करह, त ओ पाप छेमा हो जाही, यदि तुमन ओमन के पाप छेमा नइ करह, त ओमन छेमा नइ होवंय।” 24 जब यीसू ह आईस, त ओ बखत बारहों चेलामन ले एक इन थोमा ह (जऊन ला दिदुमुस घलो कहे जावय) ओमन संग नइ रिहिस। 25 जब आने चेलामन ओला कहिस, “हमन परभू ला देखे हवन।” त ओह ओमन ला कहिस, “जब तक मैंह ओकर हांथमन म खीला के चिनहामन ला नइ देख लहू अऊ जिहां खीलामन रिहिस, उहां अपन अंगीरी नइ डार लहू अऊ ओकर पंजरा म अपन हांथ नइ डार लहू, तब तक मैंह बिसवास नइ करव।” 26 एक हमा के बाद यीसू के चेलामन फेर घर म रिहिस अऊ थोमा ह ओमन के संग म रिहिस। कपाटमन भीतर ले बंद रहयं, तब फेर यीसू ह आईस अऊ ओमन के बीच म ठाढ होके कहिस, “तुमन ला सांति मिलय।” 27 तब ओह थोमा ला कहिस, “तोर अंगीरी ला इहा रख अऊ मोर हांथमन ला देख। अपन हांथ ला लानके मोर पंजरा म रख अऊ अबिसवासी नइ, पर बिसवासी बन।” 28 ये सुके थोमा ह ओला कहिस, “हे मोर परभू, हे मोर परमेसर!” 29 तब यीसू ह कहिस, “तेह मोला देखे के बाद बिसवास करय; पर धइन अंय ओमन, जऊन मन मोला बिगर देखे बिसवास करथें।” 30 यीसू ह कतको आने अचरज के चिनहां अपन चेलामन के आध म देखाईस, जऊन मन ये किताब म नइ लिखे गे हवय। 31 पर येमन

**21** एकर बाद यीसू ह अपन चेलामन ला तिबिरियास झील के तीर म दरसन दीस अऊ ओह ये किसम ले दरसन दीस: 2 सिमोन पतरस, थोमा (जऊन ला दिदुमुस कहे जाथे), नतनएल जऊन ह गलील प्रदेस के काना सहर के रिहिस, जबटी के बेटामन अऊ दू इन आने चेलामन जेरे रिहिन। 3 सिमोन पतरस ह ओमन ला कहिस, “मैंह मछरी मारे बर जावत हंव,” त ओमन कहिन, “हमन घलो तोर संग जाओ।” तब ओमन जाके डोंगा म चविन, पर ओरथिया ओमन एको ठन मछरी नइ पाईन। 4 बडे बिहनियां, यीसू ह आके झील के तीर म ठाढ हो गीस, पर चेलामन पहिली नइ चिन्हिन कि ओह यीसू अय। 5 तब यीसू ह ओमन ला कहिस, “ए संगवारी हो, का तुम्हर करा कोनो मछरी हवय?” ओमन जबाब दीन, “नइ।” 6 ओह ओमन ला कहिस, “डोंगा के जेवनी कोति अपन जाल ला डारव, त तुमन ला मिलही।” जब ओमन जाल ला डारिन, त जाल म अतेक मछरी फंस गीन कि ओमन जाल ला खीच नइ सकिन। 7 तब ओ चेला जेकर ले यीसू मया करय, पतरस ला कहिस, “येह तो परभू अय।” जब सिमोन पतरस सुनिस कि येह परभू अय, त ओह अपन कपडा ला अपन किनां म लपेटिस (काबरकि ओह कुछ नइ पहिरे रिहिस) अऊ झील म कूद पडिस। 8 पर आने चेलामन मछरी ले भेर जाल ला खीचत डोंगा म आईन। ओमन पानी के तीर ले जादा दूरिहा म नइ रिहिन। तीर ह करीब एक सौ मीटर दूरिहा रहय। 9 जब ओमन भुइयां म उतरिन, त देखिन कि उहां कोइला के आगी बरत रहय अऊ ओमा के कुछ लानव।” 11 सिमोन पतरस ह डोंगा ऊपर चविस अऊ मछरी ले भेर जाल ला पानी के तीर म खीचके लानिस; जाल म 153 बडे मछरी रहय, पर अतकी जादा मछरी होय के बावजूद जाल ह नइ चीराईस। 12 यीसू ह ओमन ला कहिस, “आवव अकु नास्ता करव।” कोनो चेला ला हिम्मत नइ होईस कि ओकर ले ये पुछय कि तेह कोन अस? काबरकि ओमन जानत रिहिन कि येह परभू अय। 13 यीसू ह आईस अऊ रोटी ला लेके ओमन ला दीस, अऊ ओह मछरी ला घलो अइसनेच करिस। 14 येह तीसरा बार रिहिस, जब यीसू ह मेर म ले जी उठे के बाद अपन चेलामन ला दरसन दीस। 15 जब ओमन खा डारिन, त यीसू ह सिमोन पतरस ला कहिस, “हे सिमोन, यहन्ना के बेटा! का तेह येमन ले बढ़के मोला मया करथस?” ओह कहिस, “हव परभू, तेह त जानथस कि मैंह तोर ले मया करथंव।” यीसू ह कहिस, “मोर मेडा-पीलामन ला चरा।” 16 यीसू ह ओला फेर कहिस, “हे सिमोन, यहन्ना के बेटा! का तेह मोला मया करथस?”

ओह जबाब दीस, “हव परभू, तेह जानथस कि मैंह तोर ले मया करथंव।” यीसू ह कहिस, “मोर भेडमन के रखवारी कर।” 17 यीसू ह तीसरा बार ओला कहिस, “हे सिमोन, यहन्ना के बेटा! का तेह मोला मया करथस?” पतरस ह उदास हो गीस काबरकि यीसू ह तीसरा बार ओकर ले पुछिस, “का तेह मोला मया करथस?” पतरस ह कहिस, “हे परभू, तेह तो जम्मो बात ला जानथस, तेह जानथस कि मैंह तोला मया करथंव।” यीसू ह कहिस, “मोर भेडमन ला चरा। 18 मैंह तोला सच कहथंव कि जब तेह जवान रहय, त खुद कपड़ा पहिरके जिहां चाहय, उहां चल देवत रहय; पर जब तेह डोकरा हो जाबे, तब तेह अपन हांथ ला लमाबे, अऊ कोनो आने मनखे तोला कपड़ा पहिराही, अऊ जिहां तेह जाय बर नइ चाहबे, उहां ओह तोला ले जाही।” 19 ये कहे के दुवारा यीसू ह इसारा कर दीस कि पतरस ह कोन किसम के मिरू ले परमेसर के महिमा करही। तब यीसू ह ओला कहिस, “मोर पाढ़ हो ले!” 20 पतरस ह मुडके देखिस कि ओ चेला ह ओमन के पाढ़-पाढ़ आवत रहय, जेकर ले यीसू मया करय, अऊ येह ओही चेला रिहिस, जऊन ह खाना खाय के बखत यीसू कोति छाती के भार झुकके पुछे रिहिस, “हे परभू, ओह कोन ए, जऊन ह तोला दाना दीही?” 21 जब पतरस ह ओला देखिस, त ओह यीसू ले पुछिस, “हे परभू, एकर का होही?” 22 यीसू ह जबाब दीस, “यदि मैं चाहंव, त ओह मोर लहूटके आवत तक जीयत रहिही, एकर ले तोला का? तेह मोर पाढ़ हो ले।” 23 एकरसेति भाईमन के बीच म ये अफवाह फईल गीस कि ये चेला ह नइ मरही। पर यीसू ह ये नइ कहे रिहिस कि ओह नइ मरही; ओह सिरिप ये कहिस, “यदि मैं चाहंव, त ओह मोर लहूटके आवत तक जीयत रहिही, एकर ले तोला का?” 24 येह ओही चेला अय, जऊन ह ये बातमन के गवाही देवत हवय अऊ जऊन ह ये बातमन ला लिखे हवय, अऊ हमन जानत हवन कि ओकर गवाही ह सच ए। 25 यीसू ह आने अऊ कतको काम करिस, यदि ओमा के हर एक बात ला लिखे जातिस, त मैंह सोनथंव कि जऊन किताबमन लिखे जातिन, ओमन ला रखे बर जम्मो संसार म जगह नइ होतिस।





अऊ मैंह पबितर सहर नवां यस्सलेम ला परमेसर के इहां ले स्वरग ले उतरत देखेंव। ओह अपन घरवाला खातिर दुलहिन के सही सुधर  
सजे रहय। अऊ मैंह सिंघासन ले ऊंचहा अवाज म, ये कहत सनेव, “देखव! अब परमेसर के निवास मनवेमन के बीच हवय,  
अऊ ओह ओमन के संग रहिही। ओमन ओकर मनखे होही,  
अऊ परमेसर ह खुद ओमन के संग रहिही।”

दरसन 21:2-3

# दरसन

ओकर मुहं ले एक तेज धारदार तलवार निकलत रहय, जेकर दुवारा ओह देस-देस के मनखेमन ला मारही। ओह लोहा के राजदंड ले सुनेव, जऊन ह चिचियाके ये कहत रहय: “हलिल्याह! कोरोध स्पी मंद के कुन्ड ला रँदही।” 16 ओकर कपड़ा अऊ उड़ार, महिमा अऊ सामर्थ हमर परमेसर के अय, 2 काबरकि ओकर ओकर जांघ म ये नांव लिखाय रहय: राजामन के राजा अऊ परभूमन नियाय सच्चा अऊ सही अय। ओह ओ बडे बेस्या ला दंड दे हवय, के परभू। 17 तब मैंह एक स्वरगदूत ला सूरज ऊपर ठाठे देखेव। जऊन ह अपन छिनारीपन ले धरती के मनखेमन ला खराप करत ओह ऊंचहा अवाज म अकास म उडत जम्मो चिरईमन ला पुकारके रिहिस। परमेसर ह ओकर ले अपन सेवकमन के लह के बदला ले कहिस, “आव! परमेसर के बडे भोज म सामिल हाय बर जूरव, 18 हवय।” 3 ओमन फेर चिचियाके कहिन: “हलिल्याह! ओ बडे ताकि तुमन राजा, सेनापति, सत्तिसाली मनखे, घोडा अऊ ओकर सहर के जरे के धुआं जु-जुग तक उठत रहिथे।” (aiōn g165) 4 सवारमन के मांस, अऊ सुतंतर अऊ गुलाम, छोटे अऊ बडे जम्मो चौबीस अगुवा अऊ चारों जीयत परानीमन माडी के भार गिरिन झन के मांस खा सकव।” 19 तब मैंह देखेव कि ओ पसु अऊ धरती अऊ ओमन सिंधासन ऊपर बिराजे परमेसर के अराधना करिन। के राजामन अपन सेनामन संग, घोडा म बईठे ओ घुडसवार अऊ अऊ ओमन ऊंचहा अवाज म कहिन: “आमीन, हलिल्याह!” ओकर सेना ले लडे बर जूरे रहय। 20 पर ओ पसु ह पकडे गीस अऊ 5 तब सिंधासन ले ये कहत एक अवाज आईस: “तुमन जम्मो ओकर संग ओ लबरा आमजानी घलो पकडे गीस, जऊन ह पसु परमेसर के सेवकमन, का छोटे का बडे तुमन, जऊन मन ओकर के आधू म अचरज के चिनहा देखाके, ओ मनखेमन ला बहकाय भय मानथव, हमर परमेसर के परसंसा करव।” 6 तब मैंह एक धरती के अऊ बादर के बडे गरजन सही रहय; भीड़ ह चिचियाके ये कहत पूजा करे रिहिन। ओ दूनों जीयते-जीयत धधकत गंधक के आगी के बडे भीड़ के अवाज ला सुनेव, जऊन ह पानी के लहरामन सही बांचे मनखेमन घोडा म बईठे घुडसवार के मुहं ले निकले तलवार ले अऊ बादर के बडे गरजन सही रहय; भीड़ ह चिचियाके ये कहत रहय: “हलिल्याह! काबरकि हमर सर्वसत्किमान परभू परमेसर ह राज करत हवय। 7 आव! हमन अनंद अऊ खुसी मनावन, अऊ बांचे मनखेमन घोडा म बईठे घुडसवार के मुहं ले निकले तलवार ले परमेसर के महिमा करन! काबरकि मेढा-पीला के बिहाव के बेरा ह आ गे हवय, अऊ ओकर दुलहिन ह अपनअपा ला तियार कर ले हवय। 8 सुधर, चमकत अऊ साफ मलमल के कपड़ा, ओला पहिरे बर दिये गे हवय।” (सुधर मलमल कपड़ा ह पवित्र मनखेमन के धरमी काम के चिनहा ए।) 9 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, “येला लिख: धइन अंय ओमन, जऊन मन मेढा-पीला के बिहाव भोज के नेवता पाथे।” अऊ स्वरगदूत ह ये घलो कहिस, “येमन परमेसर के सत बचन अंय।” 10 तब मैंह ओकर अराधना करे बर ओकर गोड खाल्हे पिंव। पर ओह मोला कहिस, “अझसने झन कर! मैंह घलो तोर अऊ तोर ओ भाईमन संग एक संगी सेवक अंव, जऊन मन यीसू के गवाही रखये। परमेसर के अराधना कर! काबरकि यीसू के गवाही ह अगमबानी के आतमा ए।” 11 तब मैंह स्वरग ला खुले हए देखेव अऊ उहां एक सफेद घोडा रहय, अऊ जऊन ह ओ घोडा ऊपर सवारी करे रहय, ओला बिसवासयोग्य अऊ सच कहे जाथे। ओह धरमीपन के संग नियाय करथे अऊ लड़ई करथे। 12 ओकर आंचीमन आगी सही धधकत रहय, अऊ ओकर मुह भ कतको मुकुटमन रहय। ओकर देहें म एक नांव लिखाय रहय, जऊन ला ओकर छोड़ अऊ कोनो नइ जानय। 13 ओह लह म डुबोय कपड़ा पहिरे रहय, अऊ ओकर नांव परमेसर के बचन ए। 14 स्वरग के सेनामन सुधर, सफेद अऊ साफ मलमल के कपड़ा पहिरे अऊ सफेद घोडामन म सवार होके ओकर पाछ्य-पाछ्य आवत रहय। 15

ओकर मुहं ले एक तेज धारदार तलवार निकलत रहय, जेकर दुवारा ओह देस-देस के मनखेमन ला मारही। ओह लोहा के राजदंड ले सुनेव, जऊन ह चिचियाके ये कहत रहय: “हलिल्याह! कोरोध स्पी मंद के कुन्ड ला रँदही।” 16 ओकर कपड़ा अऊ उड़ार, महिमा अऊ सामर्थ हमर परमेसर के अय, 2 काबरकि ओकर ओकर जांघ म ये नांव लिखाय रहय: राजामन के राजा अऊ परभूमन नियाय सच्चा अऊ सही अय। ओह ओ बडे बेस्या ला दंड दे हवय, के परभू। 17 तब मैंह एक स्वरगदूत ला सूरज ऊपर ठाठे देखेव। जऊन ह अपन छिनारीपन ले धरती के मनखेमन ला खराप करत ओह ऊंचहा अवाज म अकास म उडत जम्मो चिरईमन ला पुकारके रिहिस। परमेसर ह ओकर ले अपन सेवकमन के लह के बदला ले कहिस, “आव! परमेसर के बडे भोज म सामिल हाय बर जूरव, 18 हवय।” 3 ओमन फेर चिचियाके कहिन: “हलिल्याह! ओ बडे ताकि तुमन राजा, सेनापति, सत्तिसाली मनखे, घोडा अऊ ओकर सहर के जरे के धुआं जु-जुग तक उठत रहिथे।” (aiōn g165) 4 सवारमन के मांस, अऊ सुतंतर अऊ गुलाम, छोटे अऊ बडे जम्मो चौबीस अगुवा अऊ चारों जीयत परानीमन माडी के भार गिरिन झन के मांस खा सकव।” 19 तब मैंह देखेव कि ओ पसु अऊ धरती अऊ ओमन सिंधासन ऊपर बिराजे परमेसर के अराधना करिन। के राजामन अपन सेनामन संग, घोडा म बईठे ओ घुडसवार अऊ अऊ ओमन ऊंचहा अवाज म कहिन: “आमीन, हलिल्याह!” ओकर सेना ले लडे बर जूरे रहय। 20 पर ओ पसु ह पकडे गीस अऊ 5 तब सिंधासन ले ये कहत एक अवाज आईस: “तुमन जम्मो ओकर संग ओ लबरा आमजानी घलो पकडे गीस, जऊन ह पसु परमेसर के सेवकमन, का छोटे का बडे तुमन, जऊन मन ओकर के आधू म अचरज के चिनहा देखाके, ओ मनखेमन ला बहकाय भय मानथव, हमर परमेसर के परसंसा करव।” 6 तब मैंह एक धरती के अऊ बादर के बडे गरजन सही रहय; भीड़ ह चिचियाके ये कहत पूजा करे रिहिन। ओ दूनों जीयते-जीयत धधकत गंधक के आगी के बडे भीड़ के अवाज ला सुनेव, जऊन ह पानी के लहरामन सही बांचे मनखेमन घोडा म बईठे घुडसवार के मुहं ले निकले तलवार ले राज करत हवय। 7 आव! हमन अनंद अऊ खुसी मनावन, अऊ मारे गीन, अऊ जम्मो चिरईमन ओमन के मांस खाके अघा गीन। परमेसर के महिमा करन! काबरकि मेढा-पीला के बिहाव के बेरा ह आ गे हवय, अऊ ओकर दुलहिन ह अपनअपा ला तियार कर ले हवय। 8 सुधर, चमकत अऊ साफ मलमल के कपड़ा, ओला पहिरे बर दिये गे हवय।” (सुधर मलमल कपड़ा ह पवित्र मनखेमन के धरमी काम के चिनहा ए।) 9 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, “येला लिख: धइन अंय ओमन, जऊन मन मेढा-पीला के बिहाव भोज के नेवता पाथे।” अऊ स्वरगदूत ह ये घलो कहिस, “येमन परमेसर के सत बचन अंय।” 10 तब मैंह ओकर अराधना करे बर ओकर गोड खाल्हे पिंव। पर ओह मोला कहिस, “अझसने झन कर! मैंह घलो तोर अऊ तोर ओ भाईमन संग एक संगी सेवक अंव, जऊन मन यीसू के गवाही रखये। परमेसर के अराधना कर! काबरकि यीसू के गवाही ह अगमबानी के आतमा ए।” 11 तब मैंह स्वरग ला खुले हए देखेव अऊ उहां एक सफेद घोडा रहय, अऊ जऊन ह ओ घोडा ऊपर सवारी करे रहय, ओला बिसवासयोग्य अऊ सच कहे जाथे। ओह धरमीपन के संग नियाय करथे अऊ लड़ई करथे। 12 ओकर आंचीमन आगी सही धधकत रहय, अऊ ओकर मुह भ कतको मुकुटमन रहय। ओकर देहें म एक नांव लिखाय रहय, जऊन ला ओकर छोड़ अऊ कोनो नइ जानय। 13 ओह लह म डुबोय कपड़ा पहिरे रहय, अऊ ओकर नांव परमेसर के बचन ए। 14 स्वरग के सेनामन सुधर, सफेद अऊ साफ मलमल के कपड़ा पहिरे अऊ सफेद घोडामन म सवार होके ओकर पाछ्य-पाछ्य आवत रहय। 15

20 तब मैंह एक स्वरगदूत ला स्वरग ले उतरत देखेव। ओह अपन हांथ म अथाह कुन्ड के कुची अऊ एक बडे सांकर धरे रहय। (Abyssos g12) 2 ओह ओ सांप सही पसु याने कि पुराना सांप ला पकडिस, जऊन ह इब्लीस या सैतान ए, अऊ ओला एक हजार साल बर सांकर म बांध दीस। 3 स्वरगदूत ह ओला अथाह कुन्ड म डार दीस अऊ ओमा ताला लगाके ओकर ऊपर मुहर लगा दीस, ताकि ओ पुराना सांप ह एक हजार साल के पूरा होवत तक, देसमन के मरखेमन ला बहकाय झन सकय। ओकर बाद, ये जस्ती अय कि ओला थोरकन समय बर छोडे जावय। (Abyssos g12) 4 तब मैंह सिंधासनमन ला देखेव, जऊन म ओ मनखेमन बईठे रहय, जऊन मन ला नियाय करे के अधिकार देय गे रिहिस। मैंह ओ मनखेमन के आतमामन ला घलो देखेव, जेमन के मुड ला यीसू के गवाही देय के कारन अऊ परमेसर के बचन म बने रहे के कारन काट डारे गे रिहिस। ओमन पसु या ओकर मूरती के अराधना नइ करे रिहिन अऊ ओमन अपन माथा या अपन हांथ म ओकर छाप नइ लेय रिहिन। ओमन जी उठिन अऊ मसीह के संग म एक हजार साल तक राज करिन। 5 बाकि मेरे मनखेमन एक हजार साल के पूरा होवत तक जी नइ उठिन। ये ह मेरे मनखेमन के पहिली जी उठई अय। 6 धइन अऊ पबितर अय ओ मनखेमन, जऊन मन ये पहिली जी उठई म भागीदार होयेह। येमन ऊपर दूसरा मिरतू के कोनो अधिकार नइ रहय। येमन परमेसर अऊ मसीह के पुरोहित होही अऊ ओकर संग एक

हजार साल तक राज करही। 7 जब एक हजार साल पूरा हो जाही, ओला ये जम्मो चीज मिलही, अँऊ मेंह ओकर परमेसर होहं, अँऊ त सैतान ला कैद ले छोड़ दिये जाही 8 अँऊ ओह धरती के जम्मो ओह मोर बेटा होही। 8 पर डरपेक, अबिसवासी, दुस्ट, हतियार, देस के मनखेमन ला बहकाय बर निकलही; ये देसमन याजूज अँऊ छिनारी करइया, जादूटोना करइया, मरती-प्जा करइया अँऊ जम्मो लबरामन ओँ झील म जगह पाही, जऊन ह आगी अँऊ गंधक ले माजूज अंय। सैतान ह ओमन ला लड़ई बर सकेलही। ओमन समुंदर लबरामन ओँ झील म जगह पाही, जऊन ह आगी अँऊ गंधक ले तीर के बालू सहीं अनिगनत होही। 9 ओमन जम्मो धरती ऊपर धधकत हवय। येह दूसरा मिरतू ए।” (Limnē Pyr g3041 g4442) 9 बगर गीन। ओमन पबित्र मनखेमन के डेरा अँऊ परमेसर के मयास तब ओँ सात स्वरगदूमन, जेमन करा सात ठन आखिरी महामारी ले सहर ला घेर लीन, पर स्वरग ले आगी उतरिस अँऊ ओमन ला भेरे सात ठन कटोरा रहंय, ओमा ले एक झन मोर करा आईंस अँऊ भसम कर दीस। 10 तब ओमन ला बहकवडिया सैतान ला आगी कहिस, “आ, मैं तोला दुलहिन याने कि मेढा-पीला के घरवाली ला अँऊ गंधक के कून्ड म डार दिये गीस, जिहां ओ पसु अँऊ लबरा देखाहं।” 10 ओ स्वरगदूत ह आतमा के सामर्थ ले मोला एक बड़े आगमजानी ला डारे गे रिहिस। ओमन सदाकाल तक दिन-रात पीरा अँऊ ऊंच पहाड़ ऊपर ले गीस, अँऊ ओ पबित्र सहर—यस्सलेम भोगही। (aiōn g165, Limnē Pyr g3041 g4442) 11 तब मैंह एक बड़े ला देखाइस, जऊन ह स्वरग ले परमेसर के इहां ले उतरत रहय। 11 सफेद सिंधासन अँऊ ओकर ऊपर बिराजे एक मनखे ला देखेव। ओह परमेसर के महिमा ले चमकत रहय अँऊ ओकर चमक ह धरती अँऊ अकास ओकर आधू ले भाग गीन, अँऊ ओमन बर एक बहुत मंहगा पथरा—मनि सही एकदम साफ रहय। 12 ओकर कोने जगह नइ बांचिस। 12 अँऊ मैंह छोटे-बड़े जम्मो मेरे मनखेमन चारों कोति एक बड़े अँऊ ऊंच दीवार रहय। दीवार म बारह ठन ला सिंधासन के आधू म ठाहे देखेव, अँऊ किताबमन खोले गीन। कपाट रहंय अँऊ ये कपाटमन म बारह झन स्वरगदूत ठाहे रहंय। ये तब एक आने किताब खोले गीस, जऊन ह जिनगी के किताब ए। कपाटमन म इस्सायल के बारह गोत्र के नांव लिखाय रहय—हर किताबमन म लिखाय मरे मनखेमन के काम के मुताबिक ओमन के कपाट म एक नाव। 13 पूरब म तीन, उत्तर म तीन, दक्षिण म तीन नियाय करे गीस। 13 तब समुंदर ह अपन मेरे मनखेमन ला दे दीस। कपाट रहंय अँऊ ये कपाटमन म बारह गोत्र के नांव लिखाय रहय—हर अँऊ पछिम म तीन कपाट रिहिस। 14 सहर के दीवार के बारह ठन नीव के पथरामन रहंय अँऊ ओमन म मेढा-पीला के बारह प्रेरितमन एक के नियाय ओकर काम के मुताबिक करे गीस। (Hades g86) 14 तब मिरतू अँऊ पाताल-लोक अपन मेरे मनखेमन ला दे दीन, अँऊ हर आगी के झील ह दूसरा मिरतू ए। (Hadēs g86, Limnē Pyr g3041 g4442) 15 जेमन के नाव जिनगी के किताब म लिखाय नइ मिलिस, ओमन आगी के झील म डार दिये गीन। (Limnē Pyr g3041 g4442)

## 21 तब मैंह एक नवां अकास अँऊ एक नवां धरती देखेव।

पहिली अकास अँऊ पहिली धरती दूनों लोप हो गे रिहिन, अँऊ कोनो समुंदर घलो नइ रिहिस। 2 अँऊ मैंह पबित्र सहर नवां यस्सलेम ला परमेसर के इहां ले स्वरग ले उतरत देखेव। ओह अपन घरवाला खातिर दुलहिन के सहीं सुधर सजे रहय। 3 अँऊ मैंह सिंधासन ले ऊंचहा अवाज म, ये कहत सुनेव, “देखव! अब परमेसर के निवास मनखेमन के बीच हवय, अँऊ ओह ओमन के संग रहिही। ओमन ओकर मनखे होही, अँऊ परमेसर ह खुद ओमन के संग रहिही। 4 ओह ओमन के आंखी के जम्मो आंसू ला पोँछही। उहां न मिरतू होही, न कोनो सोक मनाही या रोही, अँऊ न ही कोनो ला कोनो किसम के पीरा होही, काबरकि पुराना बातमन खतम हो गे हवय।” 5 जऊन ह सिंधासन म बिराजे रिहिस ओह कहिस, “मैंह हर एक चीज ला नवां बनावत हवंब।” तब ओह कहिस, “येला लिख ले, काबरकि ये बात ह बिसवास लाईक अँऊ सत ए।” 6 ओह मोला कहिस, “येह पूरा होईस। मैंह अलफा अँऊ ओमेगा, आदि अँऊ अन्त अंव। जऊन ह पीयासा हवय, ओला मैंह जिनगी के पानी के सोता म ले मुफत म पीये बर दूँ। 7 जऊन ह जय पाही,

12,000 सटेडिया निकलिस। ओकर लम्बई, चौड़ई अँऊ ऊंचई बरोबर रिहिस। 17 ओह सहर के दीवार ला घलो नापिस। स्वरगदूत ह मनखे के नाप के हिसाब म नापिस, अँऊ सहर के दीवार के ऊंचई ह करीब 65 मीटर निकलिस। 18 सहर के दीवार ह मनि के बने रिहिस अँऊ सहर ह चोखा सोन के बने रिहिस, जऊन ह कांच सही सुध रिहिस। 19 सहर के दीवार के नीव ह जम्मो किसम के कीमती पथरा ले सजे रहय। पहिली नीव ह मनि के रिहिस, दूसरा ह नीलम, तीसरा ह सुलेमानी, चौथा ह पन्ना, 20 पांचवां ह गोमेदक, छठवां ह मानिक्य, सातवां ह पीतमनी, आठवां ह फिरोजा, नौवां ह पुष्पराज, दसवां ह लहसनिये, गियारहवां ह नामीना अँऊ बारहवां ह नीलमनि के बने रिहिस। 21 बारह कपाटमन बारह मोतीमन ले बने रिहिन। एक-एक कपाट ह एक-एक मोती के बने रिहिस। सहर के गली ह आर-पार दिखडिया साफ कांच सहीं चोखा सोन के बने रिहिस। 22 मैंह सहर म कोनो मंदिर नइ देखेव, काबरकि सर्वसन्ति मान परभू परमेसर अँऊ मेढा-पीला एकर मंदिर अंय। 23 अँऊ सहर ला सूरज या चंदा के अंजोर के जस्त नइ रिहिस, काबरकि परमेसर के महिमा ओला अंजोर देवत रिहिस अँऊ मेढा-पीला ओकर दीया रिहिस। 24 संसार

के मनखेमन ओकर अंजोर म रेंगही अऊ संसार के राजामन ओमा आखिरी, आदि अऊ अन्त अंव। 14 “धइन अंय ओमन, जऊन अपन सोभा लानही। 25 ओ सहर के कपाटमन कभू बंद नइ होही, मन अपन ओनहा ला धोथें ताकि ओमन ला जिनारी के स्ख म ले अऊ उहां कभू रात नइ होही। 26 जमो देस के महिमा अऊ आदर फर खाय के अधिकार अऊ कपाट म ले होके सहर के भीतर जाय ओमा लाने जाही। 27 कोनो असुध चीज कभू ओ सहर म घुसेरे नइ के अधिकार मिलय। 15 पर कुकुर, जादू-टोना करइया, छिनारी पाही अऊ न ही ओ मनखे, जऊन ह लज्जा के काम करथे या धोखा करइया, हतियारा, मूरती-पूजा करइया अऊ हर ओ मनखे, जऊन देवइया काम करथे, पर सिरिप ओमन घुसेरे पाही, जेमन के नांव ला लबरा बात अऊ लबरा काम करई बने लगथे, ये जमो के जम्मो मेढा-पीला के जिनारी के किताब म लिखाय हवय।

## 22 तब स्वरगदूत ह मोला जिनारी देवइया पानी के नदी ला

देखाईस, जेकर पानी ह इसफटिक के सही साफ रिहिस। ओ नदी ह परमेसर अऊ मेढा-पीला के सिंघासन ले निकलके 2 सहर के बड़े गती के बीचों-बीच बोहावत रिहिस। नदी के दूरों तीर म जिनारी के स्ख रिहिस, जऊन म एक साल म बारह किसम के फर धरय—याने कि हर एक महिना ओमा फर धरय अऊ ओ स्ख के पान ले देस-देस के मनखेमन ला चांगई मिलत रिहिस। 3 अब ले उहां कोनो किसम के सराप नइ होही। ओ सहर म परमेसर अऊ मेढा-पीला के सिंघासन होही, अऊ ओकर सेवकमन ओकर अराधना करही। 4 ओमन ओकर चेहरा ला देखी अऊ ओकर नांव ह ओमन के माथा म लिखाय होही। 5 उहां अब कभू रात नइ होही। ओमन ला दीया या सूरज के अंजोर के जस्तर नइ पडही, काबरकि परभू परमेसर ह ओमन ला अंजोर दीही, अऊ ओमन सदाकाल तक राज करही। (aiōn g165) 6 तब स्वरगदूत ह मोला कहिस, “ये

बातमन बिसवास के लईक अऊ सच अंय। परभू, परमेसर जऊन ह अगमजानीमन के आतमा ला उभारथे, ओह अपन स्वरगदूत ला अपन सेवकमन करा ओ बातमन ला देखाय बर पठोय हवय, जऊन ह निकट भविस्य म होवइया हवय।” 7 यीसू ह कहिस, “देखव! मेह जलदी आवत हंव। धइन ए ओ, जऊन ह ये किताब म लिखे अगम के बातमन ला मानथे।” 8 मे, यहन्ना ये बातमन ला सुने अऊ देखे हवंव। अऊ जब मैंह येमन ला सुन अऊ देख चुकेव, त जऊन स्वरगदूत ह मोला ये बातमन ला देखाईस, ओकर गोड खाल्हे मैंह ओकर अराधना करे बर गिरेव। 9 पर ओह मोला कहिस, “अइसने झन कर। मैंह घलो तोर सही अऊ तोर भाई अगमजानीमन सही अऊ ओ जम्मो झन जऊन मन ये किताब के बात ला मानथे, ओमन सही एक संगी सेवक अंव। परमेसर के अराधना कर!” 10 अऊ ओह मोला फेर कहिस, “तेह ये किताब के अगम के बातमन ला मुहर लगाके बंद झन कर, काबरकि समय ह लकठा आ गे हवय। 11 जऊन ह अधरम करथे, ओह अधरम करते रहय। जऊन ह दुस्ट मनखे ए, ओह दुस्ट मनखे बने रहय। जऊन ह धरमी ए, ओह भलई करते रहय; अऊ जऊन ह पबितर ए, ओह पबितर बने रहय।” 12 यीसू ह कहिस, “देखव! मैंह जलदी आवत हंव। मैंह अपन ईनाम ला अपन संग लेके आह अऊ हर एक मनखे ला ओकर काम के मुताबिक ईनाम दूहं। 13 मैंह अलफा अऊ ओमेगा, पहिली अऊ

सहर ले बाहिर रहिही। 16 “मैं यीसू ह, अपन स्वरगदूत ला तुम्हर करा पठोय हवंव कि ओह कलीसियमन ला ये बात बातवय। मैंह दाऊद राजा के मूल अऊ बंसज अंव, अऊ मैंह बिहनियां के चमकत तारा अंव।” 17 पबितर आतमा अऊ दुलहिन कहिथै, “आवव!” अऊ जऊन ह सुनथे, ओह कहय, “आवव!” जऊन ह पीयासा हवय, ओह आवय; अऊ जऊन ह चाहथे, ओह जिनारी के पानी ला बिगर कोनो दाम के ले लेवय। 18 मैं यहन्ना ओ जम्मो मनखे ला चेतावत हंव, जऊन मन ये किताब के अगम के बात ला सुनथे: कहं कोनो येमा कुछू जोडही, त परमेसर ह ये किताब म लिखाय महामारीमन ला ओकर ऊपर लानही। 19 अऊ कहं कोनो अगमबानी के ये किताब म ले कुछू बात ला निकालही, त परमेसर ह ये किताब म लिखाय जिनारी के स्ख अऊ पबितर सहर म ले ओकर बांटा ला निकाल दीही। 20 जऊन ह ये बातमन के गवाही देथे, ओह कहिथै, “हव, मैंह जलदी आवत हंव।” आमीन! हे परभू यीसू, आ। 21 परभू यीसू के अनुग्रह परमेसर के मनखेमन ऊपर होवय। आमीन।

# 66 Verses

छत्तीसगढ़ी at [AionianBible.org](http://AionianBible.org)

The Bible is a library of 66 books in the Protestant Canon written by 40 different men over a span of 1,500 years from 1435 BC to 65 AD with one consistent message. From the first page through the last, Jesus. Genesis promised our deliverer is coming, Jesus. Moses said our better prophet is coming, Jesus. Isaiah prophesied our Messiah will be a suffering servant, Jesus. John announced our Anointed One is here, Jesus. Jesus himself testified he is our Lord God, Yahweh. The gospels agree our conqueror of death has risen, Jesus. The Apostles witnessed our victor ascend to his throne in Heaven, Jesus. And Revelation promises Jesus' return for our final judgment. Are you ready? Read the Bible cover to cover at [AionianBible.org](http://AionianBible.org) and answer these questions. How did I get here? Why am I here? How do I determine right or wrong? How can I escape condemnation? What is my destiny? Begin with the primer verses below.

उत्पत्ती 9:8 फेर परमेसर ह नूह अऊ ओकर बेटामन ला कहिस, 9:9 “सुनव, मैं अब तुम्हर संग अऊ तुम्हर पाढ़ तुम्हर होवइया संतानमन संग करार करत हंव; 9:10 अऊ जम्मो जीयत परानी जेमन तुम्हर संग हवंय—चिरई, घेरेल्-पसु अऊ जम्मो जंगली पसु, अऊ धरती ऊपर जम्मो जीयत परानी, जऊन मन तुम्हर संग जहाज ले निकले हवंय, ओमन संग घलो। 9:11 मैं तुम्हर संग अपन ये करार करत हंव: फेर कभू जम्मो परानी जल-परलय ले नास नइ होवेय; फेर कभू धरती ला नास करे बर जल-परलय नइ होवय।” 9:12 फेर परमेसर ह कहिस, “जऊन करार मैंह तुम्हर अऊ जतेक जीयत परानी तुम्हर संग हवंय, ओ सबो के संग करत हंव, येह अवइया तुम्हर जम्मो पीठी बर होही अऊ ओकर ये चिनहां होही: 9:13 मैंह बादर म अपन मेघ-धनुस रखे हवंय, अऊ येह मोर अऊ धरती के बीच म करार के चिनहां होही।

निरगमन 14:13 मूसा ह मनखेमन ला जबाब दीस, “झन डरव। खडे रहव अऊ ओ छुटकारा के काम ला देखव, जेला यहोवा ह आज तुम्हर बर करही। जऊन मिसरीमन ला आज तुमन देखत हव, ओमन ला तुमन फेर कभू नइ देखह। 14:14 यहोवा ह तुम्हर बर लडही; तुमन सिरिप चुपेचाप रहव।”

लैव्य-ब्यवस्था 20:26 तुमन मोर बर पवित्र बने रहव, काबरकि मैं यहोवा ह पवित्र अंव, अऊ मैंह तुमन ला आने देस के मनखेमन ले अलग करे हंव कि तुमन मोर बने रहव।

गनती 6:24 ““यहोवा तुमन ला आसीस देवय अऊ तुम्हर रकछा करय; 6:25 यहोवा ह अपन चेहरा के अंजोर तुम्हर ऊपर चमकाय अऊ अनुग्रह करय; 6:26 यहोवा ह अपन चेहरा तुम्हर कोति करय अऊ तुमन ला सांति देवय।””

ब्यवस्था 18:18 मैंह ओमन बर ओमन के संगी इसरायलीमन के बीच म ले तेर सही एक अगमजानी ला ठाढ करहं, अऊ मैंह अपन बात ओकर मुहूं म डालहं। ओह ओमन ला ओ जम्मो बात बताही, जेकर हुक्म मैंह ओला दहूं। 18:19 मैंह खुद ओ मनखे ला जिम्मेदार ठांकिरहं, जऊन ह मोर ओ बात ला नइ सनही, जेला ओ अगमजानी ह मोर नांव म बताही।

यहोसू 1:7 “एकरसेति तेंह मजबूत अऊ अब्बड साहसी बन। जऊन कानून ला मोर दास मूसा ह तोला दे हवय, ओ जम्मो कानून ला धियान देके मान; ये कानून ले तेंह डेरी या जेवनी झन मुडबे, तब तेंह जिहां कहूं जाबे, ओ हर जगह म तें सफल होवे। 1:8 परमेसर के कानून के ये किताब ला अपन चित ले कभू झन उत्तरन देबे; ये किताब म दिन अऊ रथिया धियान करत रहिबे, ताकि तेंह ये किताब म लिखाय हर बात ला माने म सचेत रह। तब तेंह सम्पन्न अऊ सफल होवे। 1:9 का मैंह तोला हुक्म नइ दे हवंव? मजबूत अऊ साहसी बन। झन डरबे: निरास झन होबे, काबरकि जिहां घलो तेंह जाबे, यहोवा तोर परमेसर ह तोर संग रहिही।”

नियायीमन 2:7 यहोसू के जिनगी भर अऊ जऊन अगुवामन यहोसू के मेरे के बाद जीयत रिहिन अऊ इसरायल बर यहोवा के करे जम्मो बडे-बडे काममन ला देखे रिहिन, ओमन के जिनगी भर, मनखेमन यहोवा के सेवा करिन।

स्त 1:16 पर स्त ह जबाब दीस, “तोला छोडे बर या तोला छोड़के वापिस जाय बर, तेंह मोर ले बिनती झन कर। जिहां तेंह जाबे, उहां मैंह घलो जाहं, अऊ जिहां तेंह रहिबे, उहां मैंह घलो रहिहं। तोर मनखेमन मोर मनखेमन होही, अऊ तोर परमेसर ह मोर परमेसर होही।

**1:17** जिहां तेह मरबे, उहां मैंह घलो मरहं, अऊ उहेच मोला माटी दिये जाही। यदि मिरतू के छोड़ अऊ कोनो कारन ले मैंह तोर ले अलग होथंव, त यहोवा ह मोर संग बहुत कठोर बरताव करय।”

**1 समूल 16:7** पर यहोवा ह समूल ला कहिस, “ओकर रूप अऊ ओकर कद के ऊचई के बारे म झन सोच, काबरकि मैंह ओला अस्वीकार करे हंव। यहोवा ह मनखेमन सहीं नइ देखय। मनखेमन तो बाहिरी स्प ला देखथे, पर यहोवा ह मनखे के मन ला देखथे।”

**2 समूल 7:22** “हे परमपरधान यहोवा, तेह कतेक महान अस! तोर सही अऊ कोनो नइ ए, अऊ तोला छोड़ अऊ कोनो परमेसर नइ ए, जइसे कि हमन अपन कान ले सुने हवन।

**1 राजा 2:3** अऊ जऊन कुछू यहोवा तोर परमेसर चाहये, ओला मान: ओकर ईछा के मुताबिक चल, अऊ जइसने मूसा के कानून म लिखे हवय वइसने ही ओकर रीति-बिधि अऊ हुक्म, ओकर कानून अऊ नियममन ला मान। तेह ये जम्मो ला माने कर, ताकि तोर हर काम अऊ तोला हर जगह म सफलता मिलय।

**2 राजा 22:19** काबरकि तोर मन ह उत्तरदायी होईस अऊ तेह यहोवा के आधू म अपनआप ला नम्र करय, जब तेह ये जगह अऊ इहां के मनखेमन के बिस्थ कहे गय मोर बात ला सुनय—कि ओमन एक सराप बन जाही अऊ ओमन उजड़ जाही—अऊ काबरकि तेह अपन ओनहा ला चीरय अऊ मोर आधू म रोवय, त मैंह घलो तोर बात ला सुनेव, यहोवा ह घोसना करत हे।

**1 इतिहास 29:17** हे मोर परमेसर, मैंह जानत हंव कि तेह मन ला जांचथस अऊ ईमानदारी ले खुस होथस। ये जम्मो चीज मैंह अपन ईछा ले अऊ सही मनसा ले दे हंवव। अऊ अब मैंह अनंद के संग देखे हंव कि तोर मनखे, जऊन मन इहां हवंय, कश्से अपन ईछा ले तोला देय हवंय।

**2 इतिहास 7:14** तब कहूं मोर मनखेमन, जेमन मोर कहाथे, अपनआप ला दीन करके पराथना करही अऊ मोर दरसन के खोजी होही अऊ बुरई के रद्दा ले फिरही, तब मैंह स्वरग ले सुनके, ओमन के पाप ला छेमा करहं अऊ ओमन के देस ला चंगा करहं।

**एजरा 7:10** एजरा ह यहोवा के कानून के अध्ययन करे बर अऊ ओकर अनुसार चले बर, अऊ इसरायल म ओकर बिधि अऊ कानून ला सिखाय बर अपन मन ला लगाय रिहिस।

**नहेमियाह 6:3** एकरसेति मैंह ओमन करा सदैसियामन ले ये खबर पठोय: “मैंह तो भारी काम म लगे हवंव, उहां खाल्हे नइ जा सकंव। काम ह बंद हो जाही, जब मैंह येला छोड़के तुम्हर संग भेट करे बर आहे?”

**एस्तर 4:14** काबरकि यदि तें ये बेरा म चुपेचाप रहिबे, त यहदीमन के मदद अऊ छुटकारा कहीं अऊ जगह ले हो जाही, पर तें अऊ तोर ददा के परिवार ह नास हो जाही। अऊ कोन जाने, सायद इसने कठिन बेरा बर ही तोला ये राजपद मिले हवया।”

**अयूब 19:25** मैंह जानत हंव कि मोला कैद ले छुड़इया ह जीयत हवय, अऊ आखिर म ओह धरती ऊपर ठाढ़ होही।

**भजन-सहिता 23:1** दाऊद के एक भजन। यहोवा ह मोर चरवाहा अय, मोला कुछू घटी नइ होवय। **23:2** ओह मोला हरियर-हरियर चरागन म अराम कराथे, ओह मोला सांत पानी के तीर म ले जाथे, **23:3** ओह मोर जीव ला तरो-ताजा कर देथे। अपन नाव के खातिर ओह मोला धर्मायन के रसता म ले चलये। **23:4** चाहे मैंह घिटके अंधियार के घाटी म ले होके जावंब, तभो ले कोनो अहित होय ले नइ डरंब, काबरकि तेह मोर संग रहिथस; तोर सुटी अऊ तोर लउठी ले मोला अराम मिलथे। **23:5** तेह मोर बईमन के आधू म मोर बर जेवन के मेज सजाथस। तेह मोर मुड़ ला तेल ले अभिसेक करथस; मोर कठोरा ह छलकत हे। **23:6** खचित तोर भलई अऊ मया मोर जिनारी भर मोर संग रहीही, अऊ मैंह सदा-सर्वदा यहोवा के घर म निवास करहं।

**नीतिबचन 3:5** तें अपन समझ के ऊपर भरोसा झन कर, पर अपन जम्मो हिरदय ले यहोवा ऊपर भरोसा रख; **3:6** अपन जम्मो काम ओकर ईछा के मुताबिक कर, तब ओह तोर बर सीधा रसता निकालही।

**सभोपदेसक 3:10** मैंह ओ बोला ला देखे हंव, जेला परमेसर ह मानव-जाति ऊपर रखे हवय। **3:11** ओह हर एक चीज ला ओकर समय म सुधर बनाय हवय। ओह मनखे के मन म अनंतकाल ला घलो बसाय हवय; तभो ले परमेसर ह सुर ले लेके आखिरी तक जऊन काम करे हवय, ओला कोनो मनखे समझ नइ सकय।

उत्तम गीत 2:4 ओह मोला भोज के घर म ले जावय, अऊ ओकर मया के धजा ह मोर ऊपर होवय।

यसायाह 9:6 काबरकि हमर बर एक बालक ह जनने है, हमन ला एक बेटा दिये गे हवय, अऊ परभूता ओकर खांध ऊपर होही। अऊ ओकर नांव अद्रूत युक्ति करइया, पराकरमी परमेसर, अनंतकाल के ददा, अऊ सांति के राजकुमार रखे जाही। 9:7 ओकर परभूता सदा बाढ़त जाही, अऊ ओकर सांति के अन्त नइ होही। ओह दाऊद के सिंघासन अऊ ओकर राज ऊपर सासन करही, ओ समय ले लेके सदाकाल बर नियाय अऊ धरमीपन के संग ओकर राज ह स्थिर रहिही अऊ संभले रहिही। सर्वसक्तिमान यहोवा के धन येला पूरा करही।

यरमियाह 1:4 यहोवा के ये बचन मोर करा, ये कहत आईस, 1:5 “गरभ म रचे के पहिले ही मेंह तोला जानत रहेव, तोर जनम के पहिले ही मेंह तोला अलग करे हव; मेंह तोला देस-देसमन बर अगमजानी ठहिरय हंव।” 1:6 तब मेंह कहेव, “आह, हे परमपरधान यहोवा, मेंह नइ जानव कि किसे गोठियावंव; मेंह अभी बहुत छोटे हंव।” 1:7 पर यहोवा ह मोला कहिस, “झन कह, ‘मेंह उमर म बहुत छोटे हंव।’ तोला ओ जम्मो झन करा जाना हे, जेमन करा मेंह तोला पठोहं अऊ जऊन हुक्म मेंह तोला दूँ, ओला बता। 1:8 ओमन ले झन डर्बे, काबरकि मेंह तोर संग हवंव अऊ मेंह तोला बचाहं,” यहोवा ह ये घोसना करत हे। 1:9 तब यहोवा ह अपन हांथ ला बढ़ाके मोर महुं ला छुईस अऊ मोला कहिस, “मेंह अपन बचन ला तोर महुं म डाल दे हंव। 1:10 सुन, मेंह आज तोला देसमन अऊ राजमन ऊपर ठहिरावत हंव कि तें ओमन ला उछानके पिरा दे, ओमन ला नास करके फटिक दे, ओमन ला बना अऊ बसा दे।”

बिलापागीत 3:21 तभो ले मेंह ये सुरता करथंव अऊ एकरे कारन मोला आसा हवय: 3:22 यहोवा के महान मया के कारन हमन खतम नइ होयेन, काबरकि ओकर दया हमेसा बने रहिये। 3:23 हर बिहिनियां ओमन नवां होयें; महान ए तोर बिसावासयोग्यता।

यहेजकेल 36:26 मेंह तुमन ला नवां हिरदय दूँ अऊ तुमन म एक नवां आतमा डालहं; मेंह तुमन ले तुम्हर पथरा के हिरदय हटा दूँ अऊ तुमन ला मांस के एक हिरदय दूँ। 36:27 मेंह अपन आतमा तुमन म डालहं अऊ अइसन करहं कि तुमन मोर नियम म चलह अऊ धियान देके मोर कानूनमन के पालन करह।

दानिएल 3:16 सदरक, मेसक अऊ अबेदनगो राजा ला जबाब दीन, “हे राजा नबूकदनेसर, ये बिसय म हमन ला तोर आधू म अपनआप के बचाव करे के जस्तर नइ ए। 3:17 यदि हमन ला धधकत आगी के भटी म फटिक दिये जाथे, त हमर परमेसर, जेकर सेवा हमन करथन, हमन ला येकर ले बचाय के सक्ति रखयेह, अऊ हे महाराज, ओह हमन ला तोर हांथ ले घलो बचाही। 3:18 पर यदि ओह हमन ला नइ घलो बचाय, तभो ले, हे महाराज, हमन तोला बता देय चाहत हन कि हमन तोर देवतामन के सेवा नइ करन या तोर दुवारा स्थापित सोन के मूरति के अराधना नइ करन।”

होसे 6:6 काबरकि मेंह बलिदान ले नइ, पर दया ले, अऊ होम-बलिदान के बदला परमेसर ला माने ले खुस होयंव।

योएल 2:28 “अऊ ओकर बाद, मेंह अपन आतमा ला जम्मो मनखेमन ऊपर उंडेलहं। तुम्हर बेटा अऊ बेटीमन अगमबानी करही, अऊ तुम्हर सियानमन सपना देखही, तुम्हर जवानमन दरसन देखही। 2:29 मेंह अपन दास अऊ अपन दासीमन ऊपर घलो ओ दिन म अपन आतमा उंडेलहं। 2:30 मेंह ऊपर अकास म अऊ खाल्हे धरती म अद्रूत काम, याने कि लह, आगी अऊ धुआं के बादर देखाहं। 2:31 यहोवा के महान अऊ भयानक दिन के आय के पहिली सूरज ह अधियार अऊ चंदा ह लह सही हो जाही। 2:32 अऊ हर एक, जऊन ह यहोवा के नाव लीही, ओह उद्गार पाही; काबरकि छुटकारा सियेन पहाड अऊ यस्सलेम म होही, जइसने कि यहोवा ह कहे हवय, अऊ त अऊ बचनेवालामन म ओ मनखेमन घलो होही जेमन ला यहोवा ह बलाही।

आमोस 5:24 पर नियाय ला नटी कस, अऊ धरमीपन ला कभ नइ सुखइया सोता सही बोहावन दव!

ओबदयाह 1:15 “सबो जाति के मनखेमन बर यहोवा के दिन ह लकठा म हवय। जइसन तेह करे हस, वइसन तोर संग घलो करे जाही; तोर करे गय दुस्ट काममन तौरेच मुड ऊपर आ जाही।

योना 2:6 मेंह पहाड के जरी तक चल दे रहेव, मेंह हमेसा बर भुइयां म गड गे रहेव। पर हे यहोवा मोर परमेसर, तेह मोला खंचवा म ले निकाले हस। 2:7 “जब मेंह बेहोस होवत रहेव, तब हे यहोवा, मेंह तोला सुरता करेव, अऊ मोर पराथना तोर मेर, तोर पवित्र मंदिर म पहुंचिस। 2:8 “जऊन मनखेमन बेकार के मूरतीमन म मन लगायें ओमन अपनआप ला परमेसर के मया ले दूरिहा कर लेयें। 2:9 पर मेंह, ऊंच्हा सबद ले परसंसा करके तोला बलिदान चघाहं। जऊन मन्नत मेंह माने हव, ओला मेंह पूरा करहं। मेंह कहिहं, ‘उद्गार सिरिप यहोवा ही से होयेए।’”

मीका 6:8 हे मरनहार मनखे, ओह तोला देखाय हवय कि का ह बने अय। अऊ यहोवा ह तोर ले का चाहथे? नियाय के काम करव अऊ दया करे बर झन छोड़व अऊ अपन परमेसर संग नमरता से चलव।

नहम 1:2 यहोवा जलन रखइया अऊ बदला लेवइया परमेसर अय; यहोवा बदला लेथे अऊ कोरोध ले भरे हवय। यहोवा अपन बईमन ले बदला लेथे अऊ अपन कोरोध अपन बईमन के बिस्थ देखाये। 1:3 यहोवा ह कोरोध करे म धीमा, पर सामर्थ म बडे अय; यहोवा दुस्टमन ला दंड देय बिगर नइ छोड़ही। ओकर रदा ह बवंडर अऊ आंधी म ले होके जाये, अऊ बादरमन ओकर गोड के धर्ण अंय।

हबक्कूक 3:17 चाहे अंजीर के स्ख म अंकुर झन निकलय अऊ अंगू के नार म अंगू झन फरय, चाहे जैतू के स्ख म फर झन लांगय अऊ खेत म अनाज झन होवय। चाहे बाडा म कोनो भेड़ झन रहय अऊ कोठा म कोनो पसु झन होवय, 3:18 तभो ले मैह यहोवा म अनंद मनाहं, मैह परमेसर अपन उद्ग्राकर्ता म आनंदित होहं। 3:19 परमपरधान यहोवा ह मोर बल अय; ओह मोर पांव ला हिरन के पांव सही बना देये, ओह मोला ऊंच जगह म चले के लईक बनाये। संगीत निरदेसक बर। मोर तारवाले बाजामन के संग।

सपनयाह 3:17 यहोवा, तोर परमेसर ह तोर संग हवय, ओह बडे सूर्बीर अय, जऊन ह तोला बचाये। ओह तोर कारन बहुत आनंदित होही; अपन मया म ओह तोला फेर कभू नइ डांटही, पर तोर कारन ओह गीत गावत आनंदित होही।”

हाग्गे 1:4 “का ये समय ए कि तुमन खद अपन बढ़िया घर म रहव, अऊ ये घर ह उजार पेरे रहय?” 1:5 अब सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: “अपन चालचलन ऊपर सही धियान देवब। 1:6 तुमन बहुते बोय रहेव, पर कम फसल मिलिस। तुमन खाथव, पर तुम्हर पेट कभू नइ भरय। तुमन पीथव, पर तुम्हर पीथास कभू नइ बुझय। तुमन ओनहा पहिरथव, पर ओकर ले तुमन ला गरमी नइ मिलय। तुमन मजदूरी कमाथव, पर येह कइसन खरचा हो जाये, तुमन ला पता नइ चलय।” 1:7 सर्वसक्तिमान यहोवा ह ये कहत हे: “अपन चालचलन ऊपर सही धियान देवब।

जकरयाह 12:10 “अऊ मैह दाऊद के घराना अऊ यस्सलेम के निवासीमन ऊपर किरणा अऊ बिनती करइया एक आतमा उडेलहं। ओमन मोर कोति देखही, जेला ओमन छेदे-बेधे हवय, अऊ ओमन ओकर बर बइसने बिलाप करही, जइसने कोनो अपन एके झन लइका बर करथे, अऊ ओमन ओकर बर इसने दुखी होही, जइसने कोनो अपन पहिलांत के मेरे म दुखी होये।

मलाकी 4:2 पर तुमन जऊन मन मोर नांव के आदर करथव, धरमीपन के सूज ह चंगी देवइया अपन किरन के संग उदय होही। अऊ तुमन बाहिर निकलह अऊ मोटा-ताजा बछवा कस उछल-कूद करह। 4:3 तब तुमन दुस्टमन ला कुचरह; ओमन मोर ठहिराय दिन म तुम्हर गोड के खालहे के राख हो जाही,” सर्वसक्तिमान यहोवा ह कहिथे।

मत्ती 28:18 तब यीसू ह ओमन करा आईस अऊ कहिस, “स्वरग अऊ धरती ऊपर मोला पूरा अधिकार देय गे हवय। 28:19 एकरसेति जाव अऊ जम्मो जाति के मनखेमन ला मोर चेला बनाव अऊ ओमन ला ददा, बेटा अऊ पबितर आतमा के नांव म बतिसमा देवब, 28:20 अऊ ओमन ला ओ जम्मो बात मानना सिखोवब, जेकर हक्कम मैह तुमन ला देय हवंब। अऊ देखब, मैह संसार के अन्त होवत तक हमेसा तुम्हर संग हवंब।” (aiōnios g165)

मरकुस 1:14 पाछू जब यहून्ना ला जेल म डाले गीस, त यीसू ह परमेसर के सुधर सदेस के परचार करत गलील प्रदेस म गीस। 1:15 ओह कहिस, “समय ह पूरा हो चुके हवय; परमेसर के राज ह लकठा आ गे हवय। मन फिरावब अऊ सुधर सदेस म बिसवास करब।” 1:16 गलील के झील के तीर-तीर जावत, ओह सिमोन अऊ ओकर भाई अन्दियास ला झील म जाल डारत देखिस, काबरकि ओमन मछुआर रहिन। 1:17 यीसू ह ओमन ला कहिस, “मोर पाछू आव ब, मैह तुमन ला मनखे पकड़इया मछुआर बनाह।” 1:18 ओमन तुरे अपन जाल ला छोड़के ओकर पाछू हो लीन।

लूका 4:18 “परभू के आतमा मोर ऊपर हवय, काबरकि ओह गरीबमन ला सुधर सदेस के परचार करे बर मोर अभिसेक करे हवय। ओह मोला पठोय हवय, ताकि मैह कैटीमन ला छुटकारा के, अऊ अंधारमन ला आंधी पाय के घोसना करंव, अऊ दुखित-पीडितमन ला छोड़वंव,

यहून्ना 3:16 “काबरकि परमेसर ह संसार ले इसने मया करिस कि ओह अपन एकलऊता बेटा ला दे दीस, ताकि जऊन कोनो ओकर बेटा ऊपर बिसवास करय, ओह नास नइ होवय, पर परमेसर के संग सदाकाल के जिनरी पावय। (aiōnios g166) 3:17 परमेसर ह अपन बेटा ला एकर खातिर नइ पठोईस कि ओह संसार ला दोसी ठहिरावय, पर ये खातिर पठोईस कि ओकर जरिये संसार के दुष्टाकरे।

प्रेरितमन के काम 1:7 यीसू ह ओमन ला कहिस, “ओ बेरा या तारिख, जऊन ला ददा ह अपनेच अधिकार म रखे हवय, तुमन के जाने के काम नो हय। 1:8 पर जब पबितर आतमा तुम्हर ऊपर आही, त तुमन सक्ति पाह; अऊ यस्सलेम म, अऊ जम्मो यहादिया अऊ सामारिया म, अऊ धरती के छोर तक तुमन भोर गवाह होह्।”

रोमीमन 11:32 काबरकि परमेसर ह जम्मो मनखेमन ला हक्कम नइ माने के पाप म बांधके रखे हवय ताकि ओह जम्मो झन के ऊपर दया देखावय। (eleesē g1653) 11:33 अहा! परमेसर के बुद्धि अऊ गियान के धन के गहराई ह कतोक अथाह अय! ओकर सही नियाय कोनो नइ कर सकंय, अऊ ओकर काम करे के तरीका ला कोनो नइ जान सकंय। 11:34 “परभू के मन ला कोन ह जाने हवय? अऊ कोनो ओला सलाह देय के लईक नो हंय।” 11:35 “कोन ह आज तक परमेसर ला कभू कुछ दे हवय कि परमेसर ह ओला वापिस देवय?” 11:36 काबरकि जम्मो चीज ह परमेसर ले आय हवय, अऊ ओकर दुवारा बनाय गे हवय अऊ ओकर खातिर बनाय गे हवय। ओकर महिमा सदाकाल तक होवत रहय। आमीन। (aiōn g165)

1 कुरिन्थ्युस 6:9 का तुमन नइ जानव कि दुस्ट मनखेमन परमेसर के राज के वारिस नइ हो सकंय? धोखा झन खावव। न तो छिनारी करइया, न मूरती-पूजा करइया, न दूसर के माईलेगन संग बेभिचार करइया, न पुस्स बेस्या, न समलैगिक, 6:10 न चोर, न लोभी, न मतवार, न बदनामी करइया अऊ न तो धोखेबाजमन परमेसर के राज के वारिस होही। 6:11 तुमन ले कुछ मनखेमन अइसने रिहिन। पर परभू यीसू मसीह के नाव म अऊ हमर परमेसर के आतमा के दुवारा तुमन ला धोय गे हवय, तुमन ला पाप ले सुध करे गे हवय अऊ तुमन ला धरमी ठहिराय गे हवय।

2 कुरिन्थ्युस 5:17 यदि कोनो मनखे मसीह म हवय, त ओह एक नवां सिरिस्टी ए। पुराना बात खतम हो गीस, अऊ जम्मो बात ह नवां हो गे हवय। 5:18 ये जम्मो ह परमेसर के दुवारा होईस, जऊन ह मसीह के जरिये अपन संग हमर मेल-मिलाप करिस अऊ हमन ला मेल-मिलाप के सेवा दीस। 5:19 एकर मतलब ए कि परमेसर ह मसीह के जरिये अपन संग संसार के जम्मो मनखेमन के मेल-मिलाप करिस अऊ ओह मनखेमन ऊपर ओमन के पाप के दोस नइ लगाईस। अऊ ओह मेल-मिलाप के संदेस के परचार के जिम्मेदारी हमन ला दीस। 5:20 एकरसेति, हमन मसीह के राजटू अन, मानो परमेसर ह हमर जरिये तुमन ले बिनती करत हवय। मसीह कोति ले, हमन तुम्हर ले बिनती करथन कि परमेसर के संग मेल-मिलाप कर लेवव। 5:21 मसीह ह कोनो पाप नइ करे रिहिस, पर हमर हित म, परमेसर ह हमर पाप ला ओकर ऊपर डार दीस ताकि मसीह के जरिये परमेसर के धरमीपन ह हमन म आ जावय।

गलातिया 1:6 मोला अचरज होवत हवय कि जऊन ह तुमन ला मसीह के अनुग्रह के दुवारा बलाईस, ओला तुमन अतेक जल्दी छोड देवत हव, अऊ आने किसम के सुधर संदेस कोति जावत हवय। 1:7 असल म, अऊ आने किसम के सुधर संदेस हवय ही नइ। पर कुछ मनखेमन तुम्हर बीच म गडबडी करत हवंय अऊ ओमन तुमन ला मसीह के सुधर संदेस ले हटाय के कोसिस करत हवंय।

इफिस्स 2:1 पहिली तुमन अपन अपराध अऊ पाप के कारन मर गे रहेव। 2:2 ये अपराध अऊ पाप म रहत, तुमन ये संसार के रीति अऊ सैतान के पांछ चलत रहेव, जऊन ह अकास के सासन करइया ए अऊ येह ओ आतमा अय, जऊन ह अब ओमन म काम काथे, जऊन मन परमेसर के हक्कम नइ मानय। (aiōn g165) 2:3 हमन जम्मो झन एक समय येमन के बीच, हमर देहें के लालसा म दिन बितावत रहेन अऊ देहें अऊ मन के ईछा ला पूरा करत रहेन, अऊ ये किसम ले बाकि मानव-जाति सही, सुभाव ले कोरोध के संतान रहेन। 2:4 पर परमेसर जऊन ह कि दया के धनी अय, हमर बर अपन बडे मया के कारन, 2:5 ओह हमन ला मसीह के संग जियाईस, जब हमन अपराध म मर गे रहेन—अनुग्रह के दुवारा तुम्हर उद्गार होईस। 2:6 अऊ परमेसर ह हमन ला मसीह के संग जियाईस अऊ मसीह यीसू म स्वरागीय राज म हमन ला ओकर संग बईठाईस, 2:7 ताकि अवइया समय म, ओह अपन अनुग्रह के असीम धन ला देखावय, जऊन ला ओह अपन दया ले मसीह यीसू म हमर ऊपर परगट करिस। (aiōn g165) 2:8 काबरकि अनुग्रह ले, बिसवास के दुवारा, तुम्हर उद्गार होईस। अऊ येह तुम्हर अपन कोति ले नइ, फेर येह परमेसर के दान ए। 2:9 अऊ येह मनखे के करम करे के कारन नो हय, ताकि कोनो घमंड झन करय। 2:10 काबरकि परमेसर ह हमन ला बनाईस अऊ मसीह यीसू म ओ बने करम करे बर गढिस, जऊन ला परमेसर ह पहिली ले हमर बर तियार करे हवय कि हमन ओ काममन ला करन।

फिलिप्पी 3:7 पर जऊन कुछ घलो मोर फायदा के रिहिस, मेह अब ओला मसीह के हित म हानि समझाथंव। 3:8 वास्तव म, मसीह यीसू, मोर परभू ला जाने के महानता के तुलना म, मेह हर एक बात ला एक हानि समझाथंव। मसीह यीसू, मोर परभू के हित म, मेह जम्मो बात के हानि उताय हवंय अऊ मैह ओ बातमन ला कचरा समझाथंव, ताकि मेह मसीह ला पा जावंव, 3:9 अऊ ओकर संग एक हो जावंव अऊ येह मोर खुद के धरमीपन ले नइ, जऊन ह कि मूसा के कानून ला पालन करे ले आथे, पर येह मसीह म बिसवास के जरिये—ओ धरमीपन ले अय, जऊन ह परमेसर करा ले आथे अऊ येह बिसवास के दुवारा अय।

**कुलस्ती** 1:15 मर्सीह ह अदृस्य परमेसर के स्स्प अऊ जम्मो सिरिस्टी म पहिलांत अय। 1:16 काबरकि ओकरे दुवारा जम्मो चीज सिरजे गीसः ओ जम्मो चीज जऊन ह स्वरग अऊ धरती म हवय, देखे अऊ अनदेखे चीज; चाहे सिंधासन हो या राज; सासन करइया हो या अधिकारी; जम्मो चीज ह ओकरे दुवारा सिरजे गीस अऊ ओकरे बर सिरजे गीस। 1:17 ओह जम्मो चीज ला सिरजे के पहिली रिहिस अऊ ओमा जम्मो चीज एक संग टिके रहिथे। 1:18 अऊ ओह देहें याने कि कलीसिया के मुठ अय। ओहीच ह सूर् ए अऊ मेरे मनखे म ले पहिली जी उठइया घलो, ताकि हर एक बात म ओह मुखिया ठहिरय। 1:19 काबरकि परमेसर ला ये बात म खुसी होईस कि ओकर जम्मो सुभाव ओमा रहय, 1:20 अऊ कुस्स म बोहे ओकर लह के दुवारा सांति स्थापित करय अऊ ये किसम ले अपन संग ओ जम्मो चीजमन के मेल-मिलाप करय; चाहे ओ चीज धरती म के होवय या फेर स्वरग म के।

**1 थिस्सलूनीके** 4:1 आखिर म, हे भाईमन, जइसने तुमन हमर ले सीखे हवक कि परमेसर ला खुस करे बर कइसने जिनगी जीना चाही; वास्तव म, तुमन वइसने जिनगी जीयत हवक घलो। पर हमन परभू यीसू म तुमन ले बिनती करत अऊ समझावत हवन कि ओमा अऊ बढत जावत। 4:2 तुमन जानत हव कि परभू यीसू कोति ले हमन तुमन ला का हुक्म दे हवन। 4:3 येह परमेसर के इछा ए कि तुमन पबितर बनव—तुमन बेभिचार ले दूर रहव; 4:4 तुमन ले हर एक मनखे सीखय कि अपन देहें ला कइसने बस म करके, ओला पबितर अऊ आदर के लईक रखे जावय। 4:5 ये काम मूरती-पूजा करइयामन सही काम-वासना ले नइ होवय, जऊन मन परमेसर ला नइ जानय;

**2 थिस्सलूनीके** 3:6 हे भाईमन हो, हमन तुमन ला परभू यीसू मर्सीह के नंब म हुक्म देवत हन कि हर ओ भाई ले अलगा रहव, जऊन ह आलसी ए अऊ ओ सिकछा के मुताबिक नइ चलय, जऊन ला तुमन हमर ले पाय हवव। 3:7 काबरकि तुमन खुदे जानत हव कि तुमन ला कइसने हमर चालचलन के नकल करना चाही। जब हमन तुम्हर संग रहेन, त आलसी बनके नइ रहेन, 3:8 अऊ बिगर दाम चुकाय मुफत म हमन काकरो इहां खाना नइ खायेन। पर हमन लगन अऊ मेहनत ले रात अऊ दिन काम करेन, ताकि तुमन के काकरो ऊपर हमन बोझा झान होवन। 3:9 ये बात नो हय कि हमन ला ये किसम के मदद पाय के हक नइ ए, पर हमन तुम्हर आधू म एक नमूना पेस करे बर वइसने करेन कि तुमन ओकर नकल करव। 3:10 जब हमन तुम्हर संग रहेन, त तुमन ला हुक्म देय रहेन कि कहं कोनो मनखे काम नइ करय, त ओह खाय घलो झान पावय।

**1 तीमुथियुस** 2:1 एकरसेति, सबले पहिली ये अनुरोध करत हंव कि बिनती, पराथना, निवेदन अऊ धनबाद जम्मो मनखे बर करे जावय— 2:2 राजा अऊ जम्मो ऊंच पद के मनखे बर ये करे जावय, ताकि हमन सांत अऊ सुख के जिनगी भक्ति अऊ पबितरता के संग जीयन। 2:3 येह बने बात ए अऊ येह हमर उद्धार करइया परमेसर ला भाथे। 2:4 ओह चाहये कि जम्मो मनखेमन के उद्धार होवय अऊ ओमन सत के गियान ला जानय। 2:5 काबरकि सिरिप एके परमेसर हवय अऊ परमेसर अऊ मनखेमन के बीच म एकेच बिचवई हवय, याने ओ मनखे मसीह यीसू,

**2 तीमुथियुस** 2:8 यीसू मर्सीह ला सुरता कर, जऊन ह मेरे म ले जी उठिस अऊ जऊन ह दाऊद राजा के बंस के रिहिस। येह मेर सुधर संदेस ए, जेकर परचार मैह करत हंव, 2:9 अऊ एके कारन मैह दुख उठावत हंव, इहां तक कि एक अपराधी के सही मैह जेल म हवंव। पर परमेसर के बचन ह सुतंतर हवय। 2:10 एकरसेति, मैह चुने मनखेमन खातिर हर चीज ला सहत हवंव कि ओमन घलो सदाकाल के महिमा के संग ओ उद्धार ला पावंय, जऊन ह मसीह यीसू के जरिये मिलथे। (aiōnios g166)

**तीतुस** 2:11 काबरकि परमेसर के अनुग्रह जम्मो मनखेमन ऊपर परगट होईस कि ओमन के उद्धार होवय। 2:12 अब येह हमन ला सिखोये कि हमन अभक्ति अऊ संसारिक लालसा ला छोडके, ये संसार म संयम अऊ ईमानदारी अऊ भक्ति म जिनगी बितावन, (aiōn g165) 2:13 अऊ हमन धइन आसा के याने हमर महान परमेसर अऊ उद्धार करइया यीसू मर्सीह के महिमा के परगट होय के बाट जोहत रहन। 2:14 यीसू ह अपन परान ला हमर खातिर दे दीस कि हमन ला जम्मो किसम के अधरम ले छुडा लेवय अऊ अपन बर अइसने सुध मनखे बनावय, जऊन मन भलई के काम करे बर उत्सुक रहय।

**फिलेमोन** 1:3 हमर ददा परमेसर अऊ परभू यीसू मर्सीह कोति ले तुमन ला अनुग्रह अऊ सांति मिलत रहय। 1:4 भाई फिलेमोन, जब मैह अपन पराथना म तोला सुरता करथव, त अपन परमेसर ला हमेसा धनबाद देथव, 1:5 काबरकि मैह परभू यीसू ऊपर तोर बिसवास अऊ परमेसर के जम्मो पबितर मनखेमन बर तोर मया के बारे म सुनत रहिश्व। 1:6 मैह पराथना करत हंव कि परभू यीसू ऊपर बिसवास म हमर संग तोर सहभागी होवई ह परभावसाली होवय ताकि मसीह खातिर जऊन भलई के काम हमन करथन, ओकर तोला पूरा समझ होवय। 1:7 हे मोर भाई, तोर मया ह मोला अब्बड आनंद अऊ उत्साह दे हवय, काबरकि तेहं परमेसर के मनखेमन के हिरदय ला ताजा कर दे हवस।

इबरीमन 1:1 पहिली जमाना म, परमेसर ह हमर पुरखामन ले, कतको बार अऊ कतको किसम ले अगमजानीमन के दुवारा गोठियाईस, 1:2 पर ये आखिरी दिन म, ओह हमर ले अपन बेटा के दुवारा गोठियाईस, जऊन ला ओह जम्मो चीज के ऊपर वारिस ठहिराईस अऊ ओकरे दुवारा, ओह संसार ला बनाईस। (aiōn g165) 1:3 बेटा ही परमेसर के महिमा के अंजोर ए अऊ ओह परमेसर के स्प के एकदम सही परतिनिधि ए अऊ ओह अपन सामर्थी बचन के दुवारा जम्मो चीजमन ला संभालके रखये। ओह मनखेमन के पाप ला सुध करे के बाद, स्वरग म महामहिम परमेसर के जेवनी हांथ कोति जा बईठिस।

याकूब 1:16 हे मोर मयास्त भाईमन, भोरहा म झन रहव। 1:17 काबरकि हर एक बने अऊ उत्तम बरदान स्वरग ले आथे अऊ परमेसर ददा, जऊन ह अंजोर ला बनाईस, ओकर कोति ले, ये बरदान ह मिलथे, अऊ ओह बदलत छइहां सहीं नईं बदलय। 1:18 ओह अपन इंछा ले हमन ला सुघर सदेस के दुवारा नवां जिनगी दीस, ताकि हमन परमेसर बर ओकर बनाय जम्मो चीजमन ले पहिली फर हो जावन।

1 पतरस 3:18 काबरकि मरीह ह याने धरमी ह अधरमीमन खातिर या तुम्हर पाप खातिर जम्मो के सेति एकेच बार मरिस कि ओह तुमन ला परमेसर करा लानय। ओह देहें म मारे गीस, पर आतमा के दुवारा जियाय गीस,

2 पतरस 1:3 परमेसर के ईस्वरीय सामर्थ ह हमन ला ओ जम्मो चीज दे हवय, जेकर जस्रत हमन ला जिनगी अऊ भक्ति खातिर होथे अऊ येह हमन ला ओकर बारे म हमर गियान के जरिये मिले हवय, जऊन ह हमन ला अपन खुट के महिमा अऊ भलई के दुवारा बलाय हवय। 1:4 येमन के जरिये, ओह हमन ला अपन बहुत महान अऊ कीमती परतिगियां दे हवय, ताकि ओमन के जरिये, तुमन ईस्वरीय सुभाव म सहभागी होवव, अऊ ओ बुरई के काम ले बच जावव, जऊन ह संसार म हवय अऊ खराप लालसा ले आथे।

1 यहन्ना 2:1 हे मोर मयास्त लङ्कामन हो, मैह ये बात तुमन ला एकरसेति लिखत हव, ताकि तुमन पाप झन करव। पर कहू कोनो पाप करथे, त हमर करा एक मददगार हवय, जऊन ह हमर बचाव म परमेसर ददा ले गोठियाथे, अऊ ओ धरमी जन ह यीसू मसीह अय। 2:2 अऊ ओहीच ह हमर पाप खातिर पछतावा के बलिदान ए, अऊ सिरिप हमर पाप ही नईं, पर जम्मो संसार के पाप बर घलो।

2 यहन्ना 1:7 कतको धोखा देवइयामन ये संसार म आ गे हवंय, जऊन मन ये नईं मानय कि यीसू मसीह ह मनखे के देहें धरके आईस। ये किसम के मनखेमन आने मन ला धोखा देयें अऊ मसीह के बिरोधी अंय।

3 यहन्ना 1:4 एक ले बडके मोर करा अऊ कोनो आंद के बात नईं हो सकय कि मैह ये सुनव कि मोर लङ्कामन परमेसर के सत बचन के मुताबिक चलत हवंय।

यहदा 1:3 हे मयास्त संगीमन हो, हालाकि मैह तुमन ला उद्गार के बारे म लिखे बर बहुत उत्सुक रहेव, जऊन म हमन सहभागी हवन, पर मैह ये जसरी समझेव कि तुमन ला लिखव अऊ बिनती करंव कि तुमन ओ बिसवास खातिर पूरा मेहनत करव, जऊन ला परमेसर ह अपन पबितर मनखेमन ला जम्मो के सेति एकेच बार म दे हवय। 1:4 काबरकि कुछ मनखेमन गुपत स्प ले तुमन म आके मिल गे हवंय, जऊन मन के दंड के हुक्म बहुत पहिली ले लिखे गे हवय। ओमन अधरमी मनखे अंय। ओमन हमर परमेसर के अमुग्रह ला दुराचार म बदल देयें अऊ हमर एकेच परमपरधान परभू यीसू मसीह के इनकार करथे।

दरसन 3:19 जऊन मन ला मैह मया करथंव, ओमन ला मैह दबकारथंव अऊ दंड देथंव। एकरसेति ईमानदार बनव अऊ अपन पाप ले पछताप करव। 3:20 देखव! मैह कपाट के आधू म ठाढ होके खटखटावत हवंव। कहू कोनो मोर अवाज ला सुनके कपाट ला खोलही, त मैह ओकर करा भीतर अके ओकर संग खाना खाहं अऊ ओह मोर संग खाही। 3:21 जऊन ह बिजयी होही, ओला मैह मोर संग सिंधासन म बईठे के अधिकार दहूं, जइसने कि मैह जय पाके अपन ददा के संग ओकर सिंधासन म बईठे हवंव। 3:22 जेकर कान हवय, ओह सुन ले कि पबितर आतमा ह कलीसियामन ला का कहिथे।”

# Reader's Guide

छत्तीसगढ़ी at [AionianBible.org/Readers-Guide](http://AionianBible.org/Readers-Guide)

The Aionian Bible republishes public domain and Creative Common Bible texts that are 100% free to copy and print. The original translation is unaltered and notes are added to help your study. The notes show the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of afterlife destinies.

Who has the authority to interpret the Bible and examine the underlying Hebrew and Greek words? That is a good question! We read in 1 John 2:27, "*As for you, the anointing which you received from him remains in you, and you do not need for anyone to teach you. But as his anointing teaches you concerning all things, and is true, and is no lie, and even as it taught you, you remain in him.*" Every Christian is qualified to interpret the Bible! Now that does not mean we will all agree. Each of us is still growing in our understanding of the truth. However, it does mean that there is no infallible human or tradition to answer all our questions. Instead the Holy Spirit helps each of us to know the truth and grow closer to God and each other.

The Bible is a library with 66 books in the Protestant Canon. The best way to learn God's word is to read entire books. Read the book of Genesis. Read the book of John. Read the entire Bible library. Topical studies and cross-referencing can be good. However, the safest way to understand context and meaning is to read whole Bible books. Chapter and verse numbers were added for convenience in the 16th century, but unfortunately they can cause the Bible to seem like an encyclopedia. The Aionian Bible is formatted with simple verse numbering, minimal notes, and no cross-referencing in order to encourage the reading of Bible books.

Bible reading must also begin with prayer. Any Christian is qualified to interpret the Bible with God's help. However, this freedom is also a responsibility because without the Holy Spirit we cannot interpret accurately. We read in 1 Corinthians 2:13-14, "*And we speak of these things, not with words taught by human wisdom, but with those taught by the Spirit, comparing spiritual things with spiritual things. Now the natural person does not receive the things of the Spirit of God, for they are foolishness to him, and he cannot understand them, because they are spiritually discerned.*" So we cannot understand in our natural self, but we can with God's help through prayer.

The Holy Spirit is the best writer and he uses literary devices such as introductions, conclusions, paragraphs, and metaphors. He also writes various genres including historical narrative, prose, and poetry. So Bible study must spiritually discern and understand literature. Pray, read, observe, interpret, and apply. Finally, "*Do your best to present yourself approved by God, a worker who does not need to be ashamed, properly handling the word of truth.*" 2 Timothy 2:15. "*God has granted to us his precious and exceedingly great promises; that through these you may become partakers of the divine nature, having escaped from the corruption that is in the world by lust. Yes, and for this very cause adding on your part all diligence, in your faith supply moral excellence; and in moral excellence, knowledge; and in knowledge, self-control; and in self-control patience; and in patience godliness; and in godliness brotherly affection; and in brotherly affection, love. For if these things are yours and abound, they make you to be not idle nor unfruitful to the knowledge of our Lord Jesus Christ,*" 2 Peter 1:4-8.

# Glossary

छन्तीसगाढ़ी at [AionianBible.org/Glossary](http://AionianBible.org/Glossary)

The Aionian Bible un-translates and instead transliterates eleven special words to help us better understand the extent of God's love for individuals and all mankind, and the nature of afterlife destinies. The original translation is unaltered and a note is added to 64 Old Testament and 200 New Testament verses. Compare the meanings below to the Strong's Concordance and Glossary definitions.

## **Abyssos** g12

*Greek:* proper noun, place

*Usage:* 9 times in 3 books, 6 chapters, and 9 verses

*Meaning:*

Temporary prison for special fallen angels such as Apollyon, the Beast, and Satan.

## **aīdios** g126

*Greek:* adjective

*Usage:* 2 times in Romans 1:20 and Jude 6

*Meaning:*

Lasting, enduring forever, eternal.

## **aiōn** g165

*Greek:* noun

*Usage:* 127 times in 22 books, 75 chapters, and 102 verses

*Meaning:*

A lifetime or time period with a beginning and end, an era, an age, the completion of which is beyond human perception, but known only to God the creator of the aiōns, Hebrews 1:2. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

## **aiōnios** g166

*Greek:* adjective

*Usage:* 71 times in 19 books, 44 chapters, and 69 verses

*Meaning:*

From start to finish, pertaining to the age, lifetime, entirety, complete, or even consummate. Never meaning simple endless or infinite chronological time in Koine Greek usage. Read Dr. Heleen Keizer and Ramelli and Konstan for proofs.

## **eleēsē** g1653

*Greek:* verb, aorist tense, active voice, subjunctive mood, 3rd person singular

*Usage:* 1 time in this conjugation, Romans 11:32

*Meaning:*

To have pity on, to show mercy. Typically, the subjunctive mood indicates possibility, not certainty. However, a subjunctive in a purpose clause is a resulting action as certain as the causal action. The subjunctive in a purpose clause functions as an indicative, not an optative. Thus, the grand conclusion of grace theology in Romans 11:32 must be clarified. God's mercy on all is not a possibility, but a certainty. See [ntgreek.org](http://ntgreek.org).

**Geenna** g1067

Greek: proper noun, place

Usage: 12 times in 4 books, 7 chapters, and 12 verses

Meaning:

Valley of Hinnom, Jerusalem's trash dump, a place of ruin, destruction, and judgment in this life, or the next, though not eternal to Jesus' audience.

**Hades** g86

Greek: proper noun, place

Usage: 11 times in 5 books, 9 chapters, and 11 verses

Meaning:

Synonomous with Sheol, though in New Testament usage Hades is the temporal place of punishment for deceased unbelieving mankind, distinct from Paradise for deceased believers.

**Limnē Pyr** g3041 g4442

Greek: proper noun, place

Usage: Phrase 5 times in the New Testament

Meaning:

Lake of Fire, final punishment for those not named in the Book of Life, prepared for the Devil and his angels, Matthew 25:41.

**Sheol** h7585

Hebrew: proper noun, place

Usage: 66 times in 17 books, 50 chapters, and 64 verses

Meaning:

The grave or temporal afterlife world of both the righteous and unrighteous, believing and unbelieving, until the general resurrection.

**Tartaroō** g5020

Greek: proper noun, place

Usage: 1 time in 2 Peter 2:4

Meaning:

Temporary prison for particular fallen angels awaiting final judgment.



Mesopotamia

Haran

Damascus

Mediterranean  
Sea

Babylon

Salem

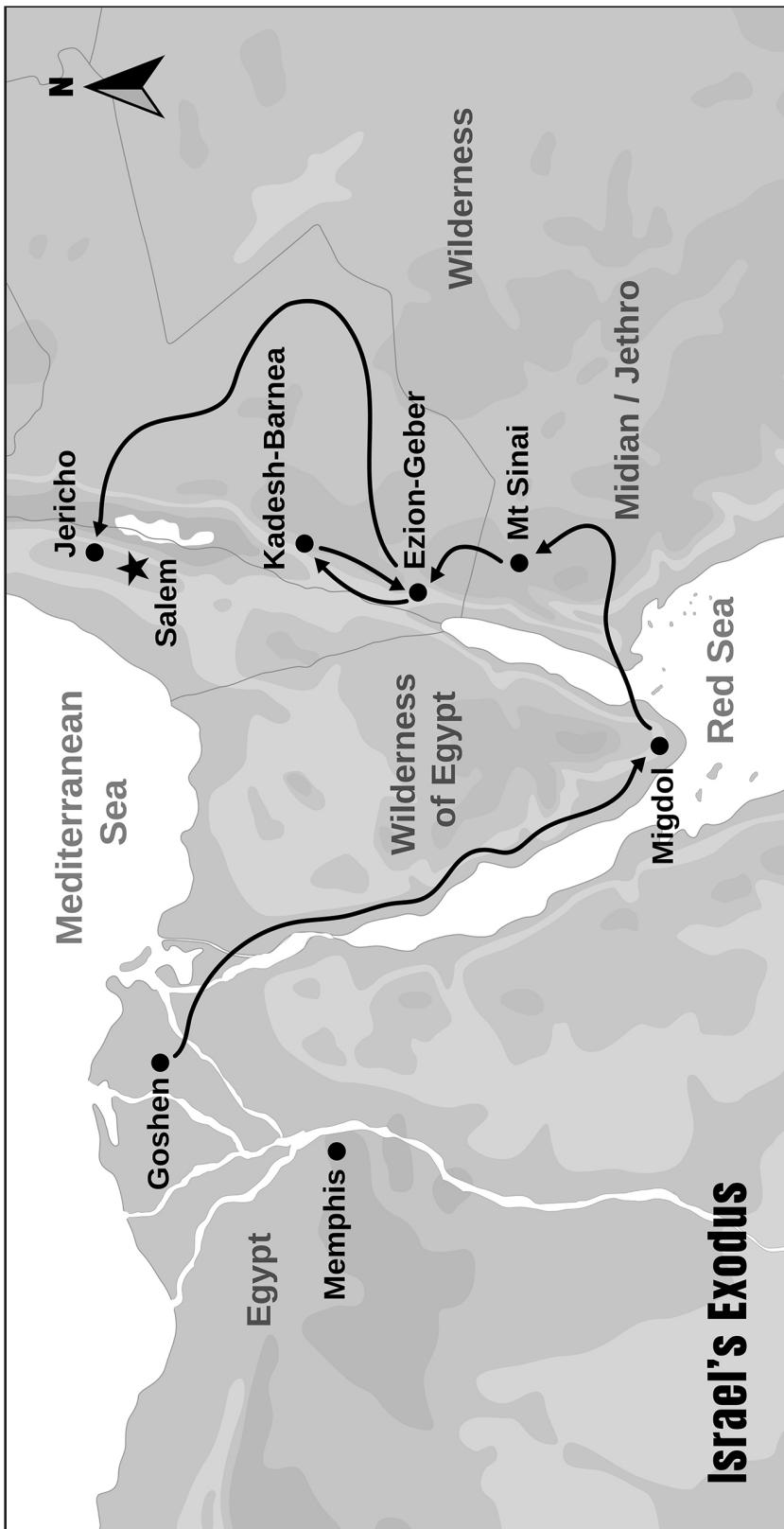
Egypt

Persian  
Gulf

## Abraham's Journey

जब परमेश्वर ह अब्राहम ला एक ठन जाह ला जाय बर कहिस, जुकन ला ओह बाद म वारिस के ह्य म पवइया रिहिस, त बिसवास के दुवारा, अद्वाहम ह परमेश्वर के बात ला मानिस अंक चल दीस,  
हालांकि ओला ये बात मालम नंड रिहिस कि ओह कहां जावत रिहिस। - इब्राहिम 11:8

# Israel's Exodus



जब मिश्रेन ह मन्त्रिभन ला जावन दीम्, त परमेस्तर ह औमन ला पतिस्तीपन के देस के डक्कर म ले नहूं ते ग्रीम्, हालाकि, ओ डक्कर ह छोटे मिश्रा। पर परमेस्तर ह अपन मन म कहिस,  
“अइयान झन होवय कि औमन लाईड होवय देखय अठुं अपन मन ला बदलके मिसर देस लहूं जावया” - निरामन 13:17



Mediterranean Sea

Sidon  
Tyre  
Caesarea-Philippi

Galilee  
Capernaum  
Bethsaida

Cana  
Nazareth

Sychar

Samaria

Ephraim

Jerusalem ★  
Bethany

Bethlehem

Judea

Syria

Decapolis

Peraea

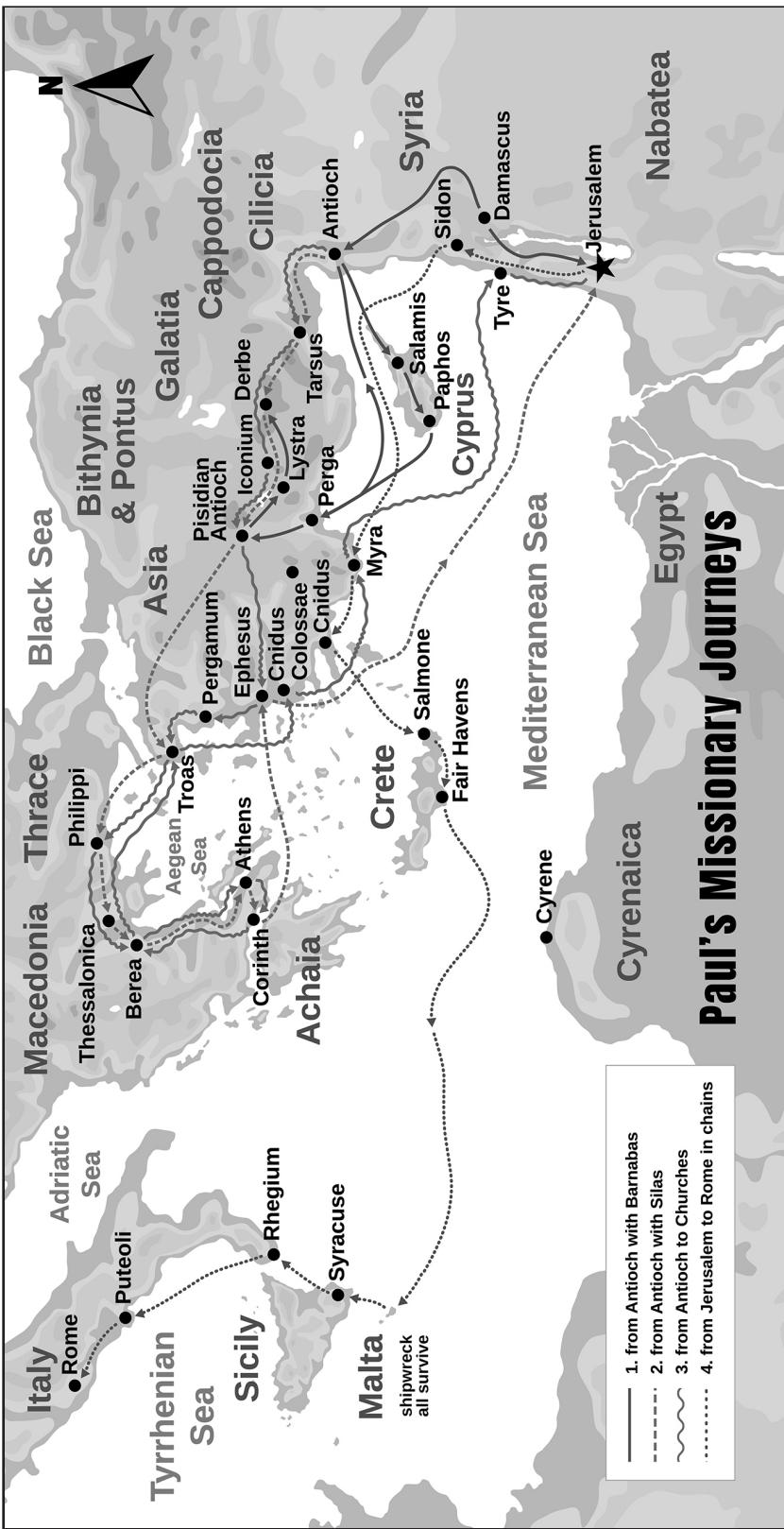
Jericho

► Egypt

**Jesus' Journeys**

काबरकि मरवे के बेटा ह अपन सेवा करवाय बर नां आईस, पर एकर खातिर आईस कि ओह अने मन के सेवा करय अफ बहुते इन के छुड़ैती बर अमन पान ला लेवय। - मरकुस 10:45

# Paul's Missionary Journeys



ये चिह्नी ह मसीह यीस के सेवक पौलस के तरफ से अथ, जर्मन ह प्रोटो हेल्प और बलाय गीस, अरु पारमेश्वर के सुधार संदेश के प्रचार करे बर अलग करे गे हवया। - रोमाइम 1:1

# **Creation 4004 B.C.**

<b>Adam and Eve created</b>	<b>4004</b>
<b>Tubal-cain forges metal</b>	<b>3300</b>
<b>Enoch walks with God</b>	<b>3017</b>
<b>Methuselah dies at age 969</b>	<b>2349</b>
<b>God floods the Earth</b>	<b>2349</b>
<b>Tower of Babel thwarted</b>	<b>2247</b>
<b>Abraham sojourns to Canaan</b>	<b>1922</b>
<b>Jacob moves to Egypt</b>	<b>1706</b>
<b>Moses leads Exodus from Egypt</b>	<b>1491</b>
<b>Gideon judges Israel</b>	<b>1245</b>
<b>Ruth embraces the God of Israel</b>	<b>1168</b>
<b>David installed as King</b>	<b>1055</b>
<b>King Solomon builds the Temple</b>	<b>1018</b>
<b>Elijah defeats Baal's prophets</b>	<b>896</b>
<b>Jonah preaches to Nineveh</b>	<b>800</b>
<b>Assyrians conquer Israelites</b>	<b>721</b>
<b>King Josiah reforms Judah</b>	<b>630</b>
<b>Babylonians capture Judah</b>	<b>605</b>
<b>Persians conquer Babylonians</b>	<b>539</b>
<b>Cyrus frees Jews, rebuilds Temple</b>	<b>537</b>
<b>Nehemiah rebuilds the wall</b>	<b>454</b>
<b>Malachi prophesies the Messiah</b>	<b>416</b>
<b>Greeks conquer Persians</b>	<b>331</b>
<b>Seleucids conquer Greeks</b>	<b>312</b>
<b>Hebrew Bible translated to Greek</b>	<b>250</b>
<b>Maccabees defeat Seleucids</b>	<b>165</b>
<b>Romans subject Judea</b>	<b>63</b>
<b>Herod the Great rules Judea</b>	<b>37</b>

(The Annals of the World, James Usher)



# **Jesus Christ born 4 B.C.**

# New Heavens and Earth



- Christ returns for his people
- 1956 Jim Elliot martyred in Ecuador
- 1830 John Williams reaches Polynesia
- 1731 Zinzendorf leads Moravian mission
- 1614 Japanese kill 40,000 Christians
- 1572 Jesuits reach Mexico
- 1517 Martin Luther leads Reformation
- 1455 Gutenberg prints first Bible
- 1323 Franciscans reach Sumatra
- 1276 Ramon Llull trains missionaries
- 1100 Crusades tarnish the church
- 1054 The Great Schism
- 997 Adalbert martyred in Prussia
- 864 Bulgarian Prince Boris converts
- 716 Boniface reaches Germany
- 635 Alopen reaches China
- 569 Longinus reaches Alodia / Sudan
- 432 Saint Patrick reaches Ireland
- 397 Carthage ratifies Bible Canon
- 341 Ulfilas reaches Goth / Romania
- 325 Niceae proclaims God is Trinity
- 250 Denis reaches Paris, France
- 197 Tertullian writes Christian literature
- 70 Titus destroys the Jewish Temple
- 61 Paul imprisoned in Rome, Italy
- 52 Thomas reaches Malabar, India
- 39 Peter reaches Gentile Cornelius
- 33 Holy Spirit empowers the Church

(Wikipedia, Timeline of Christian missions)

## Resurrected 33 A.D.

What are we? ►			Genesis 1:26 - 2:3	
How are we sinful? ►			Romans 5:12-19	
Where are we?			Innocence	
			Eternity Past	Creation 4004 B.C.
Who are we? ►	God	Father	John 10:30  God's perfect fellowship	Genesis 1:31  God's perfect fellowship with Adam in The Garden of Eden
		Son		
		Holy Spirit		
	Mankind	Living	Genesis 1:1  No Creation No people	Genesis 1:31  No Fall No unholy Angels
		Deceased believing		
		Deceased unbelieving		
	Angels	Holy	Genesis 1:1  No Creation No people	Genesis 1:31  No Fall No unholy Angels
		Imprisoned		
		Fugitive		
		First Beast		
		False Prophet		
		Satan		
Why are we? ►			Romans 11:25-36, Ephesian 2:7	

Mankind is created in God's image, male and female He created us

Sin entered the world through Adam and then death through sin

## When are we?



Fallen				Glory				
Fall to sin No Law	Moses' Law 1500 B.C.	Christ 33 A.D.	Church Age Kingdom Age	New Heavens and Earth				
1 Timothy 6:16 Living in unapproachable light				Acts 3:21 Philippians 2:11 Revelation 20:3				
John 8:58 Pre-incarnate		John 1:14 Incarnate	Luke 23:43 Paradise	God's perfectly restored fellowship with all Mankind praising Christ as Lord in the Holy City				
Psalm 139:7 Everywhere		John 14:17 Living in believers						
Ephesians 2:1-5 Serving the Savior or Satan on Earth								
Luke 16:22 Blessed in Paradise								
Luke 16:23, Revelation 20:5,13 Punished in Hades until the final judgment				Matthew 25:41 Revelation 20:10				
Hebrews 1:14 Serving mankind at God's command								
2 Peter 2:4, Jude 6 Imprisoned in Tartarus								
1 Peter 5:8, Revelation 12:10 Rebelling against Christ Accusing mankind				Revelation 20:13 Thalaasa				
				Revelation 19:20 Lake of Fire				
				Revelation 20:2 Abyss				

For God has bound all over to disobedience in order to show mercy to all

# Destiny

छत्तीसगढ़ी at [AionianBible.org/Destiny](http://AionianBible.org/Destiny)

The Aionian Bible shows the location of eleven special Greek and Hebrew Aionian Glossary words to help us better understand God's love for individuals and for all mankind, and the nature of after-life destinies. The underlying Hebrew and Greek words typically translated as *Hell* show us that there are not just two after-life destinies, Heaven or Hell. Instead, there are a number of different locations, each with different purposes, different durations, and different inhabitants. Locations include 1) Old Testament *Sheol* and New Testament *Hadēs*, 2) *Geenna*, 3) *Tartaroō*, 4) *Abyssos*, 5) *Limnē Pyr*, 6) *Paradise*, 7) *The New Heaven*, and 8) *The New Earth*. So there is reason to review our conclusions about the destinies of redeemed mankind and fallen angels.

The key observation is that fallen angels will be present at the final judgment, 2 Peter 2:4 and Jude 6. Traditionally, we understand the separation of the Sheep and the Goats at the final judgment to divide believing from unbelieving mankind, Matthew 25:31-46 and Revelation 20:11-15. However, the presence of fallen angels alternatively suggests that Jesus is separating redeemed mankind from the fallen angels. We do know that Jesus is the helper of mankind and not the helper of the Devil, Hebrews 2. We also know that Jesus has atoned for the sins of all mankind, both believer and unbeliever alike, 1 John 2:1-2. Deceased believers are rewarded in Paradise, Luke 23:43, while unbelievers are punished in Hades as the story of Lazarus makes plain, Luke 16:19-31. Yet less commonly known, the punishment of this selfish man and all unbelievers is before the final judgment, is temporal, and is punctuated when Hades is evacuated, Revelation 20:13. So is there hope beyond Hades for unbelieving mankind? Jesus promised, "*the gates of Hades will not prevail*," Matthew 16:18. Paul asks, "*Hades where is your victory?*" 1 Corinthians 15:55. John wrote, "*Hades gives up*," Revelation 20:13.

Jesus comforts us saying, "*Do not be afraid*," because he holds the keys to *unlock* death and Hades, Revelation 1:18. Yet too often our Good News sounds like a warning to "*be afraid*" because Jesus holds the keys to *lock* Hades! Wow, we have it backwards! Hades will be evacuated! And to guarantee hope, once emptied, Hades is thrown into the Lake of Fire, never needed again, Revelation 20:14.

Finally, we read that anyone whose name is not written in the Book of Life is thrown into the Lake of Fire, the second death, with no exit ever mentioned or promised, Revelation 21:1-8. So are those evacuated from Hades then, "*out of the frying pan, into the fire?*" Certainly, the Lake of Fire is the destiny of the Goats. But, do not be afraid. Instead, read the Bible's explicit mention of the purpose of the Lake of Fire and the identity of the Goats, "*Then he will say also to those on the left hand, 'Depart from me, you cursed, into the consummate fire which is prepared for... the devil and his angels,'*" Matthew 25:41. Bad news for the Devil. Good news for all mankind!

Faith is not a pen to write your own name in the Book of Life. Instead, faith is the glasses to see that the love of Christ for all mankind has already written our names in Heaven. "*If the first fruit is holy, so is the lump*," Romans 11:16. Though unbelievers will suffer regrettable punishment in Hades, redeemed mankind will never enter the Lake of Fire, prepared for the devil and his angels. And as God promised, all mankind will worship Christ together forever, Philippians 2:9-11.

# Disciple All Nations

एकरसेति जाग्व अरु जग्मो जाति के मनखेम ला मेर चेला बसवच अरु ओमन ला ददा, भेटा अरु पवित्र आत्मा के नांव म बहिसमा देवच, - मर्ती २८:१९



